{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 07 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 75
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

भारत में सशस्त्र संघर्ष विफल हो गया', पूर्व माओवादी एम वेणुगोपाल राव ने कहा- हमने इंडियन स्टेट की ताकत को कम आंका

एक खास इंटरव्यू

“मैंने कभी आत्मसमर्पण के बारे में सोचा नहीं था!!”

माओवादी बनने के सवाल पर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने कहा कि मैं अपने परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि के कारण आरएसयू में शामिल हुआ।

निखिला हेनरी । प्रस्तुति : डॉ विपिन बिहारी शांडिल्य

आत्मसमर्पण करने वाला नक्सली मल्लोजुला वेणुगोपाल राव (सोनू) उर्फ़ भूपति उर्फ़... ना जाने कितने कितने नाम... कितने कितने अलग अलग पहचान.. मगर चेहरा एक. माओवाद का बड़ा चेहरा सोनू दादा उर्फ़ भूपति!

बीते दिनों छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया। इस घटना में तीन जवानों की भी मृत्यु हो गयी। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि बीजापुरङ्कदंतेवाड़ा जिले की सीमा से लगे पश्चिम बस्तर डिवीजन इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए। इस मुठभेड़ में तीन जवानों की भी मृत्यु हो गई और दो जवान घायल हो गये।

इससे पहले सीपीआई (माओवादी) के केंद्रीय समिति के सदस्य, इसके पोलित ब्यूरो के सदस्य और इसके वैचारिक स्रोत माने जाने वाले 70 वर्षीय मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ने अक्टूबर 2025 में महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आत्मसमर्पण कर दिया।

1980 से प्रतिबंधित संगठन के भूमिगत कार्यकर्ता और मल्लोजुला कोटेश्वर राव उर्फ किशनजी के छोटे भाई, राव ने द इंडियन एक्सप्रेस को एक इंटरव्यू में बताया कि सीपीआई (माओवादी) एक असफल प्रयोग साबित हुआ और हथियार डालना ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता था। आत्मसमर्पण के समय राव के ऊपर एक करोड़ रुपये का इनाम था। उसने बताया कि सीपीआई (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू के मई में एक मुठभेड़ में मारे जाने के बाद इस विचार पर सहमत हो गए थे कि सशस्त्र संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकना ही एकमात्र रास्ता है।

सवाल - नक्सल आंदोलन में कैसे शामिल हुए ?

अपने परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि के कारण आरएसयू में शामिल हुआ- नक्सली

युवावस्था में रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन (आरएसयू) में शामिल होने और फिर माओवादी बनने के सवाल पर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव ने कहा, ॥ मैं अपने परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि के कारण आरएसयू में शामिल हुआ। मेरे पिता एक स्वतंत्रता सेनानी थे और मेरी माँ प्रगतिशील विचारों की थीं। मेरे बड़े भाई कोटेश्वरलु (किशनजी) आरएसयू की स्थापना में एक प्रमुख व्यक्ति थे। तेलंगाना, खासकर उत्तरी तेलंगाना जहाँ दमनकारी सामंती जमींदारी व्यवस्था थी, वहां की सामाजिक परिस्थितियों ने भी मुझे आरएसयू में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

राव ने आगे कहा, मुझे 1980 में एहसास हुआ कि मैं पार्टी का सदस्य बन गया हूँ, जब मेरे वरिष्ठों ने मुझे बताया। मुझे खुशी हुई। तब से लेकर 13 अक्टूबर 2025 (राव ने 14 अक्टूबर को आत्मसमर्पण कर दिया) तक, मैंने सीपीआई (माओवादी) के सदस्य के रूप में विभिन्न स्तरों पर काम किया।

सवाल - 50 साल तक जंगल में रहने का क्या अनुभव रहा ?

लगभग 50 साल तक जंगल में रहने के अनुभव के बारे में बताते हुए पूर्व नक्सली ने कहा, ‘वन आंदोलन मेरे जीवन का एक स्वर्णिम अध्याय रहा। मेरा जीवन उन लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है जिन्हें असभ्य माना जाता है, जिन्हें उपेक्षित सा माना जाता है। मैं उन लोगों से लगभग आधी सदी पहले मिला था। वे आदिवासी थे। वन विभाग द्वारा उन पर किए गए अत्याचार भयंकर थे। उनके पास न तो पर्याप्त भोजन था न ही कपड़े, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उनकी पहुंच से बाहर थी।’

माओवादी पार्टी का मानना था कि जंगलों पर आदिवासियों का अधिकार होना चाहिए और वे ही उन संसाधनों के असली मालिक हैं। पार्टी ने उस क्षेत्र को उत्पीड़ित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए शुरुआती बिंदु के रूप में चुना। ऐसे क्षेत्र में काम करके मुझे बहुत खुशी और संतुष्टि मिली लेकिन हमारी पार्टी पिछली आधी सदी में की गई गलतियों के कारण इस आंदोलन को आगे नहीं बढ़ा सकी।

सवाल -माओवादी राव ने क्यों किया आत्मसमर्पण ?

आत्मसमर्पण के सवाल पर राव ने कहा, ॥मैंने कभी आत्मसमर्पण करने के बारे में नहीं सोचा था लेकिन हम बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपनी विचारधारा और व्यवहार को समृद्ध बनाने में विफल रहे। 1980 के दशक के हालात अब 21वीं सदी में नहीं रहे। लगातार नुकसान झेलते हुए, जैसे-जैसे आंदोलन कमज़ोर होता गया और उम्मीदें और विश्वास फीके पड़ते गए, हमें एहसास हुआ कि सशस्त्र संघर्ष पर अड़े रहना नासमझी होगी। हमारी पार्टी के महासचिव कॉमरेड बसवराज (बसवराजू) ने सशस्त्र संघर्ष को अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया। इस बीच पुलिस मुठभेड़ में उनकी जान चली गई, जिसके कारण हम जो वैचारिक, राजनीतिक और संगठनात्मक रूप से उनसे सहमत थे, उनके विश्वसनीय साथियों के रूप में सामूहिक रूप से ‘आत्मसमर्पण’ का फैसला लेने के लिए मजबूर हुए। पिछले पच्चीस वर्षों से मेरी पार्टी के रुख से मेरे मतभेद रहे हैं।

सवाल -2011 में आत्मसमर्पण क्यों नहीं किया ?

जब 2011 में किशनजी मारा गया तब आपने आत्मसमर्पण क्यों नहीं किया? इस सवाल के जवाब में पूर्व माओवादी नेता ने कहा, ॥मेरे भाई की मृत्यु के समय, हममें से किसी ने भी आत्मसमर्पण के बारे में नहीं सोचा था। हालांकि, तब तक मैं पार्टी की कुछ बुनियादी गलतियों को समझ चुका था। मैं उन्हें सुधारने के लिए केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो के सदस्य के रूप में काम करना चाहता था। मैंने 2020 में केंद्रीय समिति के समक्ष अपनी राय रखी। केंद्रीय समिति ने सर्वसम्मति से उन्हें खारिज कर दिया। बाद में, केंद्रीय समिति ने न केवल मेरी राय को मान्यता दी बल्कि गलतियों को सुधारने के लिए भी तैयार हो गई। हालांकि, तब तक स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी।

राव ने आगे बताया, इस नाजुक मोड़ पर, हमारे महासचिव ने सशस्त्र संघर्ष को अस्थायी रूप से रोकने का फ़ैसला किया। हालाँकि, उन्होंने साहसपूर्वक और खुले तौर पर अपने फ़ैसले की घोषणा नहीं की जिसकी वजह से पार्टी को भारी क़ीमत चुकानी पड़ी, यहां तक कि उनकी जान भी चली गयी। ऐसी स्थिति में, उनके द्वारा शुरू किए गए और बीच में ही छोड़ दिए गए कर्तव्य को पूरा करने के लिए हमने सामूहिक रूप से यह फ़ैसला लिया, उन साथियों के समर्थन, प्रोत्साहन और प्रेरणा से जो शांति वार्ता प्रक्रिया के दौरान उनके (बसवराजू) साथ खड़े रहे।

सवाल -अब आपको देशद्रोही कहा जा रहा है। क्या आपको अपनी सुरक्षा का डर है?

इस सवाल पर पूर्व नक्सली ने कहा, मुझे अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की चिंता कभी नहीं थी बल्कि पार्टी की सुरक्षा की चिंता थी। भारतीय सशस्त्र आंदोलन अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में पहुँच गया है, उसे सुधारने के सभी रास्ते बंद हो चुके हैं, और उसके लोगों की रक्षा के कोई अवसर नहीं हैं। मैंने अगर अपनी जान के डर से यह फैसला लिया होता तो बहुत पहले ही ले लिया होता। मुझे डर नहीं था, डरना भी क्यों चाहिए लेकिन मैंने सबके जीवन की रक्षा और इस तरह क्रांतिकारी आंदोलन को बचाए रखने के बारे में सोचा।

मुझे खुशी होगी अगर मुझे देशद्रोही कहने वालों में से कोई भी हमारे पोलित ब्यूरो द्वारा लिखा गया आखिरी सर्कुलर और मेरे द्वारा जारी किया गया 22 पन्नों का दस्तावेज़ पढ़े। कुछ लोग दावा करते हैं कि देश में क्रांतिकारी हालात पहले से बेहतर हैं और माओवाद अजेय है लेकिन वे सिर्फ़ सिद्धांत बोल रहे हैं और कागज़ पर और माइक्रोफ़ोन के सामने अपनी कलम की ताकत दिखा रहे हैं। वे अगर सच्चे क्रांतिकारी हैं तो पहले दुनिया भर के बदलते हालात को समझें और हमारी गलतियों का एहसास करें। जो लोग मुझे देशद्रोही कह रहे हैं, उन्हें सूरज दिखाई नहीं दे रहा। वे तो बस सूरज की ओर उठती उँगलियों को देख रहे हैं। उन्होंने क्रांतिकारी आंदोलन को बिल्कुल भी नहीं समझा है।

(साभार - द इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली)

खास खबर

जुबीन की मौत केस में 12 को चार्जशीट

गुवाहाटी। असम पुलिस सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में 12 दिसंबर को चार्जशीट दाखिल करेगी। केस की जांच कर रहे सीआईडी के स्पेशल डीजी मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने शनिवार को बताया कि इस केस की जांच पूरी हो चुकी है। केस में अब तक तक सात गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। 300 से ज्यादा गवाहों से पूछताछ की गई है। जुबिन की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र में डूबने से हुई थी। गुप्ता ने कहा कि अब मामले में अधिक जानकारी चार्जशीट दाखिल होने के बाद ही दी जाएगी।

दुष्कर्म मामले में विधायक को राहत

तिरुवनंतपुरम। केरल उच्च न्यायालय ने कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटाथिल को गिरफ्तार से अंतरिम राहत दे दी है। राहुल ममकूटाथिल पर दुष्कर्म और जबरन गर्भपात कराने का आरोप है। शनिवार को सुनवाई के दौरान जस्टिस के बाबू ने कहा कि वे 15 दिसंबर को राहुल ममकूटाथिल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करेंगे, तब तक उनकी गिरफ्तारी नहीं की जाएगी।

दिल्ली-मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु... 11 एयरपोर्ट पर इंडिगो की 570 उड़ानें रद्द

आज रात 8 बजे तक लौटाने होंगे यात्रियों को सारे रिफंड

री-शेड्यूलिंग और रिफंड से जूझ रहे यात्री, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को दिया निर्देश

नई दिल्ली। इंडिगो संकट से घरेलू उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। अब तक तक 11 बड़े एयरपोर्ट पर 571 उड़ानें रद्द हो गईं। इस बड़े पैमाने पर कैंसिलेशन से हजारों यात्रियों को परेशान देखा जा रहा है। 4 दिन में 2000 से ज्यादा विमान डाउन हुए और 4 गुना तक किराया बढ़ोतरी की खबरें आईं। हालांकि, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने फेयर कैप लागू कर दिया और मनमाने किराया वसूली पर ब्रेक लगा दिया है। वहीं मंत्रालय ने इंडिगो को सख्त निर्देश दिया है कि वह यात्रियों के सभी लंबित रिफंड बिना किसी देरी के तुरंत लौटा दे। मंत्रालय ने तय समयसीमा के साथ आदेश दिया है कि कैंसिल या बाधित हुई उड़ानों से जुड़े सभी रिफंड 7 दिसंबर, रविवार रात 8 बजे तक पूरी तरह निपटा दिए जाएं। इस बीच, कई एयरलाइंस द्वारा हवाई किरायों में जबरदस्त बढ़ोतरी किए जाने पर उड्डयन मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाया है। मंत्रालय ने सभी प्रभावित रूटों पर फेयर कैप लागू कर दिया है, ताकि एअरलाइंस किसी भी तरह की मनमानी या मौकापरस्ती वाली कीमत ना वसूल सकें।

मंत्रालय ने एयरलाइंस को स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिन यात्रियों की यात्रा फ्लाइट रद्द होने से प्रभावित हुई है, उनसे किसी भी प्रकार का री-शेड्यूलिंग शुल्क न लिया जाए। आदेश का पालन न करने पर तत्काल नियामकीय कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। उड़ानों में आई गड़बडि़यों के बाद यात्रियों की शिकायतों का तेज समाधान सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय ने इंडिगो को स्पेशल पैसेंजर सपोर्ट एंड रिफंड सेल बनाने को कहा है। ये सेल प्रभावित यात्रियों से खुद संपर्क करेंगे, ताकि रिफंड और वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था बिना बार-बार फॉलो-अप किए ही पूरी हो सके। जब तक संचालन पूरी तरह सामान्य नहीं होता, ऑटोमेटिक रिफंड सिस्टम जारी रहेगा।

बैगेज लौटाने के लिए 48 घंटे की समयसीमा

मंत्रालय ने इंडिगो को यह भी निर्देश दिया है कि कैंसिलेशन या देरी की वजह से यात्रियों से अलग हुए सभी बैगेज का पता लगाकर उसे 48 घंटे के भीतर यात्रियों के घर या दिए गए पते पर पहुंचाया जाए। इसके साथ ही एयरलाइंस को यात्रियों को बैगेज की स्थिति, उसकी ट्रैकिंग और डिलीवरी टाइमलाइन के बारे में स्पष्ट सूचना देने को कहा गया है। जरूरत पडने् पर नियमों के अनुसार मुआवजा भी देना होगा। मंत्रालय ने कहा है कि यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए निगरानी और व्यवस्था और मजबूत की गई है। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग यात्रियों, छात्रों, मरीजों और जरूरी यात्रा कर रहे यात्रियों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मंत्रालय ने भरोसा दिया है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जल्द से जल्द पूरी तरह सामान्य संचालन बहाल किया जाएगा।

सामान्य संचालन 10-15 तक

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स का बयान भी आया है। उन्होंने बताया कि 5 दिसंबर को 1000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं हैं। सामान्य संचालन 10-15 दिसंबर तक बहाल हो जाएगा। जानकारी के मुताबिक, 11 एयरपोर्ट्स पर 571 उड़ानें रद्द हुई हैं। इनमें इनमें चेन्नई में 49, बेंगलुरु में 124, हैदराबाद में 69, पुणे में 42, लखनऊ में 8 और तिरुवनंतपुरम में 9, मैंगलोर में 3, मुंबई में 109, जयपुर में 13, अहमदाबाद में 59, दिल्ली में 86 उड़ानें कैंसिल हुई है। देशभर के एयरपोर्ट्स पर यात्रियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। इसके अलावा, यात्रियों को री-शेड्यूलिंग और रिफंड जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा...

रुपया अपना लेवल खुद बना लेगा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को एक एक कार्यक्रम के दौरान रुपया के लगातार गिरावट की चिंताओं पर बात करते हुए कहा कि रुपया अपना लेवल खुद ही बना लेगा। इसे लेकर ज्यादा चिंता करने की बात नहीं है। उन्होंने यह बात ऐसे वक्त में बोली हैं, जब रुपया गिरकर 90 के ऊपर जा चुका है। डॉलर के मुकाबले रुपया में आई गिरावट को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि जब विपक्ष में रहते हुए हमारी पार्टी ने रुपये की कमजोरी को लेकर मुद्दा उठाया था, तब हालात अलग थे। उस दौरान यूपीए सत्ता में थी, उन्होंने विस्तार से बताया कि उन पिछली चर्चाओं के बाद आज आर्थिक स्थिति बदल चुकी है। सीतारमण ने आर्थिक इंफ्रास्ट्रक्चर में आए बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि मैं बहुत सी बातें कहने के लिए उत्सुक हूं। रुपया, मुद्रा विनिमय दरें वगैरह, लेकिन ये कुछ ज्यादा ही संवेदनशी हैं।।। यूपीए के समय महंगाई दर बहुत ज्यादा थी, अर्थव्यवस्था नाजुक थी, और जब आपकी करेंसी पर भी असर पड़ता है तो कोई भी इससे प्रभावित होने से नहीं बचता।

हम जहां खड़े हैं, कुछ फैक्टर्स बहुत ही खास

करेंसी वैल्यूवेशन में इकोनॉमी इंफ्रास्ट्रक्चर के महत्व को समझाते हुए सीतारमण ने रुपये को व्यापक आर्थिक संकेतकों के संदर्भ में देखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के बुनियादी सिद्धांतों पर गौर करें, हम जहां पर खड़े हैं, कुछ फैक्टर्स बहुत ही खास हैं, जो भारत को एक बहुत ही अलग स्थिति में रखते हैं। इस करेंसी चर्चा को इन वास्तविकताओं के दायरे में रखना होगा।

आरबीआई गवर्नर ने क्या कहा?

इसके अलावा, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये के लिए किसी बैंड को टारगेट नहीं करता है और घरेलू मुद्रा को अपना स्तर खोजने की अनुमति देता है। मौद्रिक नीति के बाद आयोजित एक प्रेस वार्ता में रुपये के गिरावट के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम किसी करेंसी लेवल पर या किसी बैंड को लक्ष्य नहीं बनाते।

कुछ ना कहना

हिमाचल प्रदेश के चंबा में महसूस किए गए भूकंप के झटके

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा में बीती रात भूकंप के झटके महसूस हुए। इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप जमीन के भीतर 10 किलोमीटर गहराई पर आया। इन झटकों को तीन से चार बार महसूस हुआ। एनसीएस के अनुसार, भूकंप रात 11 बजकर 36 मिनट पर आया। अब तक इससे किसी भी प्रकार के जान और माल के नुकसान की सूचना नहीं है। जिन लोगों ने झटके महसूस किए, वह घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, झटकों की तीव्रता कम होने की वजह से ज्यादातर लोग इन झटकों को महसूस नहीं कर पाएं।

बंगाल फतह करने में जुटे पीएम मोदी....सांसदों को दिए जरुरी टिप्स

नई दिल्ली। बिहार में चुनाव जीतने के ठीक बाद से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना पूरा फोकस पश्चिम बंगाल पर कर दिया है। बिहार में जीत के बाद पीएम मोदी ने कहा था कि जैसे बिहार ने जंगल राज से छुटकारा पाया, वैसे ही अब बंगाल की बारी है। पीएम मोदी ने कहा था कि गंगा बिहार से बंगाल तक बहती है और बिहार ने बंगाल में भाजपा की जीत का रास्ता बना दिया है। अब बंगाल से भी हम जंगल राज हटाएंगे। अब संसद के शीतकालीन सत्र के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के सांसदों से मुलाकात कर उन्हें जीत का मंत्र दिया।

बंगाल में साल 2026 यानि अगले साथ विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बीजेपी सांसदों को सलाह दी है कि राज्य में चल रहा एसआईआर अभियान सरल और पारदर्शी रहे। प्रधानमंत्री मोदी से जुड़े सूत्र के अनुसार, उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से जटिल न बनाए और यह संदेश बूथ स्तर तक पहुंचना चाहिए। उन्होंनि कहा, एसआईआर ड्राइव को सरल और पारदर्शी रखें। इसका उद्देश्य केवल इतना है कि पात्र मतदाताओं का नाम शामिल हो और जो पात्र नहीं हैं उनके नाम हटाए जाएं। उन्होंने सांसदों से कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी के दौरान वे फोकस और आत्मविश्वासी रहें। टीएमसी या मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सीधे तौर पर नाम लिए बिना प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को सलाह दी कि वे विपक्ष की बयानबाजी से परेशान न हो। उन्होंने कहा कि बंगाल में बीजेपी किस तरह बढ़ी है। 2011 में मात्र तीन विधायकों से लेकर 2016 तक पार्टी की उपस्थिति में बड़ा विस्तार हुआ और इस प्रगति को लगातार आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर पश्चिम बंगाल 2 लाख से ज्यादा लोग मस्जिद के लिए ईंट लेकर पहुंचे, मौलवियों ने काटा फीता

मुर्शिदाबाद में रखी गई नई बाबरी मस्जिद की नींव

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की। इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था।

कार्यक्रम को लेकर बेलडांगा समेत आसपास का इलाका सुबह से हाई अलर्ट था। बेलडांगा और उसके आसपास सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ, स्थानीय पुलिस की कई टीमों समेत 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात रहे। हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को कहा था कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। टीएमसी ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था

बाबरी मस्जिद की तर्ज पर नई मस्जिद के शिलान्यास समारोह को देखते हुए कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया था। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेजिनगर और निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में पुलिस, आरएएफ और केंद्रीय बलों की बड़ी टुकडियां तैनात की गईं। हुमांयू कबीर को इस हफ्ते की शुरुआत में ही टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि पार्टी ने इसे सांप्रदायिक राजनीति से जुड़ा मामला बताया था। कबीर ने इस महीने की शुरुआत में स्थापना समारोह का एलान किया था, जिससे राजनीतिक आलोचना शुरू हो गई थी और राज्य प्रशासन को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी थी। हुमायूं कबीर ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह को बाधित करने की साजिश रची जा रही है।

वार्डों का 3 घंटे किया निरीक्षण, ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश

जिला चिकित्सालय की लापरवाही पर सिविल सर्जन सख्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर के निर्देश पर लंबे समय से जिला चिकित्सालय में मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं में हो रही लापरवाही और ट्रॉमा सेंटर में प्रसूताओं से प्रसव करवाने के नाम से पैसे लेने की शिकायतों के बीच सिविल सर्जन ने सख्त रुख अपनाया है। इसी के तहत 6 दिसंबर को सिविल सर्जन ने करीब 2 से 3 घंटे तक अस्पताल के सभी वार्डों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों की स्थिति, स्टाफ की मौजूदगी, साफ-सफाई तथा इलाज में होने वाली कमियों को बारीकी से परखा। मरीजों से बातचीत कर उन्हें होने वाली असुविधाओं की जानकारी ली और अस्पताल कर्मियों से बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिविल सर्जन ने ट्रॉमा सेंटर की शिकायतों को गंभीर बताते हुए कहा कि प्रसूताओं के साथ आने वाली आशा कार्यकर्ताओं के नाम और मोबाइल नंबर दर्ज किए जाएँ। साथ ही प्रसूताओं की काउंसलिंग सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में करने की व्यवस्था बनाने के निर्देश भी दिए। सिविल सर्जन ने स्पष्ट किया कि अस्पताल की व्यवस्था में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता है और लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिला चिकित्सालय आए दिन विभिन्न घटनाओं और शिकायतों के कारण सुर्खियों में बना रहता है। मरीजों के परिजन अक्सर ट्रॉमा सेंटर में दी जाने वाली सुविधाओं की कमी और प्रसव के नाम पर डॉक्टरों द्वारा पैसे लेने के आरोप लगाते रहे हैं। इसी तरह की शिकायतों के चलते हाल ही में एक महिला चिकित्सक को निलंबित भी किया गया है। लगातार मिल रही शिकायतों और अस्पताल की छवि खराब होने के बाद सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने 6 दिसंबर को पूरे जिला चिकित्सालय का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने हर वार्ड में पहुँचकर मरीजों, स्टाफ और कर्मियों से बातचीत कर व्यवस्था की

हकीकत जानी। निरीक्षण में कई विभागों में बेड, बिस्तर और फर्नीचर की कमी सामने आई। वहीं अस्पताल परिसर में अव्यवस्थाएँ और गंदगी का आलम भी नजर आया, जिस पर डॉ. जैन ने तत्काल सुधार के निर्देश दिए। सिविल सर्जन ने अस्पताल परिसर में स्थित पार्किंग व्यवस्था को भी दुरुस्त करने के निर्देश दिए। ट्रॉमा सेंटर पहुँचने पर उन्होंने पाया कि परिसर में कुछ प्राइवेट एंबुलेंस खड़ी थीं, जबकि कलेक्टर श्री मीणा ने पहले ही ऐसे वाहनों को परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित करने के निर्देश दे चुके हैं। इस पर उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को कड़े आदेश दिए कि किसी भी परिस्थिति में प्राइवेट एंबुलेंस अस्पताल परिसर में खड़ी न होने पाए। डॉ. जैन ने अस्पताल के सभी वार्डों में सीसीटीवी कैमरे, लाइटिंग और अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं को तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अस्पताल की प्रतिष्ठा बहाल करना और मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है, और लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रामा सेंटर में पुरूष वर्ग के जाने पर लगेगा प्रतिबंध

सिविल सर्जन निलय जैन ने यह भी बताया कि अब ट्रामा सेंटर में महिलाएं और मरीज ही रहेंगे और इसके लिए भी उन्हें पहले टोकन सहित पास की व्यवस्था बनाई जाएगी एवं पुरुष वर्ग ट्रामा सेंटर में नहीं जाएंगे उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाएगा उन्होंने कहा कि ट्रामा सेंटर में अधिकतर प्रसूता महिलाएं रहती है और वहां पुरुषों का कोई कार्य नहीं होता इसलिए अब यह निर्णय लिया जा रहा है।

आशा कार्यकर्ताओं की भी होगी एंट्री

प्रसव के लिए मरीजों के परिजनों से पैसे लिए जाने के मामले में ऐसा माना जाता है कि डॉक्टर सीधे पैसे ना लेकर आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से पैसे लेते हैं ऐसे आरोप बीते दिनों लग रहे थे और इसी व्यवस्था को सुधार करने के लिए सिविल सर्जन ने बताया कि अब प्रसुताओं के साथ आने वाली आशा कार्यकर्ताओं के नाम और नंबर ट्रामा सेंटर में प्रवेश के पहले लिए जाएंगे इसके बाद ही आशा कार्यकर्ताएं ट्रामा सेंटर में प्रवेश करेगी, जिससे कि यदि पुन: लेनदेन का मामला सामने आता है तो मरीज के साथ आशा कार्यकर्ताओं की पहचान उनके द्वारा दी गई जानकारी से हो जाएगी और उसका रिकॉर्ड भी जिला चिकित्सालय में रहेगा।

प्रसुताओं की काउंसलिंग होगी सीसीटीवी के सामने

सिविल सर्जन ने यह भी स्पष्ट कराया की कई बार मरीजों के परिजन यह आरोप लगाते हैं कि उनके द्वारा प्रसव करने के लिए रुपए नहीं दिए जाने के कारण डॉक्टरों द्वारा उन्हें अलग-अलग कारण बताकर रेफर कर दिया जाता है जिससे मरीजों को निजी अस्पताल में जाकर प्रसव कराना पड़ता है। इसके लिए उन्होंने अब काउंसलिंग की व्यवस्था बनाई है। अब डॉक्टर और प्रसूता सीसीटीवी कैमरे के सामने रेफर करेंगे और जो भी कारण है वह वीडियो ग्राफी के माध्यम से रिकॉर्ड होगा, जिससे कि अब मरीज और डॉक्टर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप नहीं लगा सकेंगे और पूरी काउंसलिंग सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड होगी।

निलय जैन ने यह भी स्पष्ट करवा दिया है कि यदि प्रसव के लिए प्रसूता या उनके परिजनों से कोई पैसा लेता है तो प्रसव होने के बाद और पहले दो सदस्य टीम हर दिन ट्रामा सेंटर में जाकर भर्ती होने वाली प्रसूता और उनके परिजनों से काउंसलिंग करेगी और पूछेगी कि उनसे किसी प्रकार के कोई पैसे तो नहीं लिया गया है या उन्होंने किसी को पैसा तो नहीं दिया है। इसकी एक लिखित जानकारी भी समिति रजिस्टर में मेंटेन करेगी। साथ ही ट्रामा सेंटर परिसर में साउंड सिस्टम के माध्यम से भी यह प्रसारित किया जाएगा की कोई भी मरीज और उनके परिजन डॉक्टर को जिला चिकित्सालय में दी जाने वाली सुविधाओं के लिए पैसा ना दे। यह प्रसारण 24 घंटे जिला चिकित्सालय में चलता रहेगा।

आंवलाझरी में शासकीय भूमि से मिट्टी खुदाई पर विवाद, ग्रामीण और सरपंच आमने-सामने

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्राम आंवलाझरी में शासकीय भूमि से मिट्टी खुदाई को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। गांव के कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत के सरपंच शासकीय भूमि से मिट्टी निकलवाकर उसे अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए बेच रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह उत्खनन नियमों के विपरीत है और सरकारी भूमि को नुकसान पहुँचाया जा रहा है। दूसरी ओर, सरपंच ने ग्रामीणों के आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। सरपंच का कहना

है कि वे नियमों के अनुसार कार्य कर रहे हैं और मिट्टी खुदाई का काम सरकारी प्रक्रियाओं के तहत ही कराया जा रहा है। सरपंच ने यह भी कहा कि कुछ ग्रामीण पिछले दो-तीन वर्षों से उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान कर रहे हैं और विकास कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम आंवलाझरी में शासकीय भूमि से मिट्टी निकालने को लेकर विवाद बढ़ गया है। ग्रामीण संतोष लिल्हारे ने सरपंच पर आरोप लगाया है कि वह सरकारी जमीन से मिट्टी खुदवाकर उसे प्लाटिंग करने वालों को बेच रहा है। संतोष का कहना है कि यह काम काफी समय से चल रहा है और इसकी जानकारी किसी को नहीं दी गई। जब उन्होंने शासकीय भूमि पर हो रहे उत्खनन का विरोध किया, तो उन्हें जेसीबी और ट्रैक्टर से कुचलने की धमकी दी गयी । विरोध करने वाले एक ग्रामीण के साथ धक्का-मुक्की, और मारने की धमकी देने की भी बात सामने आई है। मामले से नाराज ग्रामीण भरवेली थाना पहुंचे और पुलिस को पूरी घटना की लिखित शिकायत दी। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो शासकीय भूमि का गलत इस्तेमाल होता रहेगा, जिससे गांव को नुकसान होगा। आंवलाझरी ग्राम पंचायत के सरपंच अशोक लिल्हारे ने शासकीय भूमि से मिट्टी उत्खनन को लेकर उठ रहे विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सरपंच का कहना है कि उन्हें पिछले कई दिनों से संतोष और उसके भाई द्वारा लगातार परेशान किया जा रहा है, जबकि वे नियमों का पालन करते हुए ही काम कर रहे हैं। सरपंच अशोक लिहारे ने बताया कि उनके पास कार्य के लिए शासन की अनुमति है और वे किसी भी प्रकार का अवैध उत्खनन नहीं करा रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें जानबूझकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी ग्रामीण के साथ मारपीट या दुर्व्यवहार नहीं किया है। सरपंच का कहना है कि पंचायत में पद संभालने के बाद से ही कुछ लोग व्यक्तिगत दुर्भावना रखते हुए उन्हें लगातार परेशान कर रहे हैं। अशोक लिल्हारे ने उम्मीद जताई कि पुलिस इस मामले में न्यायसंगत कार्रवाई करेगी।

विठ्ठल रूक्मणी मंदिर को दान की 1 लाख की राशि

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के श्री तीर्थ क्षेत्र विठ्ठल रूक्मणी देवस्थान बोथवा को एक युवती ने 01 लाख रुपए की धनराशि दान दी है। पहली बार किसी महिला दानदाता ने मंदिर को इतनी बड़ी राशि दी है। जिस कारण इसकी खूब चर्चा हो रही है। समतपुरी की वैशाली बोपचे नाम की युवती ने मंदिर को यह राशि दान की है। हमने वैशाली से इतनी बड़ी धन राशि मंदिर को दान देने की वजह पूछी तो उन्होंने बताया कि भगवान की कृपा उन पर हमेशा बनी रही साथ ही जिंगदी के दर्द भरे पड़ावों को सहते हुए सहीं रास्ता भगवान ने दिखाया। भगवान ने ही उन्हें यह रास्ता सुझाया जिस पर चलते हुए उन्होंने अपने जीवन का सबसे अहम और बड़ा फैसला लिया। इसलिए उन्होंने मंदिर को यह राशि दान की। वैशाली ने बताया कि उनके जीवन में एक समय ऐसा आया जब हर दिन उनकी परीक्षा ले रहा था। ऐसे कठिन वक्त में उन्होंने स्वयं को संभाला और हर उस रिश्ते को संभाल कर रखने की कोशिश की जो टूट रहा था। वह कहती है जीवन में पैसा ही सबकुछ नहीं होता रिश्तों की कद्र करनी पड़ती है। जब किसी व्यक्ति में अंहकार का भाव होता है तो वह किसी की नहीं सुनता। उन तक हम अपनी बात नहीं पहुंचा सकते। जीवन की मुश्किलों और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए उन्होंने भगवान से रास्ता दिखाने के लिए कहा और सबकुछ उन पर छोड़ दिया। उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आए और इसी बदलाव का ऋण अदा करने के लिए उन्होंने दान का सहारा लिया।

श्री सत्य साई सेवा समिति द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बीपी, शुगर, ब्लड टेस्ट सहित सामान्य जांच कर मरीजों को दी गई चिकित्सकीय सलाह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्री सत्य साई सेवा समिति बालाघाट द्वारा शनिवार को समाज सेवा की भावना के तहत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर श्री सत्य साई समर्पण हॉल, परिसर में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लिया ।शिविर में चिकित्सकों द्वारा बीपी, शुगर की जांच के साथ-साथ ब्लड टेस्ट एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण

किए गए ।शिविर में उपस्थित वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. स्मरण ठाकुर एवं डॉ. काजल देशमुख ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की ।शिविर के दौरान लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के विषय में भी जागरूक किया गया। श्री सत्य साई सेवा समिति के सदस्यों ने शिविर में आए नागरिकों को सहयोग प्रदान करते हुए व्यवस्थाएं संभालीं ।सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। शिविर के सफल आयोजन में समिति के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

राजा लिल्हारे पर सांप का जहर बेचने का लगाया आरोप

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिलाध्यक्ष आशुतोष बिसेन ने किया आरोपों का खंडन

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुई जिला पंचायत सदस्य केसर बिसेन और उनके पुत्र आशुतोष बिसेन को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल है। यह वीडियो नदियों के संरक्षण और रेत को लेकर लगातार आवाज उठाने वाले राजा लिल्हारे ने अपलोड किया है। इस वीडियो को राजा लिल्हारे ने कैप्शन दिया है कि 'क्या भाजपा नेता केसर बिसेन के बेटे आशुतोष बिसेन कटंगी विधानसभा क्षेत्र से नदियों को खोखला करके रेत की चोरी कर रहे हैं।' इस वीडियो के अपलोड होने के बाद सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म में यह वीडियो वायरल हो गया। जिस पर अब अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष आशुतोष बिसेन ने संज्ञान लिया है। उन्होंने शनिवार को दोपहर 12 बजे अपने निवास से एक वीडियो बयान जारी करते हुए कहा कि उनका रेत के कारोबार से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि वह लगातार बाहर दौरे पर थे इस बीच उनके पास यह वीडियो पहुंचा है। वह कहते है कि उन्होंने स्वयं के कॉलेज का कार्य निर्माणाधीन है उसके लिए भी हरदोली के युवाओं से 3 हजार रुपए प्रति ट्राली का पैसा देकर रेत खरीदी है। उन्होंने कहा कि वह चाहते है कि उनके क्षेत्र के लोगों को कम दाम में रेत मिलना चाहिए। प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाने वाले को 3 हजार रुपए ना देना पड़े।

आशुतोष बिसेन ने राजा लिल्हारे पर पटलवार करते हुए कहा वह जिले के लोकप्रिय लोगों और प्रशासनिक लोगों के खिलाफ भद्दी भाषा का इस्तेमाल करता है। राजा लिल्हारे एक गुर्गा है। इसके पीछे कुछ राजनीतिक लोग है जो इस जिले के लोकप्रिय और प्रतिष्ठित लोगों की छवि खराब करने का उसे ठेका देते है। उन्होंने कहा कि इस जिले के भीतर अवैध खनन हो रहा है तो जिले में ईमानदार एसपी है। जिनके रहते जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगा हुआ है। जिले में कलेक्टर है जिला खनिज अधिकारी है। यह सभी लोग है जिनके पास शिकायत करनी चाहिए। अगर वह कोई गलत काम कर रहे है तो उनके खिलाफ भी जांच होगी और वह गलत हुए तो न्यायालय के समक्ष उसका जवाब दिया जाएगा। आशुतोष बिसेन कहते है राजा लिल्हारे कौन होता है जो सोशल मीडिया के जरिए किसी पर कीचड़ उछाले।

आशुतोष बिसेन ने कहा कि आज हर व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान चाहता है। मकान बनाना है तो सीमेंट, रेत, गिट्टी लगना ही है। बिना रेत के क्रांकीट तैयार हो रही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि अगर कहीं अवैध उत्खनन हो रहा है तो प्रशासन कार्रवाई करें किसी ने प्रशासन को रोका थोड़ी है। आशुतोष ने कहा कि मेरे कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने से दिक्कत है। उन्होंने कहा कि उनके कांग्रेस में रहते हुए राजा लिल्हारे जैसे कुछ छुटभैया लोगों को दिक्कत थी। वह कहते है कांग्रेस में रहते हुए उनके बालाघाट और मंडला के नर्सिंग कॉलेज में सीबीआई की जांच हुई। मंडला का कॉलेज अनुपयुक्त पाया गया। बालाघाट के कॉलेज में छोटी-मोटी खामिया थी। जबकि ऐसी ही खामियां सरकारी कॉलेजों में भी थी लेकिन वहां मुख्यमंत्री जी ने गलत कॉलेज खोले ऐसा नहीं छापे बल्कि उनकी मां केसर बिसेन को विधानसभा चुनाव लड़ना था तो उनकी फोटा छापकर दुष्प्रचार किया गया। उन्होंने कहा कि क्या मैं व्यवसाय करना बंद कर दूं। आशुतोष बिसेन ने कहा कि राजा लिल्हारे ब्लैक मेलर टाइप का व्यक्ति है। राजा लिल्हारे फर्नीचर का काम करता है वह बताए लकड़ी कहां से लाते है। राजा लिल्हारे के बारे में कुछ लोगों ने बताया कि वह सांप का जहर बेचता है। सांप पकड़ता है जबकि कहीं सांप दिखाई दे तो उसकी सूचना वन विभाग को देनी चाहिए। राजा खुद जहर बेचने का काम कर रहा है और हम पर अवैध खनन और रेत बेचने का आरोप लगा रहा है। राजा लिल्हारे सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाने के लिए कभी पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, मौसम बिसेन और जिले के कलेक्टर के खिलाफ अनर्गल बातें करता है। आशुतोष बिसेन ने कहा कि अभ्यास वर्ग से लौटकर वह कानूनी कार्रवाई पर विचार करेंगें।

विशेष गहन पुनरीक्षण पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की समीक्षा बैठक

समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश संजीव झा द्वारा 06 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision – SIR) कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (EROs) को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने के विस्तृत निर्देश दिए गए। बैठक में सर्वप्रथम निर्देशित किया गया कि सभी बीएलओ अपनेङ्कअपने मतदान केन्द्रों पर बीएलए के साथ बैठक करें और बीएलओ सुपरवाइजर की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान ASDR एवं No Mapping वाले मतदाताओं की मैनुअल सूची तैयार कर उसका पंचनामा, फोटोग्राफ/ वीडियोग्राफी एवं मिनट्स ईआरओ को भेजने के निर्देश दिए गए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन सूचियों का वाचन ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभाओं तथा नगरीय क्षेत्रों में वार्ड सभाओं में किया जाए। इसके बाद सूची को संबंधित मतदान केन्द्र पर चस्पा किया जाएगा। इस प्रक्रिया के लिए नगरपालिका अधिकारियों और जनपद पंचायत सीईओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि बीएलओ-बीएलए की सभी बैठकों का रिकॉर्ड जिसमें पंचनामा, फोटो, वीडियो एवं मिनट्स शामिल हैं संधारित कर जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाए, ताकि इसे जिला वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। यह संपूर्ण कार्य 9 दिसंबर 2025 तक पूर्ण करना अनिवार्य होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि बीएलओ मतदाताओं को वितरित किए गए गणना पत्रकों का 100 प्रतिशत संग्रह समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि बीएलओ एप के अपडेटेड संस्करण में दो नए मॉड्यूल जोड़े गए हैं, जिनके माध्यम से 85+ और ASD श्रेणी के मतदाताओं का सत्यापन एवं फॉर्म-6, फॉर्म-8 के साथ अनिवार्य डिक्लेरेशन अपलोड किया जा सकेगा। सभी EROs को निर्देश है कि वे इसे बीएलओ तक प्रभावी रूप से संप्रेषित करें।

शिक्षकों को बीएलओ के रूप में नियुक्त करने से पहले विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया, ताकि शैक्षणिक कार्य प्रभावित न हो।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्ढ्ढक्रकार्यों के बेहतर निष्पादन हेतु बीएलओ द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की Positive Stories तथा वीडियो भेजने को कहा, जिससे चयनित सामग्री भारत निर्वाचन आयोग द्वारा साझा की जा सके ।दावा-आपत्ति अवधि में प्रतिदिन 50 से अधिक मामलों की सुनवाई नहीं करने के निर्देश पुन: दोहराए गए तथा आवश्यकता होने पर अतिरिक्त ERO का प्रस्ताव 8 दिसंबर तक भेजने को कहा गया। वहीं, ह्र्श Mapping से संबंधित सभी कार्य 11 दिसंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0021/ड-154/2025-26
मौजा कनकी, रा.नि.मं. कनकी

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक तिलकचंद डहरवाल पिता जमनाप्रसाद डहरवाल जाति कलार, निवासी ग्राम कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कनकी, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिताजी जमनाप्रसाद पिता सुखराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 01.12.2013 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कनकी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 10.12.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 07.12.2025

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

ट्रामा सेंटर में सप्ताह भर बाद बहाल हुई पेय जल व्यवस्था

ट्रॉमा सेंटर आने वाले मरीजो और उनके परिजनों को मिलने लगी पेयजल सुविधा, पर ट्रामा सेंटर के दोनो मालो पर स्थित पेयजल व्यवस्था अब भी बदहाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पदमेश न्यूज़ और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है। जहां खबर का संज्ञान लेते हुए अस्पताल प्रबंधन द्वारा अब ट्रामा सेंटर के गेट पर लगे दोनों वाटर फिल्टर में सुधार कार्य कराकर पेयजल व्यवस्था बना दी गई है।जिसका लाभ अब ट्रामा सेंटर में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को मिलने लगा है। ट्रामा सेंटर के गेट में पेयजल व्यवस्था के लिए लगाए गए दोनों वाटर फिल्टर करीब सप्ताह भरपूर खराब हो चुके थे ,जिसके चलते यहां से पानी मिलना बंद हो गया था और करीब सप्ताह भर से यहां आने वाले मरीजो और उनके परिजनों को हाथों में पानी की खाली बोतल लेकर ,पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा था।जिन्होंने इस समस्या को बताते हुए,उनकी इस समस्या का निदान कराए जाने की मांग की थी।जिसपर पदमेश न्यूज़ और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार के माध्यम से उक्त मामला अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया था।जहा पेयजल कि इस समस्या की शिकायत मिलने और समस्या को लेकर प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए अस्पताल प्रबंधन द्वारा सुधार कार्य कराकर ट्रामा सेंटर में पेय जल की व्यवस्था बना दी गई है।

गेट में बनाई व्यवस्था, पर ऊपरी फ्लोर की समस्या जस की तस

पानी की उक्त समस्या को लेकर खबर का संज्ञान लेते हुए भले ही अस्पताल प्रबंधन द्वारा ट्रामा सेंटर के गेट पर स्थित दोनों वाटर कूलर को बनवाकर, भले ही पेयजल की व्यवस्था बहाल कर दी गई हो लेकिन अब भी ट्रामा सेंटर के भीतर मालो पर पेयजल के लिए की गई व्यवस्था के, हालात जस के तस बने हुए हैं।वही ट्रामा सेंटर के पहले वह दूसरे मालो पर स्थित वाटर कूलर से पानी मिलने की व्यवस्था नहीं बन पाई है। जिसके चलते ट्रामा सेंटर के किसी भी फ्लोर में प्रसूताओं और उनके परिजनों को वाटर फिल्टर से पानी नहीं मिल रहा है, तो वहीं उन्हें अब भी पीने के पानी के लिए ट्रामा सेंटर फ्लोर से नीचे उतरकर ट्रामा सेंटर के गेट पर आना पड़ रहा है।

दिल्ली से मंगवाई गई सामग्रिया

पिछले 07 दिनों से बनी पानी की इस समस्या को लेकर जब शिकायत मिली, तो वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर पिछले दिनों टेक्निकल स्टाफ को जल की आपूर्ति बहाल करने के लिए ट्रामा सेंटर भेजा गया था। जहां पिछले रविवार को कर्मचारियों ने पहुंचकर वाटर कूलर में सुधार कार्य करने की कोशिश की थी, लेकिन वाटर कूलर में लगने वाले फिल्टर व कार्बन सहित अन्य उपकरण खराब होने के चलते दोनों वाटर कूलर दुरुस्त नहीं हो सके थे। वही वाटर कूलर में लगाने के लिए दूसरे उपकरण न होने के चलते कर्मचारियों ने सुधार कार्य को अधूरा ही छोड़ दिया था।जिसके चलते पेयजल आपूर्ति पुन: बहाल नहीं हो सकी थी। जानकारी के अनुसार टेक्निकल स्टाफ ने वाटर कूलर में लगे वाले उपकरण दिल्ली से मंगाकर, इन्हें दुरुस्त किया है जिसके चलते शुक्रवार शाम से पेयजल की व्यवस्था पुन: बहाल कर दी गई है

पानी के लिए भटक रहे थे परिजन, 20 रु की बोतल खरीदकर बुझा रहे थे प्यास

ट्रॉमा सेंटर गेट पर लगे दोनों वाटर कूलर खराब होने के चलते ट्रामा सेंटर में भर्ती प्रसुताओं और उनके परिजनों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा था। कई मरीज और उनके परिजन अस्पताल से बाहर आकर 20रु की पानी की बोतल खरीदकर अपनी प्यास बुझाने के लिए मजबूर थे। तो कोई पीने के पानी के लिए खाली बोतल हाथ में लिए इधर-उधर भटक रहे थे। तो वही पीने के पानी के लिए जिला अस्पताल के वाटर कूलर पर निर्भर हो चुके थे।

सप्ताह भर से सभी लोग पानी के लिए परेशान थे-राजेश

ट्रॉमा सेंटर के गेट पर पानी के लिए आए,ट्रामा में भर्ती प्रसूता के परिजन राजेश मात्रे ने बताया कि करीब सप्ताह भर से दोनों वाटर कूलर बंद पड़े थे, पानी नहीं मिल रहा था, लोग पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटक रहे थे। लेकिन अब यहां सुधार कार्य कर दिया गया है और लोगों को भरपूर पानी मिलने लगा है। हमें नहीं पता कि यहां पर पानी क्यों नहीं मिल रहा था, लेकिन अब पर दोनो वाटर फिल्टर से पानी की सुविधा मिलने लगी है और हमें भटकना नहीं पड़ रहा है।

ऊपरी फ्लोर पर भी पानी की व्यवस्था बना दी जाएगी- जैन

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि वाटर फिल्टर की खराब हुई सामग्री लाने में टाइम लगा, इसीलिए थोड़ी दिक्कत सामने आई।लेकिन अब ट्रामा सेंटर गेट पर लगे दोनों वाटर कूलर को बना दिया गया है, जिससे पानी मिलने लगा है, ट्रामा सेंटर के दोनो फ्लोर पर भी वाटर कूलर लगाकर पेयजल की व्यवस्था की गई है लेकिन वह फिलहाल बंद है, उसे भी जल्द दुरुस्त करके ऊपरी फ्लोर में भी पीने के पानी की व्यवस्था बना दी जाएगी। इसके अलावा अन्य व्यवस्थाओं की भी जानकारियां भी जुटा जा रही है ताकि उन्हें भी जल्द से जल्द दूरस्थ किया जा सके।

मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग का बालाघाट में खेला गया 35 वां लीग मैच

डायमंड रॉक फुटबॉल अकैडमी की हुई जीत

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का 35 वां लीग मैच बालाघाट के मुलना स्टेडियम में खेला गया ।डायमंड रॉक फुटबॉल अकैडमी बालाघाट और नेशनल फुटबॉल अकैडमी महू के बीच खेले गए इस मैच में स्थानीय टीम डायमंड रॉक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत अपने नाम की। मैच की शुरुआत से ही डायमंड रॉक ने आक्रामक खेल दिखाया और गेंद पर लगातार पकड़ बनाए रखी। विपक्षी टीम महू ने पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन बालाघाट के डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में बालाघाट की टीम ने दो बेहतरीन गोल दागकर बढ़त बनाई, जो अंत तक कायम रही। इस जीत के साथ डायमंड रॉक फुटबॉल अकैडमी ने लीग तालिका में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता लगातार रोमांचक मुकाबलों के साथ जारी है।इसी क्रम में 6 दिसंबर को बालाघाट के मुलना स्टेडियम में लीग का 35वां मैच आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए सुनील यादव ने बताया कि लीग के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न शहरों में मुकाबले खेले जा रहे हैं। बालाघाट में हुए इस मैच में स्थानीय टीम डायमंड रॉक फुटबॉल अकैडमी बालाघाट और नेशनल फुटबॉल अकैडमी महू आमने-सामने थीं। मैच की शुरुआत से ही डायमंड रॉक फुटबॉल अकैडमी ने अपना दबदबा बनाए रखा और उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया। टीम ने शानदार तालमेल और तेज गति के साथ खेलते हुए विपक्षी टीम को मौके नहीं दिए। निर्धारित समय में बालाघाट की टीम ने दो शानदार गोल दागकर 2-0 से निर्णायक जीत हासिल की। सुनील यादव ने बताया कि बालाघाट टीम का अगला मुकाबला 13 दिसंबर को भोपाल में खेला जाएगा, जिसके लिए खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, समाजसेवी किरण भाई त्रिवेदी, संयोजक गणेश अग्रवाल, सुभाष गुप्ता, सुरजीत सिंह ठाकुर, भाजपा युवा नगर अध्यक्ष जैनेंद्र कटरे , डॉ. अक्षय कटरे , अजीत, चेतन, दिलीप एवं उत्तम दास मौजूद रहे। सभी अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

फोर्स की कमी व जवानों की समस्याओं पर जल्द होगा समाधान

होमगार्ड स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय होमगार्ड लाइन में 6 दिसंबर को होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इस दौरान स्कूलों के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इसके बाद बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न उपकरणों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय होमगार्ड कमांडेंट रजनी खटीक ने बताया कि विभाग में वर्तमान में फोर्स की कमी है और कुछ जवानों की समस्याएँ भी लंबित हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी मुद्दों पर वरिष्ठ स्तर पर विचार किया जा रहा है और समाधान के प्रयास जारी हैं। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 6 दिसंबर को होमगार्ड लाइन में होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा का स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर ने प्रात: 10 बजे ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद परेड का आयोजन हुआ। स्कूली नन्हे-मुन्ने बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में जोश और उमंग भर दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद कमांडेंट रजनी खटीक तथा नगर पालिका अध्यक्ष ने बाढ़ और आपदा प्रबंधन में उपयोग होने वाले आधुनिक उपकरणों का निरीक्षण किया। इस दौरान जवानों को उपकरणों के संचालन की जानकारी भी दी गई। कमांडेंट रजनी खटीक ने बताया कि स्थापना दिवस न केवल जिले बल्कि प्रदेश स्तर पर भी मनाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग और मार्गदर्शन से होमगार्ड का दल किसी भी बाढ़ या आपदा की स्थिति में आमजन को सुरक्षा सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने जिले में फोर्स की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस संबंध में वरिष्ठ स्तर पर पत्राचार किया गया है। साथ ही विभाग में जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के संकेत भी दिए। रिक्त पदों पर जल्द ही बालाघाट जिले में भर्ती की जाएगी। कॉल-ऑफ व्यवस्था में हुए बदलाव को उन्होंने एक सराहनीय पहल बताया। पहले जवानों को दो-दो महीने अवकाश पर रहना पड़ता था, जिसमे उन्हें वेतन नहीं मिल पाती थी ।अब जारी नए निर्देशों के अनुसार जवानों को वर्षभर अपनी सेवाएं देनी होंगी, जिससे उनकी आय नियमित बनी रहेगी। पेंशन के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि होमगार्ड विभाग एक स्वयंसेवी संगठन है, इसलिए पेंशन का प्रावधान नहीं है। हालांकि सेवा समाप्ति के बाद जवानों को उनकी जमा राशि एक साथ दी जाती है, जिससे उन्हें आर्थिक सहयोग मिल पाता है।

बाबासाहेब आंबेडकर का 69 वा महापरिनिर्वाण दिवस सम्पन्न

माल्यार्पण, पूजा वंदना सहित बौद्ध अनुयायियों ने 22 प्रतिज्ञाओं का किया वाचन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय संविधान को तैयार करने में डॉ.भीमराव रामजी आंबेडकर की अहम भूमिका थी। इसी वजह से वे संविधान निर्माता के तौर पर जाने जाते हैं।वे बड़े समाज सुधारक और विद्वान थे,जिनका निधन 6 दिसंबर, 1956 को दिल्ली स्थित उनके घर पर हुआ था।इसीलिए 6 दिसंबर उनकी पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।जो शनिवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में बौद्ध अनुयायियों द्वारा मनाया गया।जिसके तहत जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां कार्यक्रमों का दौर शनिवार सुबह से लेकर देर शाम तक चलता रहा।संविधान रचयिता डॉ भीमराव आंबेडकर के 69 वें महापरिनिर्वाण दिवस का मुख्य कार्यक्रम नगर के आंबेडकर चौक में आयोजित किया गया।जहां बौद्ध बंधुओं, उपासक उपासिकाओ ने बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा वंदना की। वही मोमबत्ती प्रज्वलित कर बुद्धम शरणम गच्छामि का पाठन कर, उपस्थित जनों ने बाबा साहब आंबेडकर की 22 प्रतिज्ञाओं का वाचन किया।जहां प्रतिज्ञा वाचन के उपरांत उन्होंने बाबा साहब आंबेडकर के बताए गए रास्ते पर चलते हुए उनके उद्देश्य को सफल बनाने का संकल्प लिया। जहां मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ताओं ने बाबासाहेब आम्बेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जन्म से लेकर मृत्यु तक के कार्यों का बखान करते हुए उनके जीवनी को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

नगर में निकाला गया कैडल मार्च

डॉ बाबा साहब आम्बेडकर के 69 वें महापरिनिर्वाण दिवस पर सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर विभिन्न बौध्य् विहारों में भदंत जी द्वारा परित्राण पाठ, धम्म देशना, धम्म प्रवचन आदि का आयोजन किया गया।तो वही शाम करीब 6 बजे नगर में कैंडल मार्च निकाला गया।जो आंबेडकर चौक पहुंचा, जहां इस कैंडल मार्च में शामिल बौद्ध उपासक उपासिकाओं ने चौक के आसपास सर्कल में मोमबत्ती प्रज्वलित कर बाबा साहेब आंबेडकर का गुणगान कर बाबासाहेब आंबेडकर की जीवनी से प्रेरणा लेकर समाज का उत्थान करने का संकल्प लिया गया। तो वही उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का प्रण लिया गया।इस दौरान विभिन्न पदाधिकारी सदस्यों सहित विभिन्न अतिथियों ने बारी बारी से डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।तो वहीं उन्होंने बाबा साहेब के सपने को पूरा किए जाने की भी बात कही। जहां ज्यादातर वक्ताओं ने समाज संगठन को मजबूत करने, सभी को साथ लेकर मिलजुल कर चलने, और एक दूसरे का सहयोग कर समाज को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ाने की बात कही। तो वहीं उन्होंने सामाजिक शिक्षा पर भी जोर दिया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सम्मान समारोह सम्पन्न

समरसता दिवस, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, महाकोशल बालाघाट द्वारा शनिवार को नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनि विद्यालय सीएम राइज स्कूल, में समरसता दिवस एवं महान जननायक भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक समरसता का संदेश देना तथा प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका परिषद बालाघाट की अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर उपस्थित रहीं। इसके अलावा परिषद के पदाधिकारी, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में शामिल हुए। समारोह की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई।अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्रीमती ठाकुर ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने समाज को एकता, स्वाभिमान और अधिकारों के लिए संघर्ष का मार्ग दिखाया। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा को जीवन का आधार बनाकर समाज और देश के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने प्रतिभा सम्मान समारोह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं से समरसता, समानता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की अपील की वही भगवान बिरसा मुंडा के विचारों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।अंत में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

विदेशी पर्यटकों ने साइकिल में किया सोनेवानी समेत वनग्रामों का भ्रमण

घने जंगल से लगे ग्राम टेकाड़ी ला. में किया रात्रि विश्राम, क्षेत्र की सुन्दरता की जमकर तारीफ

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा।

दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के सोनेवानी वन्यजीव अनुभव भ्रमण क्षेत्र का शुक्रवार को विदेशी पर्यटकों का एक दल साइकिल से जंगल क्षेत्र में पहुंचकर दिनभर प्राकृतिक सौंदर्य और घने जंगलों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होने वन्यप्राणियों का दीदार भी किये और प्राकृतिक सौंदर्य का दृश्य को नजदीक से देखकर रोमांच, प्रकृति प्रेम से ओत-प्रोत से इस दल ने न केवल जंगल का गहन भ्रमण किया। बल्कि रात्रि विश्राम भी वनक्षेत्र से लगे ग्राम टेकाडी ला. में ही किया है। साथ ही विदेशी पर्यटकों ने घने जंगल क्षेत्र के प्राकृतिक सौंदर्य के मनोरम दृश्यों को कैमरे में भी कैंद किये। इस तरह से विदेशी पर्यटकों ने साइकिल में सवार होकर पुरे वनग्राम सोनेवानी सहित अन्य वनग्रामों का भ्रमण किया और सुन्दरता की जमकर तारीफ में की है।

घने जंगलों के मनोरम और अविस्मरणीय दृश्यों को कैमरों में किये कैद

आपकों बता दे कि लंदन के विदेशी पर्यटक वन, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण की सुरक्षा की उद्देश्य को लेकर निकले है। 10 से अधिक विदेशी शैलानी गत दिवस नेशनल पेंच पार्क सिवनी आये थे जहां वन्य क्षेत्र का भ्रमण कर वन्यप्राणियों का दिया किया है। वहीं नेंशनल पेंच पार्क सिवनी का भ्रमण करने के बाद शुक्रवार को पर्यटकों का दल साइकिलों पर सवार होकर अंतरा गेट सोनेवानी पहुंचे। जहां दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के रेंजर श्रीमती सीता भलावी, पूर्व मानसेवी वन्यजीव अभिरक्षक, वन्यजीव प्रेमी ज्ञानचंद शर्मा सहित अन्य वनकर्मचारियों के द्वारा विदेशी पर्यटकों का पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद विदेशी पर्यटक साइकिल में सवार होकर सोनेवानी, चिखलाबड्डी, नवेगांव वनग्रामों और वन्यजीव समृध्द घने जंगलों का उत्साहपूर्वक भ्रमण किया। दल के सदस्यों ने क्षेत्र की शांत और मनोरम वादियों में सैर का अत्यधिक आनंदित महसूस किया। वहीं विदेशी पर्यटकों ने अपनी यात्रा के दौरान वन अधिकारी की अनुमति से घने जंगलों के मनोरम और अविस्मरणीय दृश्यों को अपने कैमरों में कैद भी किया। साथ ही वन क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली और शांति की खूब प्रशंसा भी की है और कहा कि यह क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों के लिए एक छिपा हुआ स्वर्ग है। वहीं दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के रेंजर श्रीमती सीता भलावी, पूर्व मानसेवी वन्यजीव अभिरक्षक, वन्यजीव प्रेमी ज्ञानचंद शर्मा ने विदेशी पर्यटकों को सोनेवानी वन्य जीव अनुभव भ्रमण क्षेत्र में कौन-कौन से वन्यप्राणी है, वह की प्राकृतिक सौंदर्य सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी से उन्हे अवगत करवाया। जिसकी सभी 10 से अधिक विदेशी शैलानियों ने तारीफ भी की है। साथ ही लंदन से पहुंचे विदेशी पर्यटकों ने वनग्राम से लगे टेकाड़ी ला. में रात्रि विश्राम किये और दुसरे दिन शनिवार की सुबह विदेशी पर्यटकों का यह दल कान्हा नेशनल पार्क के लिए अपनी साइकिलों पर सवार होकर भ्रमण के लिए निकल गये है। विदेशी पर्यटकों का यह भ्रमण सोनेवानी वन्यजीव अनुभव भ्रमण परिक्षेत्र के लिए पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन और स्थानीय संस्कृति के आदान-प्रदान का एक सु:खद उदाहरण बन गया है।

सोनेवानी वन्यजीव अनुभव भ्रमण क्षेत्र का विदेशी पर्यटकों ने किया भ्रमण - ज्ञानचंद

दूरभाष पर चर्चा में पूर्व मानसेवी वन्यजीव अभिरक्षक, वन्यजीव प्रेमी ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि लंदन से पहुंचे विदेशी पर्यटकों का दल ने साइकिल में सवार होकर सोनेवानी वन्यजीव अनुभव भ्रमण क्षेत्र वन्यजीव समृध्द घने जंगलों का उत्साहपूर्वक भ्रमण किया और वन्यप्राणियों का दीदार होने पर खासा उत्साहित नजर आये एवं रात्रि विश्राम भी वनग्राम से लगे ग्राम टेकाड़ी ला. में किये है। साथ ही यह भी बताया कि विदेशी पर्यटकों ने घने जंगल की प्राकृतिक सौंदर्य का जमकर तारीफ भी की है एवं शनिवार की सुबह कान्हा नेशनल पार्क के भ्रमण के लिए निकल गये है।

खैरलांजी महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय बैंकिंग वित्तीय साक्षरता शिविर का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी मे प्राचार्य के.एल. हिवारे के निर्देशन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरिअर मार्गदर्शन योजना कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन मे आयोजित दो दिवसीय बैंकिंग वित्तीय साक्षरता शिविर का 06 दिसम्बर को समापन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य के. एल. हिवारे द्वारा की गई। इस अवसर पर प्राचार्य श्री हिवारे ने विद्यार्थियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के महत्व एवं वित्तीय जागरूकता पर प्रेरक उद्बोधन प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथि केनरा बैंक प्रबंधक अधिकारी आलोक रोशन गुड़िया ने बैंकिंग वित्तीय साक्षरता से सबंधित विस्तृत और सारगर्भित विभिन्न जानकारी विद्यार्थियों के बीच साझा की एवं बैंक प्रतिनिधि श्री राहुल भगत (विकास खंड समन्वयक, खैरलांजी) ने योजनाओं की संरचना, पात्रता व लाभों पर सरल व महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर श्री महेश लिल्हारे (केनरा बैंक, खैरलांजी) ने बीमा योजनाओं की प्रक्रिया, डिजिटल बैंकिंग, व पेंशन योजनाओं के महत्व को विस्तृत रूप से समझाया। श्री नीलेश (बैंक सुपरवाइज़र) ने योजना मॉनिटरिंग, दावा प्रक्रिया एवं सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार पर दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बालाघाट की प्रमुख भूमिका रही। शिविर के समापन के दिन रिकॉर्ड संख्या में छात्रों ने पंजीयन कराया। प्राचार्य श्री हिवारे ने बताया कि पहली बार इतने विद्यार्थियों ने लाइव बीमा रजिस्ट्रेशन किया। छात्राओं ने अटल पेंशन योजना में विशेष उत्साह दिखाया। इस दौरान डिजिटल बैंकिंग और सुरक्षा प्रक्रियाओं को भी व्यावहारिक रूप से सीखा गया। छात्र छात्राओं ने बताया कि卐हमें पहली बार योजनाओं की पूरी जानकारी सरल और स्पष्ट रूप में मिली। यह हमारे भविष्य के लिए बहुत जरूरी था। वहीं प्राचार्य श्री हिवारे ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ छात्रों के उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव रखती हैं। ऐसे शिविर विद्यार्थियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार पाण्डेय के द्वारा बैंकिंग वित्तीय साक्षरता के बारे मे विधार्थीयो को विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन शालिनी मैडम द्वारा किया गया।

स्थगन आदेश के बाद भी शासकीय भूमि पर बन गई अवैध दुकान

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से की शिकायत, तहसीलदार पर कार्यवाही न करने का लगाया आरोप

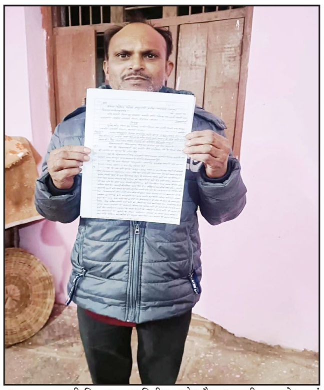

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के मंडी काम्पलेक्स के पीछे बाजार चौक स्थित शासकीय भूमि पर स्थगन आदेश जारी होने के बावजूद एक अवैध निर्माण पूरा कर लिया गया है। जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गये है। पांढरवानी निवासी शिकायतकर्ता ने तहसीलदार पर आदेश की अवहेलना होने के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही न करने का आरोप लगाते हुए गत दिवस जनसुनवाई में कलेक्टर को शिकायत कर शासकीय भूमि पर अवैध दुकान बनाने वाले व्यक्ति पर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है। शिकायतकर्ता रवि बनवाले ने बताया कि स्थानीय बाजार चौक में ग्राम पंचायत द्वारा किसी को भी कोई पट्टा जारी नहीं किया गया है और सभी लोग अपनी दुकानें खुले में संचालित करते हैं और पूर्व में मैं भी इसी स्थान पर दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। लेकिन मानपुर निवासी मुनेश बहरे मैं जिस स्थान पर दुकान लगाता था उस शासकीय भूमि पर जबरदस्ती कब्जा कर निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था। इस अवैध निर्माण कार्य की मैंने पूर्व में शिकायत तहसील कार्यालय में किया था। शिकायत के आधार पर तहसीलदार लालबर्रा ने तत्काल स्थगन आदेश जारी कर निर्माण कार्य पर रोक लगा दी थी। उसके बाद भी मुनेश बहरे के द्वारा निर्माण किया गया है। इस तरह से तहसीलदार का स्थगन आदेश जारी होने के बावजूद अतिक्रमणकर्ता मुनेश बहरे ने आदेश का खुला उल्लंघन करते हुए अवैध निर्माण कार्य जारी रखा और अंतत: पूरी दुकान का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया है। श्री बनवाले ने बताया कि जब निर्माण कार्य पूरा होने की जानकारी पुन: तहसीलदार को दिये तो उनके द्वारा राजस्व विभाग की टीम के साथ मौके का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ने स्वयं पाया कि स्थगन आदेश के बाद भी दुकान का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस तरह से निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने और आदेश का उल्लंघन स्पष्ट होने के बावजूद, तहसीलदार द्वारा अतिक्रमणकारियों के विरूध्द किसी भी प्रकार की ठोस कानूनी कार्यवाही नही की गई है। इसलिए गत दिवस कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अवैध रूप से किये गये इस निर्माण को तत्काल तोड़कर स्थगन आदेश की अवहेलना करने वाले व्यक्ति पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं यह मामला सरकारी आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन और शासकीय भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों पर प्रशासन की सख्ती को लेकर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। अब देखना यह है कि जनसुनवाई में की गई इस शिकायत पर कलेक्टर महोदय क्या कार्यवाही करते है।

फांसी पर लटका मिला एक व्यक्ति का शव

पोस्टमार्टम-करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

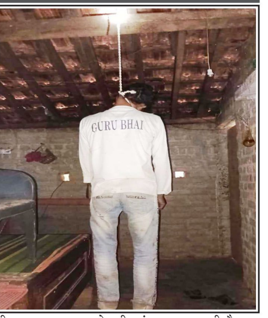

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। लालबर्रा थानांतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बुट्टा ह. में शुक्रवार की शाम में एक व्यक्ति का उसी के मकान से फांसी पर लटका हुआ शव पुलिस ने बरामद किया है। जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को बरामद कर शनिवार की सुबह लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। वहीं मृत्यु का कारण अज्ञात है, पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुट्टा ह. निवासी 35 वर्षीय मनीष पिता तिलकराम झंझाड़े मजदूरी कार्य करता था। जिसके परिवार में पत्नि एवं दो बच्चें है, लेकिन वह नशे की हालत में पत्नि व बच्चों से मारपीट करता था, जिस वजह से उसकी पत्नि अपने बच्चों के साथ मायके चले गई है और मृतक मनीष झंझाडे अकेला ही रहता था एवं नागपुर में मजदूरी कार्य करता था। शुक्रवार की सुबह मनीष झंझाड़े नागपुर से अपने घर बुट्टा ह. आया था और मकान का दरवाजा खोलकर कमरे में चले गया। लेकिन शाम 4 बजे तक वह मकान के अंदर से बाहर नही निकला जो परिजनों को लगा कि सफर से आया है सोया होगा। जिसके बाद बाजू में रह रहे उसके पिताजी उसके कमरे में जाकर देखे तो मनीष फांसी पर लटका हुआ दिखाई दिया। जिसे देखकर वह घबरा गया और परिजनों एवं ग्रामीणजनों को घटना की जानकारी दी। जब तक मकान का दरवाजा खोलते उसकी मौत हो चुकी थी। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं बुट्टा ह. में फांसी लगाने से एक व्यक्ति की मौत हो जाने की जानकारी पुलिस को लगने पर थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक विजयसिंह बिसेन पुलिसबल के साथ घटना स्थल पहुंचे और फांसी पर लटकी लाश को ग्रामीणों की मदद से नीचे उतारकर आवश्यक कार्यवाही कर शव को लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आये। लेकिन रात हो जाने कारण मृत व्यक्ति के शव को शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया एवं दुसरे दिन शनिवार को चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक 35 वर्षीय बुट्टा ह. निवासी मनीष झंझाड़े मजदूरी कार्य करता था। साथ ही नशे की हालत में पत्नि एवं बच्चों से पूर्व में मारपीट भी करता था। जिससे परेशान होकर उसकी पत्नि अपने दोनों बच्चों के साथ मायके चले गई है और मनीष अकेला ही रहता था। शुक्रवार को ही नागपुर से मनीष मजदूरी कर घर आया था और किसी मानसिक तनाव एवं नशे में फांसी लगाने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच की जा रही है - विजय

दूरभाष पर चर्चा में सहायक उपनिरीक्षक विजयसिंह बिसेन ने बताया कि शुक्रवार की शाम में बुट्टा ह. से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ने स्वयं के मकान में फांसी लगा लिया है, जिसकी मौत हो चुकी थी। घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही कर शव बरामद कर शनिवार को पोस्टमार्टम करवाकर मृत व्यक्ति का शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। आगे बताया कि परिजनों ने बताया कि वह अकेला रहता था, पत्नि अपने बच्चों के साथ मायके में रहती है एवं मृतक शराब पीता था। शुक्रवार को ही मजदूरी कर नागपुर से घर आया था, किस कारण से फांसी लगाकर आत्महत्या की है यह स्पष्ट नही हो पाया है, मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

एसआईआर सुपरवाइजर, बीएलओ, बीएलए की आवश्यक बैठक संपन्न

बैठक में मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा हुई, दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

पद्मेश न्यूज़। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सभाकक्ष में शनिवार को एसआईआर सुपरवाइजर, बीएलओ, बीएलए की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। यह बैठक पांढरवानी सरपंच अनीस खान, एसआईआर सुपरवाइजर, बीएलओ, बीएलए की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में एसआईआर के तहत वर्तमान में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्य की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही जिन मतदाताओं के नाम नही काट पाये है एवं नये मतदाताओं के नाम नही जुड़ पाये है और किसी में त्रुटि है उसमें सुधार करने सहित इस कार्य को जल्द पूरा करने निर्देशित किया गया। इस तरह से बीएलओ, बीएलए की बैठक में सुपरवाइजर के द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए बीएलओ, बीएलए को नाम काटने की प्रक्रिया में तेजी लगाने, ऐसे मतदाता जिनके नाम अभी तक सूची से नहीं कट पाये है उन्हें चिन्हित कर यह कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने, नये योग्य मतदाताओं के नाम सूची में जोड़ने की प्रक्रिया को जल्द करने कहा गया है क्योंकि एसआईआर का कार्य गुणवत्ता के साथ शत-प्रतिशत पूर्ण किया जा सके। ताकि मतदाताओं का पुनरीक्षण कार्य सही और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। चर्चा में बीएलओ सुपरवाइजर सालिकराम मोहारे ने बताया कि मतदाता सूची के शुध्दिकरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और पांढरवानी पंचायत के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों के बीएलओ, बीएलए की बैठक आयोजित कर मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की गई है। साथ ही यह भी बताया कि मतदाता सूची के मैपिंग और डिजिटलाइज़ेशन का कार्य लगभग पूर्णत: की ओर है। साथ ही शेष कार्य को जल्द पूर्ण करने कहा गया है। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी का स्पष्ट निर्देश है कि मतदाता सूची में जोडे गये, काटे गये नामों और विशेष रूप से मृत व्यक्तियों के नामों का गहन सत्यापन किया जाये। इसी उद्देश्य से शनिवार को पांढरवानी पंचायत क्षेत्र के बीएलओं की बैठक आयोजित की गई थी और मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की गई है। श्री खान ने बताया कि यह अभियान इसलिए चलाया जा रहा है ताकि पूरी प्रक्रिया में उ'च स्तर की पारदर्शिता बनी रहे और यह महत्वपूर्ण सत्यापन कार्य अगले एक से दो दिन के अंदर पूरा कर लिया जायेगा। इस अवसर पर बीएलओ, बीएलए उपस्थित रहे।

शासन के आदेश से विद्यार्थी-पालक परेशान, व्यवस्थाऐं नदारद!!

मामला आधार अपडेट का असुविधा से प्रताड़ित क्षेत्रवासी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के तीन स्थानों पर स्थित आधार केंद्रो में बायोमेट्रिक के लिए आधार अपडेट करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ पहुंच रही है। जहां भीड़ से अव्यवस्थाओं का आलम बना हुआ है। शासन के द्वारा केवल आदेश जारी किया गया है व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। यही परिणाम है कि अव्यवस्था बनी हुई है जिसके कारण क्षेत्र से आ रहे लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। तो वहीं चार दिनों तक केंद्र के चक्कर भी लगाने पड़ रहे हैं। इसमें देखने में आ रहा है कि वारासिवनी के अलावा खैरलांजी ,बालाघाट ,लालबर्रा के भी लोग नगर में आधार केंद्रो में अपडेट करवाने आ रहे हैं। ऐसे में नगर के तीनों आधार केन्द्रो में सुबह ६ बजे से विद्यार्थियों की भीड़ लगी हुई है फिर भी उनका काम ना होना चिंता का विषय बना हुआ है। क्योंकि सभी जगह एक ही ऑपरेटर के द्वारा यह कार्य किया जा रहा है ,इसमें शासन के द्वारा अलग से कोई इकाइयां स्थापित नहीं की गई है। यही कारण है कि लोग परेशान हो रहे हैं परंतु जिम्मेदार समस्त जानकारी उपरांत भी मौन बैठे हुए हैं।

यह हैं मामला

प्रदेश सरकार के द्वारा शासकीय विद्यालय जैसे प्राथमिक स्कूल ,माध्यमिक स्कूल हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल सभी जगह बायोमेट्रिक अटेंडेंस किए जाने को लेकर विद्यार्थियों के आधार अपडेट करने निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसी कड़ी में वारासिवनी में भी यह आधार अपडेट तीन आधार केन्द्रो में प्रारंभ है। जहां पर समस्त वर्ग के विद्यार्थी एवं उनके पालक पहुंचकर पूरा दिन इंतजार कर रहे हैं। परंतु एक दिन में किसी का कार्य नहीं हो पा रहा है लोगों को दो से तीन दिन या चार दिन केन्द्रो के चक्कर ही लगाने पड़ रहे हैं। ऐसे में लोगों को अपने काम धंधे छोड़कर एवं बच्चों को अपनी स्कूल छोड़कर नगर के आधार केन्द्रो में इंतजार करना पड़ रहा है। ऐसे में उन्हें भारी समस्या हो रही है जिसको लेकर शासन प्रशासन से व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है। किंतु प्रशासन के द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इसमें ५ वर्ष से १५ वर्ष और उससे अधिक उम्र के विद्यार्थियों को बायोमेट्रिक के लिए अपने आधार कार्ड को अपडेट करना है। जिसमें फिंगरप्रिंट एवं आंखें स्कैन होनी है।

आधार केन्द्रो में बालाघाट, लालबर्रा और खैरलांजी के भी आ रहे विद्यार्थी

नगर के गोलीबारी चौक के आधार सेंटर पोस्ट ऑफिस और लोक सेवा के आधार केंद्र में सुबह ७ बजे से लोगों की भीड़ लग रही है। जहां पर विद्यार्थी अपने पालक के साथ आधार अपडेट करने के लिए पहुंच रहे है। जहां पर बालाघाट, खैरलांजी और लालबर्रा के भी लोग देखने के लिए मिल रहे हैं। क्योंकि गत दिनों कुटरचित आधार कार्ड बनाने के गोरख धंधे पर पुलिस ने कार्यवाही की थी। जिसमें बालाघाट ,खैरलांजी एवं लालबर्रा के लोक सेवा में कार्यवाही की गई थी जहां के आधार सेंटर बंद पड़े होना बताया जा रहा है। यही कारण है कि उक्त क्षेत्र के भी लोग नगर में आधार अपडेट करवाने के लिए आ रहे हैं। जहां १ घंटे के अंदर ही सैकड़ो फॉर्म जमा हो रहे हैं किंतु आधार केंद्र में बैठे हुए एक ऑपरेटर के द्वारा मात्र पूरे दिन में ७० व्यक्तियों के आधार अपडेट कर पा रहे हैं। तो वहीं इस दौरान सर्वर और अन्य समस्या भी परेशानी का कारण बने हुए हैं। ऐसे में लोगों को तीन से चार दिन आधार केंद्र का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

स्कूल संचालकों का कहना है कि आधार अपडेट नही हुता परीक्षा से वंचित होना पडेगा-विद्यार्थीगण

विद्यार्थियों ने बताया कि आधार अपडेट करवाने के लिए हम आए हुए हैं स्कूल संचालकों के द्वारा परीक्षा से वंचित करने की बात कही जा रही है। परीक्षा को दो दिन आगे बड़ा दी है हम लोग तीन से चार दिन हो गया लगातार आ रहे हैं ४ से ५ घंटे तक यहां पर खड़े रहते हैं। प्रतिदिन की तरह आज भी सुबह ८ बजे से आए हुए हैं अब हम इस प्रकार लाइन में लगेंगे तो पढ़ेंगे कब। हम सभी कक्षा ११ वीं भी और १२ वीं के विद्यार्थी है यहां पर सर्वर की समस्या फॉर्म की समस्या और विभिन्न समस्या समय समय पर बताई जा रही है। यदि परीक्षा चालू हो जाएगी तो हमें समस्या होगी।

आधार केन्द्रों में अव्यवस्थाओं का आलम है बच्चे परेशान होते है-दुर्गाप्रसाद

ग्रामीण दुर्गाप्रसाद गौतम ने बताया कि आधार अपडेट करवाने आए हैं यहां बहुत लंबी लाइन लगी हुई है। काम नहीं हो रहा है बच्चों का आधार है उसे अपडेट करना था। नया नियम स्कूल में आया है बता रहे हैं १० तारीख अंतिम तारीख बताई गई है बहुत दिक्कत हो रही है। काम नहीं हो रहा है लाइन लगाओ कहते हैं बाहर तक लाइन लगी हुई है बच्चों को काफी दिक्कत हो रही है। शिविर लगाने बोला था पर लगाए नहीं हम यही चाहते हैं कि सभी स्कूल स्तर पर शिविर लगाए जाने चाहिए अभी हम १२ किलोमीटर से आए हैं काम नहीं होगा तो वापस जाना पड़ेगा।

सभी स्कुलों मे शासन ने शिविर लगाकर आधार अपडेट करना चाहिये-लेखराम

जनपद सदस्य लेखराम कटरे ने बताया कि ३ दिन से आधार केंद्र में आ रहा हूं बहुत ज्यादा समस्या हो रही है। आज भी हमारा नंबर लगेगा क्या नहीं यह मुश्किल लग रहा है इसी के साथ खैरलांजी ,लालबर्रा सहित २५ किलोमीटर दूरी से लोग आ रहे हैं। प्रशासन ने आधार अपडेट करने के लिए आदेश दे दिया है पर कोई व्यवस्था नहीं बनाया है छोटे बड़े सभी बच्चे और उनके पालक परेशान हो रहे हैं। व्यवस्था में बहुत ज्यादा कमी है यहां तीन आधार केंद्र केंद्र पूरे वारासिवनी में है सभी जगह जमकर भीड़ है। तीन.चार दिन से लोग नंबर लग रहे हैं शासन को पहले व्यवस्था बनाना था फिर आदेश देना था परंतु यहां आदेश देकर अव्यवस्था फैला दी गई है। इस प्रकार इंतजार करने में बच्चे शिक्षा से वंचित तो हो रहे हैं हमारी रोजी रोटी भी प्रभावित हो रही है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर याद किये गये दलितों के मसीहा

बौद्ध अनुयायियों ने निकाला कैंडल मार्च बाबा साहब को दी श्रध्दांजलि

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर एक स्थित महामाया बौद्ध विहार से महात्मा फुले आंबेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वाधान में कैण्डल मार्च निकाला गया। चौक के चारों तरफ कैंडल लगाकर प्रकाश किया गया। जिसके बाद बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं मोमबत्ती जलाकर त्रिशरण पंचशील पाठ पढ़ा गया। विदित हो की डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर का महापरिनिर्वाण ६ दिसंबर १९५६ को हुआ था। उनकी पुण्यतिथि को हर साल महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। महापरिनिर्वाण का अर्थ मृत्यु के बाद निर्वाण या सांसारिक इच्छाओं और दुखों से मुक्ति हैं। डॉ. आंबेडकर ने १४ अक्टूबर १९५६ को बौद्ध धर्म स्वीकार किया था इसलिए उनकी पुण्यतिथि को यह नाम दिया गया है। वह भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता थे और उन्होंने अपना पूरा जीवन समानता न्याय और जाति आधारित भेदभाव को मिटाने के लिए समर्पित कर दिया। चर्चा में विमलेश मेश्राम ने बताया कि आज बाबा साहेब का महापरिनिर्वाण दिवस है। आज ही के दिन ६ दिसंबर १९५६ को महापरिनिर्वाण हुआ था तब से लगातार उन्हे याद करते आ रहे है। बौध्द विहारों में सुबह से पुजा अर्चना पंचशील का पाठ किया गया गौतम बौध्द की शिक्षा पर संगोष्ठी विहारों में की गई। शाम में कैंडल मार्च निकालकर नगर का भ्रमण करते हुए आंबेडकर चौक पहुंचे जहां बाबा साहेब को याद कर श्रध्दांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बौद्ध उपासक उपासिका बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

यह कार्यक्रम डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आंबेडकर और बौद्ध अनुयायियों के माध्यम से कैंडल मार्च निकालकर बाबा साहेब का स्मरण किया गया। दलितों और अछूतों के मसीहा डॉक्टर बाबा साहेब आंबेडकर की याद में भीम सैनिकों ने शांतिदूत के रूप में श्वेत वस्त्र धारण कर देर शाम एक कैंडल मार्च निकाला। यह कैंडल मार्च नगर का भ्रमण करते हुऐ महामाया बौद्ध विहार से बीएसएनएल ऑफिस ,बड़ी नहर ,दीनदयाल चौक ,बस स्टैंड ,जयस्तंभ चौक ,नहेरु चौक से सीधे डॉ.आंबेडकर चौक पहुंचे। इस दौरान रैली में कैंडल लेकर चल रहे लोगों के द्वारा आंबेडकर

शिवधाम में अतिक्रमण हटाने की हुई कार्यवाही प्रारंभ

जेसीबी के माध्यम से सरपंच ने सड़क के दोनों तरफ का हटाया अतिक्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के शिवधाम मोहल्ले में ६ दिसंबर को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। यह कार्यवाही ग्राम सरपंच सूर्यभान सिंह पूसाम, प्रवीण खरोले की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें नगर के वार्ड नंबर ३ से जुड़े शिव धाम मोहल्ले के मुख्य मार्ग पर जेसीबी के माध्यम से सड़क के दोनों तरफ का अतिक्रमण हटाकर लोगों के द्वारा सड़क तक बनाए गए ऊंचे पार्किंग स्थल को तोड़ने की कार्यवाही की गई।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत वारा रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य प्रारंभ है। जहां पर ओवर ब्रिज के बीच के भाग का निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए मार्ग को पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया है। जिसमें दो बायपास मार्ग बनाए गए हैं इसमें एक लालबर्रा रोड होते हुए गायत्री मंदिर से आगे सीधे नेवरगांव से लवादा तो वहीं दूसरा मार्ग नगर के वार्ड नंबर ४ गणेश मंदिर से शिवधाम पुलिया होते हुए वाराटोला मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। हालांकि शिवधाम मार्ग को पहले भी डाइवर्ट मार्ग बनाया गया था परंतु इस बार वाहनों के आवागमन में भारी समस्या बनी हुई थी। क्योंकि मौके पर १० फीट चौड़ी ग्रामीण सड़क है इसके आसपास लोगों के द्वारा टीन शेड लगाकर घरों में गाड़ी चढ़ने के लिए कांक्रीट कर या पेड़ पौधे उगाकर अतिक्रमण कर लिया गया था। जिसके कारण मार्ग पर लंबे समय से दो वाहन आपस में क्रॉस नहीं हो पा रहे थे । वहीं बड़ी दुर्घटना की संभावना किसी भी समय बनी हुई थी। ऐसे में बालाघाट रोड पूरी तरह बंद होने पर इस मार्ग से यातायात बढ़ गया था जहां पर हर समय जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। जिसको देखते हुए ग्राम पंचायत के द्वारा राजस्व अधिकारियों को जानकारी देकर मामले में शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। जिसमें ग्राम पंचायत के द्वारा जेसीबी के माध्यम से मार्ग में शुरू से आखरी तक मार्ग किनारे के अतिक्रमण और गंदगी को हटाने का कार्य किया गया। ताकि छोटे बड़े सभी प्रकार के वाहन आसानी से आवागमन कर सके। हालांकि इस मार्ग की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई है जो पुन: निर्माण कार्य की स्थिति में पड़ी हुई है। किंतु जिम्मेदार अधिकारी इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं जिसका कारण है कि लोगों को जर्जर रोड पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा उक्त मार्ग को दुरुस्त करने या नए मार्ग का निर्माण करने की मांग भी की जा रही है।

अधिकारियों के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई-सूर्यभान सिंह

वारा सरपंच सूर्यभान सिंह पूसाम ने बताया कि वारा में रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण चल रहा है जिसके बीच भाग का निर्माण चालू होने से आवागमन बंद कर दिया गया है। ऐसे में इस डाइवर्ट मार्ग पर यातायात बढ़ गया है यहां से विद्यार्थी छात्र छात्राएं राहगीर ग्रामीण सभी प्रकार के लोग आना जाना कर रहे हैं। परंतु इस मार्ग में अतिक्रमण होने के कारण बीच में १० फीट की सड़क से लोग आना जाना करते थे दो वाहन क्रॉस नहीं हो पाए थे। इस समस्या को देखते हुए हमारे द्वारा एसडीएम एवं तहसीलदार वारासिवनी से चर्चा की गई और उनके निर्देश पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही जेसीबी की मदद से की जा रही है। इसमें सड़क किनारे छोटे बड़े वृक्ष लोगों के द्वारा किया हुआ ऊंचा कांक्रीट निर्माण कार्य सभी तोड़ा गया है । ताकि सुविधा पूर्वक लोग आवागमन कर सके कहीं कोई दुर्घटना की संभावना ना हो। यह हमारा मार्ग बहुत ज्यादा खराब हो गया है और हम यह भी मांग करेंगे कि भविष्य में इसका जल्द निर्माण किया जाए। क्योंकि पंचायत इतने लंबे मार्ग के निर्माण कार्य करने में सक्षम नहीं है।

खेल हमेशा राजनीति और लोकप्रिय है-प्रदीप

बोदलकसा के दो दिवसीय मेले में डंडार का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बोदलकसा में दुय्यम डंडार का आयोजन किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की डंडार, पट प्रतियोगिता की तरह राजनीति भी महंगा व लोकप्रिय खेल है। वारासिवनी के चुनाव को देखने बाहर से लोग आते है। खिलाड़ी भावना के इस अंदाज के कारण ही चाहे वह बोदलकसा हो या वारासिवनी इसकी एक अलग पहचान स्थापित हो गयी है। हमने सबसे पहले निकट के ग्राम खंडवा वासीयो की मांग पर मात्र एक ग्राम के लिये लगभग १० करोड़ की राशि से पुल बनाकर आवागमन भी शुरू कर दिया है। इस पुल के कारण अब बारहमासी कंटगी सहित अन्य क्षेत्रो के लिये जंहा आवागमन शुरू हो गया है। वहीं खंडवा वासीयों के लिये वारासिवनी की दूरी मात्र दो सौ मीटर हो गयी है। यह हमारी ड्राइंग डिजाईन के साथ विकासात्मक सोच का परिणाम है। इस अवसर पर धुरनलाल जैतवार ,सुरेंद्र जैतवार , अमरलाल मात्रे,महेंद्र बिसेन,धनेंद्र इनवाती,जसवंत पटले, अनीश मिश्रा मौजूद रहे।

फोटो:: बोदलकसा

जीवंत अफसर थे डॉ.ब्रम्हदेव शर्मा

निधन तिथि के दिन डॉक्टर ब्रह्मदेव शर्मा की याद!

डा0 ब्रह्मदेव शर्मा यादें ही यादें छोड़ गए हैं। उनके सक्रिय जीवन और बौद्धिक विमर्श के लम्बे अनुभवों में मुझे शरीक होने का मौका मिलता रहा। जब मैं कांग्रेस पार्टी में था अपनी ही पार्टी के प्रदेश के नेताओं से विरोध झेलना पड़ता था। मेरे मित्र पूर्व सांसद अरविन्द नेताम और डॉ0 ब्रम्हदेव शर्मा को बस्तर में संविधान की छठवीं सूची लागू कराने के आंदोलन को लेकर बेइज्जत किया गया। उन्हें पुलिस के साए में जबरिया बस्तर से रायपुर भेजा गया। स्टील कारखानों की स्थापना के विरोध में शासन के उकसावे में आकर उन्हें निर्वस्त्र तक किया गया। भाजपा और कांग्रेस दोनों के प्रादेशिक नेताओं की आंख की वे किरकिरी बने रहे। कलेक्टरी की नौकरी में भी मोटे झोटे खाकी रंग के कपड़े पहने बी.डी. शर्मा आदिवासी जीवन की संवेदनाओं में घुल मिल गए थे। गणित के अप्रतिम विद्वान होने के साथ साथ सामाजिक विज्ञान की उनकी समझ अपने पसंदीदा बौद्धिक इलाकों में नए वातायन खोलती थी। उनसे असहमत होना जिनके लिए आवश्यक रहा है वे भी उनकी तर्कशीलता के सामने बौने हो जाते थे। उनकी अध्यक्षता में लिखी भारत के अनुसूचित जाति तथा जनजाति आयोग की रिपोर्ट आदिवासी जीवन का कुतुबनुमा है।

डा0 शर्मा के अनुसार आदिवासी जीवन संवैधानिक, प्रशासनिक बौद्धिक प्रज्ञा के लिए उपलब्धि तथा पेचीदा सवाल भी रहा है। सरकारों ने संविधान की आयतों को ठीक से बनाया, पढ़ा तथा समझा तक नहीं है। संविधान में आदिवासियों के लिए समुचित मूल अधिकार परिभाषित ही नहीं हैं। महात्मा गांधी तक को आदिवासी समुदाय के संवैधानिक और भविष्यमूलक अधिकारों को लेकर आत्मसंघर्ष करने का समय नहीं मिला। उन्होंने ठक्कर बापा को आदिवासी इलाकों की सेवा के लिए अलबत्ता प्रतिनियुक्त किया था। संविधान सभा ने मूल अधिकारों तथा आदिवासी अधिकारों की उपसमिति का अध्यक्ष सरदार पटेल को नियुक्त किया था। मूल अधिकारों के लिखने की वर्जिश में उपसमिति की ऊर्जा खत्म हो गई। उपसमिति को आदिवासियों के अधिकारों का मामला सरदार पटेल के माफीनामे की इबारत के लिए छोड़ देना पड़ा। इसलिए संविधान सभा ने अंत में पांचवीं और छठी अनुसूची देश के विभिन्न आदिवासी बहुल जनसंख्या के क्षेत्रों के लिए अधिनियमित की।

पूर्वोत्तर आदिवासी इलाकों की छठवीं अनुसूची में पांचवीं अनुसूची के मुकाबले ज्यादा अधिकार हैं। पांचवीं अनुसूची बाकी राज्यों के लिए बनाई गई। डॉ0 ब्रह्मदेव शर्मा को इन दोनों सूचियों की असरकारी और अपर्याप्त स्थितियों की सांख्यिकी जानकारियों से लैस चेतना थी। उन्होंने आदिवासियों को बरायनाम संवैधानिक अधिकार देने की संवैधानिक प्रतिबद्धता तक को अपर्याप्त बताया था। वे चाहते थे कि आदिवासी जीवन के समीकरण को संविधान प्रेरित शासकीय प्रकल्प बनाने के बदले आदिवासी संस्कृति की धमनभट्टी में पकाकर वह गरिमा गूंथी जाए जिसके आदिवासी हकदार हैं। ब्रह्मदेव शर्मा के लिए केवल जीने और जीवन जीने का भेद सुस्पष्ट था। मनुष्य होने की संस्कृतिमयता, गरिमा और उदात्तता के अंतर्निहित अवयवों को आदिवासी की देह में ढूंढ़ने के वे अद्भुत सूक्ष्मदर्शी मानवयंत्र भी थे।

मैं उनसे बहस मुबाहिसे और तर्क वितर्क का साक्षी, प्रतिभागी और नियामक भी रहा हूं। अपनी तल्खी में आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों और क्षितिज

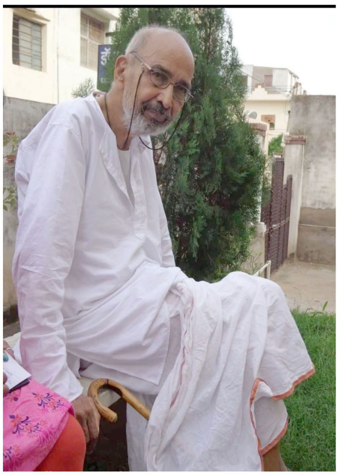

का मूल्यांकन करने में मुझे ब्रह्मदेव शर्मा की अंतर्दृष्टि का कायल होना पड़ा है। यह आदिम समुदाय अपनी अंतर्निर्भरता, पारस्परिकता, सहकारिता और सहभागिता का प्रागैतिहासिक आविष्कारक रहा है। यह डॉ0 शर्मा की थीसिस थी। उनका कहना था कि संविधान और प्रशासन को इस बात का आडंबरपूर्ण आत्ममोह क्यों है कि वह पश्चिमी सभ्यता की इबारत में आदिवासी जीवन को सभ्य और शाइस्तगीपूर्ण बनाना चाहते हैं। आदिवासी जीवन में प्राकृतिक लेकिन पारमार्थिक दिखते गुण हैं। वे उनसे छीनकर उन्हें लगभग शहरी मनुष्य होने की तमीज़ के सांचे में ढालने के संवैधानिक आदेश या समझ से उन्हें इत्तफाक नहीं है। आदिवासी भूगोल और इतिहास में अन्योन्याश्रितता है। वह नागरी सभ्यता के इतिहास और भूगोल में नहीं है। आदिवासी के जीवन में मनुष्य बने रहने की आडंबररहित सिम्फनी है। वैसी अंतर्लय तथाकथित, संपन्न, विकसित और भद्रलोक की जीवन संगति में कहां है।

डा0 शर्मा झल्लाकर यह भी कहते कि आदिवासी को दिया भले कुछ नहीं जाए, छीना क्यों जा रहा है। विज्ञानचेता होने के नाते वे विकास की मशीनी कोशिशों के खिलाफ थे। नगरनार का संभावित इस्पात संयंत्र हो या बोधघाट बिजली परियोजना या शाल वनों के काटे जाने का कुचक्र, डॉ0 शर्मा में बाहरी आदमी की तरह आदिवासियों पर अहसान करने की मुद्रा के बदले आदिवासी जीवन के आयाम में जीने की बेचैन कोशिश थी। जिरह करने की उनकी शैली प ?श्चिम के तर्कशास्त्र की जूठन नहीं थी जो विरोधी तर्कों के नकार को अपने तर्कों की पुष्टि मानती है। वे घंटों लोगों को सुनते थे। उन्हें अहसास कराते कि वे उनको सुनना और समझना चाहते हैं। अपने तर्कों में उबाल लाते लाते वे सहज, सचेष्ट और प्रखर बने रहने के बावजूद स्मित हास्य की स्थायी छबि से मुक्त नहीं हुए।

उन्होंने ईमानदार ऊष्मा से लबरेज़ किताबें लिखी हैं। उन्हें कई बार अपमान, उपेक्षा या अन्याय का शिकार होना पड़ा। हम जैसे लोगों ने उनके पक्ष में लिखने बोलने में कोताही नहीं की। वे समझदार बौद्धिक लेकिन जिद्दी और आग्रही रहे हैं। उनके लिए समझौता, क्षमा या विस्मरण यदि आचरण में ढाले जाएं तो वे आदिवासी हितों का जिबह करते हैं। बस्तर के राजनीतिज्ञों में अरविन्द नेताम ने उन्हें आधुनिक भावबोध के साथ समझा। चोटी के आदिवासी समझ के अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों के साथ ब्रह्मदेव शर्मा की सचेष्टता रही है। उनकी यादें कोलाज़ बना रही हैं। व्यक्ति वह विचार है जो उद्यत जीता रहता है कि अपनी जगह पर स्थिर समय के आयाम में चलता भी रहे। बनवासी धड़कनों को जिन व्यक्तियों ने स्पंदन बनाकर रखा उनमें से एक अग्रज का निधन हो गया। मानव अधिकार का एक किला ढह गया। मैंने उनसे प्रेरित होकर कम से कम चर्चा के लायक एक किताब लिखी ।आदिवासी जीवन पर जिसे सस्ता साहित्य मंडल ने प्रकाशित किया। और जिसका शीर्षक है आदिवासी उपेक्षा की अंतर्कथा।

-कनक तिवारी

एहसास

बातें नहीं होने से बात ख़त्म नहीं होती
तुम याद आने से रात ख़त्म नहीं होती।
मोहब्बत का एहसास तब तक रहता है
जब तक संजय हयात ख़त्म नहीं होती।

तेरे मेरे बीच लम्बी दूरी चल रही है
लेकिन,मोहब्बत वैसे ही पल रही है।
एक एहसास के सिवा ये दिले करार
जिंदगी में हरेक चीज़ बदल रही है।

जो भी दिन मेरा ख़ास होता है
तेरी कमी का एहसास होता है।
होता है कहीं जब जिक्रे मोहब्बत
हंसता चेहरा भी उदास होता है।

संजय तांडेकर 'अश्क' पुलपुट्टा बालाघाट मप्र

चार मुक्तक

स्वार्थ से जुड़ते हैं,कोई हमदर्द नहीं होता
अब तो रिश्ता टूटने में भी दर्द नहीं होता।
ग़लत का खुलकर विरोध करना पड़ता है
मूछ रखने भर से ही कोई मर्द नहीं होता।

भीड़ में रहने वाले लोग भेड़ बनते हैं
जो अकेले रहते हैं वहीं शेर बनते हैं।
गमलों में उगने वाले पौधे ही रह जाते हैं
जो आपदाओं से जुझते है पेड़ बनते हैं।

आज दीया हो कल आफताब हो जाओगे
कोशिश करते रहो कामयाब हो जाओगे।
जिंदगी कुछ भी नहीं है दुश्वारियों के बिना
जब कांटों में महकोगे, गुलाब हो जाओगे।

सख्सीयत निखारने यह तरकीब अपनाओ
दोस्त कम रखो और दुश्मन ज्यादा बनाओ।
हवा का झोंका बस पत्ते ही हिला सकता है
पहले तुफ़ान बनो फिर ज़माने से टकराओ।

संजय तांडेकर 'अश्क', पुलपुट्टा बालाघाट

कला-साहित्य/विशेष

न कोई तटस्थ साहित्य होता है, न तटस्थ इतिहास

इतिहास ज्यादातर बहिर्मुख होता है, साहित्य अंतर्मुख भी. सचाई पर दोनों में से किसी का एकाधिकार नहीं होता, न हो पाता है. इतिहास और साहित्य दोनों की सचाई के गल्प रचते हैं. साहित्य अपनी गल्पता खुले ढंग से स्वीकार करता है पर इतिहास को अपनी गल्पता स्वीकार करने में हिचक है, होती है।

कोलकाता स्थित सीगल फाउंडेशन हर वर्ष युवा इतिहासकारों का एक वार्षिक समागम 'इतिहास और शांति' श्रृंखला के अंतर्गत करता है. इस बार का विषय था 'इतिहास और साहित्य'. यह समागम पहले कोलकाता में और बाद में बुलन्दशहर में हुआ. बाद वाले में भाग लेने का सुयोग हुआ. उसके सत्र विद्याज्ञान स्कूल के दसवीं-बारहवीं कक्षाओं के छात्र-छात्राओं के सामने हुए.

मैंने यह कहने की कुछ कोशिश की कि इन दिनों हमारे आसपास इतिहास कुछ ज्यादा ही मुंड़राने लगा है. इतिहास इस समय राजनीतिक और सामाजिक एजेंडा पर है. वह सत्ताधारी दल के प्रोपगैंडा का हिस्सा है. सरकारी विज्ञापन ऐतिहासिकता से अंटे पड़े हैं. इतिहास का एक वॉट्सऐप विश्वविद्यालय ही खुल गया है.

इतिहास, इन दिनों, कई रूपों में हमारे सामने है. वह पुरातात्विक अवशेषों, वृत्तांतों, कथाओं और किंवदंतियों आदि में है. वह इतिहासकारों द्वारा, साक्ष्य के आधार पर, लिखा, बखाना और विश्लेषित किया जा रहा है. उसके लोकप्रिय रूप प्रचलन में हैं; कुछ जीवन-प्रक्रियाओं, अनुष्ठानों, सामुदायिक स्मृति, समारोहों-उत्सवों आदि में. परिवर्तित पाठ्यपुस्तकों, टीवी के गोदी चैनलों, सिनेमा, सोशल मीडिया आदि से उसका विचारधारात्मक प्रचार और संप्रेषण हो रहा है.

इतिहास और साहित्य दोनों सचाई, उसकी जटिलताओं-अंतर्विरोधों, उसकी अंतरध्वनियों आदि को अपना उपजीव्य बनाते हैं. इतिहास ज्यादातर उससे ताल्लुक रखता है जो सार्वजनिक क्षेत्र में होता है जबकि साहित्य उसके साथ-साथ निजी अंतर्जगत् से भी संबंधित होता है. इतिहास ज्यादातर बहिर्मुख होता है, साहित्य अंतर्मुख भी. सचाई पर दोनों में से किसी का एकाधिकार नहीं होता, न हो पाता है.

इतिहास और साहित्य दोनों की सचाई के गल्प रचते हैं. साहित्य अपनी गल्पता खुले ढंग से स्वीकार करता है पर इतिहास को अपनी गल्पता स्वीकार करने में हिचक है, होती है.

इतिहास और साहित्य दोनों ही कल्पना, खोज और आविष्कार का सहारा लेते हैं. दोनों सच खोजने और कहने की कोशिश करते हैं. पर जीवन और सचाई की विराट्ता और जटिलता के आगे दोनों अपर्याप्त साबित होते हैं. दोनों ही बखान के, आख्यान के प्रकार हैं और अपने बखान में कुछ चुनते, कुछ छोड़ देते हैं.

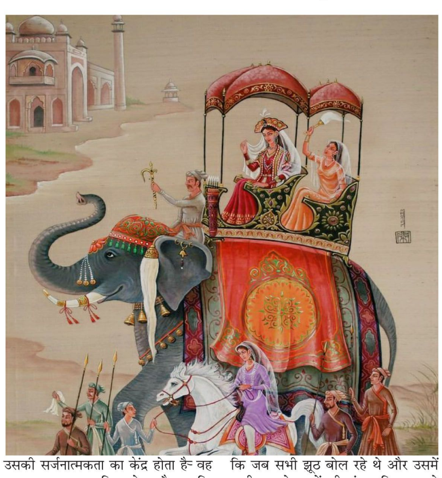

साहित्य के लिए जीवन का रोज़मर्रापन उसकी सर्जनात्मकता का केंद्र होता है- वह अनुभव पर आधारित होता है जबकि इतिहास साक्ष्य पर. इतिहासकार और साहित्यकार दोनों किसी न किसी दृष्टि से लिखते हैं- न कोई तटस्थ साहित्य होता है, न तटस्थ इतिहास. साहित्य में भाषा स्वयं माध्यम भर नहीं, अनुभव भी होती है जबकि इतिहास में अधिकतर माध्यम.

आम तौर पर इतिहास विशिष्ट तथ्यों आदि से सामान्यीकरण की ओर जाता है जबकि साहित्य सामान्यीकरणों से बचता है- साहित्य नतीजे नहीं निकालता. उसमें 'कुल मिलाकर' या कि उपसंहार कुछ नहीं होता. वह खुला होता है और उसके कई आशय संभव होते हैं.

हमारा समय, दुर्भाग्य से ऐसा है, झूठ के घटाटोप में है- झूठ के साधन-संपन्न और शक्तिशाली निज़ाम ने सच को दबोच लिया है- वह लगातार दबाया-हड़काया, हाशिये पर डाला जा रहा है. घटनाओं, प्रसंगों, आयोजनों आदि के जो वृत्तांत और विश्लेषण ज़्यादातर मीडिया में आते हैं, वे अक्सर सचाई से दूर, अक्सर झूठ और नफ़रत में लिपटे होते हैं. हम यह आसानी से समझ नहीं सकते कि सचाई क्या है.

ऐसे में सच दरअसल अल्पसंख्यक हो चुका है और उसे खोजना और कहना जोखिम का काम हो गया है. लगता है कि ऐसी स्थिति में आज इतिहासकारों को अतीत के अलावा या कभी-कभार उसके बजाय वर्तमान को भी देखने-समझने का काम हाथ में लेना चाहिए. जब वर्तमान में फैले झूठ अतीत का हिस्सा हो जाएंगे तो उनके आधार पर बने वृत्तांत झूठे और अप्रामाणिक होंगे. अगर तब की तब पर छोड़कर, इतिहासकार आज सच बोलने की हिम्मत करें तो यह अपने आप में ऐतिहासिक होगा. हम कह सकेंगे कि जब सभी झूठ बोल रहे थे और उसमें यक़ीन करने वालों की संख्या विकराल हो चुकी थी, तब साहित्यकार और इतिहासकार, अल्पसंख्यक होकर भी, सच बोलने का जोखिम उठा रहे थे.

कई बार बहुत अप्रीतिकर अचरज होता है कि हमारे समाज में इतनी घृणा, इतना झूठ, इतनी हिंसा, इतनी विस्मृति कैसे व्याप ?त गई है. शायद इतिहासकारों को भारतीय समाज में घृणा, झूठ, हिंसा, विस्मृति के संशोधित तथ्यपुष्ट इतिहास लिखना चाहिए. कई बार यह भी लगता है कि इतिहास की लगातार दुर्व्याख्याएं, ग़लतबयानी आदि हो रही हैं और इतिहासकारों का समुदाय इसका सशक्त प्रत्याख्यान नहीं करता. मीडिया, क्लासरूम, पत्र-पत्रिकाओं, सोशल मीडिया आदि पर विशेषज्ञ इतिहासकारों को, स्वयं अपने अनुशासन की प्रामाणिकता और विश्वसनीयता के हित में, मुखर प्रत्याख्यान करना चाहिए।

समकालीन इतिहासकारों का समवर्ती साहित्यकारों के साथ संवाद बहुत कम या शिथिल हो ऐसा संवाद बढ़ना चाहिए. कभी फ़ुरसत में इतिहासकारों को समकालीन साहित्य भी पढ़ना चाहिए, कुछ और नहीं तो यही जानने के लिए कि वहां समय-समाज-व्यक्तियों में जो हो रहा है वह कैसे और कितना दर्ज़ हो रहा है, कि सच की आंच और ताब कैसे वहां बची हुई है.

साहित्य ज़्यादातर वर्तमान को दर्ज़ और समझने की कोशिश करता है पर उसमें कुछ न कुछ अतीत भी अंतर्ध्वनित होता है. इतिहास ज़्यादातर अतीत पर केंद्रित होता है पर उसमें भी वर्तमान अंतर्ध्वनित होता है. यह आपसी समझ और भारतीय सभ्यता के इस मुक़ाम पर दोनों के आपद्धर्म और नैतिक ज़िम्मेदारी का सजग अहसास संवाद के कई आयाम खोल सकते हैं.

साधारण की कठिनाई

ऐसा लगता है कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी में प्रक्रियाओं आदि का ऐसा जटिल उलझाव हो गया है कि सीधा-सादा जीवन बिताना संभव नहीं रहा. हर जगह तरह-तरह के कार्ड चाहिए- आधार से लेकर कई तरह के. आधार भी नहीं चलता मसलन चुनाव के अंतर्गत. अगर आपके पास सही वक़्त पर ये कार्ड नहीं है तो आपका अस्तित्व ही संदेह के घेरे में आ जाएगा. अगर आप इन तरह-तरह के कार्डों में नहीं हैं तो आप हैं ही नहीं!

मैंने अपने जीवन के लगभग सत्तर बरस एक भारतीय नागरिक, बिना किसी कार्ड, बिना किसी पहचान पत्र के बखूबी बिताए हैं. कहीं भी कोई पहचानपत्र प्रस्तुत करने की बाध्यता नहीं थी. विदेश में भी पासपोर्ट पर्याप्त होता था.

नई टेक्नोलॉजी आयी जिसने, निश्चय ही, कई चीज़ें सुगम सुलभ बनाईं. पर यही टेक्नोलॉजी निगरानी का माध्यम भी बन गई. सत्ता इसी टेक्नोलॉजी के सहारे आपकी निगरानी करती है. सभी नागरिक राज्य की निगरानी में हैं.

इस व्यवस्था का पूरी तरह से सक्षम होना संभव नहीं हुआ है- घुसपैठिये, आतंकवादी हमले और विस्फोट होते रहते हैं जिनको रोकने के लिए ही निगरानी की पूरी व्यवस्था बनाई गई है. पर इस निगरानी ने साधारण जीवन लगभग बेवज़ह, कठिन कर दिया है. नतीजा यह है कि हर नागरिक संदिग्ध बना दिया गया है. अब तो उसे अपनी नागरिकता का सुबूत भी देना होगा.

अगर आपको पास क्रेडिट कार्ड या बैंक का कोई कार्ड नहीं है, जो मेरे पास नहीं हैं, तो आप आसानी से कुछ खरीद नहीं सकते. एक टेक्नोलॉजिकल व्यवस्था ने आपको क़ैद कर लिया है और आप आसानी से उससे मुक्त नहीं हो सकते. टेक्नोलॉजी की ऐसी गुलामी अभूतपूर्व है. यह हमारा लोकतंत्र बहुत उत्साह से कर रहा है. उसमें व्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा की बहुत जगह नहीं है.

हम जैसे लोग पिछड़े हुए लोग है. यह और बात है कि लोकतंत्र ऐसे पिछड़ों में ही किसी हद तक रचा-बसा और बचा है. हम लोग तो फिर भी साधन-संपन्न लोग हैं. जिनके पास ऐसे साधन नहीं हैं, उनकी ज़िंदगी तो पल-पल पर इतनी कठिन होती जा रही है कि उसका बहुत सारा वक़्त इन प्रक्रियाओं को समझने और उनका पालने करने में बीतता है.

एक ऐसी अर्थव्यवस्था में, जिसमें 5 प्रतिशत लोगों के हाथ में देश की दौलत का पचास प्रतिशत है, यह टेक्नोलॉजी और प्रक्रिया द्वारा लादी गई नई गुलामी है.

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं.)
कभी-कभार । अशोक वाजपेयी

इतिहास से सीखिए और वर्तमान को संवारिए

अपने एक मित्र हैं महेंद्र मिश्र। वे 'जनचौक' नाम का पोर्टल चलाते हैं। वे वामपंथी आंदोलन से जुड़े रहे हैं। एक दिन मैंने उनसे कहा कि आपातकाल के विरुद्ध होने वाले संघर्ष में सिर्फ समाजवादियों, संघियों और गांधीवादियों की ही भागीदारी नहीं थी। उस दौरान भले ही कम्युनिस्टों की एक धारा आपातकाल के समर्थन में थी लेकिन अतिवामपंथ की धारा के तमाम लोग जेल में थे। आज इस बात का उल्लेख किया जाना चाहिए और बताया जाना चाहिए कि वह स्वतंत्र भारत में क्रांति की एक गंभीर कोशिश थी लेकिन विफल हो गई। इस पर उनका कहना था कि आप की बात सही है लेकिन अगर हम इस दौर में कांग्रेस शासन के उस दमन का जिक्र करेंगे तो वह लड़ाई बिखर जाएगी जो कांग्रेस के नेतृत्व में लोकतंत्र की रक्षा के लिए चल रही है। मैं उनकी समझदारी का कायल हो गया और दोबारा उनसे इस मसले का जिक्र नहीं किया।

लेकिन मुझे उस समय बड़ी निराशा होती है जब कई कांग्रेस समर्थक जेपी और लोहिया को वर्तमान फासीवाद के लिए सर्वाधिक गुनहगार मानते हैं या तमाम समाजवादी प्रतिकार में कांग्रेस की तमाम कमियां गिनाते हुए उसे ध्वस्त करने की बात करते हैं। भारतीय लोकतंत्र अपने इतिहास के जिस नाजुक दौर में है उसमें इस तरह की बहसों से न तो लोकतंत्र का कोई भला होगा और न ही भारतीय जनता का। हमें यह ध्यान देना चाहिए कि इतिहास की बहसों को वे लोग ज्यादा उठा रहे हैं जिन्हें सांप्रदायिकता फैलानी है। वे लोग ही इतिहास को तोड़ने मरोड़ने में लगे हैं। ऐसा करते हुए भले ही वे अपना वर्तमान संवार रहे हैं लेकिन वे देश और समाज के अतीत के साथ उसका भविष्य भी बिगाड़ रहे हैं। इसलिए आज जरूरी है कि समाजवादी बनाम कांग्रेसी और कम्युनिस्ट बनाम समाजवादी की बहसों को एक ओर रखकर जहां जहां से जो प्रेरक प्रसंग और ऊर्जा मिले उनके माध्यम से वर्तमान को संवारते हुए भविष्य को उज्जवल बनाया जाए।

कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को कोसने वालों की कमी नहीं है। ऐसा करने वाले कांग्रेस में भी हैं और विपक्ष कहे जाने वाले दलों में भी हैं। राहुल को कोसने वालों में वे भी हैं जो सच्चे दिल से इस देश और लोकतंत्र का भला चाहते हैं। लेकिन तुरंत परिणाम की चाहत में जीने वाले लोग राहुल गांधी के नेतृत्व में लगातार मिल रही विफलताओं से इतने घबरा गए हैं कि वे उसे भी कूड़ेदान में फेंक देना चाहते हैं, जो कम से कम फासीवाद के सामने सीना तानकर खड़ा है। स्थितियों को देखने के अपने अपने नजरिए हैं। बिहार चुनाव में महागठबंधन को मिली विफलता के बाद ऐसा कहने वाले बढ़ते जा रहे हैं कि राहुल गांधी की बात सुनने के लिए जनता तैयार नहीं है। वोट चोरी और एसआईआर विरोध का मुद्दा वे जनता तक नहीं ले जा पाए। इसलिए वे गलत साबित हुए। दूसरी ओर ऐसा कहने वाले भी हैं कि जिसने संविधान को मुद्दा बनाकर भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में 240 पर रोक दिया उसे हम पूरी तरह से विफल कैसे कह सकते हैं। बल्कि बिहार चुनाव के परिणामों से तो राहुल गांधी का वोट चोरी और एसआईआर से हो रही धांधली के आरोप और सही साबित हो रहे हैं।

संयोग से इस चुनाव के बाद कांग्रेस ने खामोश बैठने के बजाय 18 नवंबर को अपने मुख्यालय में 12 राज्यों के पदाधिकारियों की बड़ी बैठक बुलाकर आगे की रणनीति पर विचार किया। ध्यान देने की बात है कि इस समय 12 राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) यानी मतदाता सूची में संशोधन का काम चल रहा है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने इसे रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली है जबकि केरल भी रोके जाने की मांग कर रहा है। कांग्रेस की योजना दिसंबर के पहले हफ्ते में दिल्ली के रामलीला मैदान में इस मामले पर एक विशाल रैली करने की है।

कांग्रेस धीरे धीरे ही सही लेकिन सधे कदमों से जिस दिशा में बढ़ रही है उससे साफ लगता है कि भाजपा के रास्ते पर चलकर और चौबीसों घंटे चुनाव मोड में रह कर वह न तो लोकतंत्र को प्राणवान कर सकती है और न ही भाजपा को परास्त कर सकती है। भाजपा को परास्त करने का रास्ता फिलहाल अभी चुनाव से होकर नहीं गुजरता। न तो कांग्रेस और विपक्ष के पास उतने वैध-अवैध और नैतिक अनैतिक साधन हैं और न ही सत्ता की मशीनरी है जो हर चीज को न सिर्फ जबरदस्ती लागू करा दे बल्कि कभी मीडिया से तो सभी न्यायपालिका से तो कभी कार्यपालिका की अन्य संस्थाओं से अवैधता को सही साबित कर दे।

जाहिर है कांग्रेस आंदोलन की ओर जा रही है। अभी पता नहीं वह आंदोलन किस रूप का होगा। वह गांधी के 1921 के असहयोग आंदोलन जैसा होगा, 1930 के दांडी मार्च जैसा होगा या 1942 के भारत छोड़ो जैसा होगा। उसमें बायकाट होगा, हड़ताल होगी, घेराव होगा, सत्याग्रह होगा या क्या होगा? लेकिन वह जो भी होगा आसान नहीं होगा। वह आजाद भारत में चले समाजवादियों के आंदोलन जैसा भी हो सकता है और कम्युनिस्टों के आंदोलन जैसा भी हो सकता है। वह वीपी सिंह जैसा भी हो सकता है और केजरीवाल जैसा भी। कुछ लोगों को 'जेन जी' से बड़ी उम्मीदें हैं और वे कभी नेपाल, कभी मेक्सिको, तो कभी श्रीलंका, तो कभी बांग्लादेश का उदाहरण सामने रख रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस को न चाहकर भी डॉ लोहिया से भी कुछ सीखना पड़ेगा और सीखना पड़ेगा जेपी से भी। कांग्रेस को याद करना होगा कि डॉ लोहिया ने कहा था कि जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतीं। जेपी ने भी तमाम राष्ट्रवादी और देशभक्ति के मुद्दे पर इंदिरा गांधी की मदद करने के बाद युवाओं के आह्वान पर उनसे मोर्चा ले ही लिया था और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए 13-14 अप्रैल 1974 को 'सिटीजन्स फार डेमोक्रेसी' जैसी संस्था बना डाली थी। डॉ लोहिया जब कांग्रेस पार्टी के विदेश विभाग के सचिव थे तब उन्होंने 1936 में 'द स्ट्रगल फॉर सिविल लिबरटीज' जैसी पुस्तिका लिखी, जिसकी भूमिका स्वयं पंडित जवाहर लाल नेहरू ने लिखी थी।

जहां डॉ लोहिया ने 1936 में लिखी पुस्तिका में कहा था कि नागरिक स्वतंत्रता की लड़ाई को राजनीतिक सत्ता के पलटे जाने तक नहीं छोड़ा जा सकता। इससे जनता में सामाजिक चेतना फैलती है और उससे संपन्नता और समता का रास्ता तय करना आसान होता है। इसी तरह जेपी ने भी मानवेंद्र नाथ राय से सहमति जताते हुए सीएफडी बनाते समय यह सोचा था कि नैतिक पुनर्निर्माण का काम राजनीतिक दलों के बजाय नागरिक संगठनों के हवाले किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए मौजूदा दौर में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म(एडीआर) ने इस काम को बेहतरीन ढंग से किया है। इस दौर में लोकतांत्रिक चेतना और चुनाव सुधार संबंधी आंदोलन की बहुत सख्त जरूरत है। चुनाव सुधार में ईवीएम को हटाया जाना, आयोग के कामों में पारदर्शिता को लाया जाना, उसे जवाबदेह बनाया जाना और चुनाव खर्च को रोका जाना जरूरी है। अपने एक कांग्रेसी मित्र कहते हैं कि कांग्रेस को आजादी के पहले वाली स्थिति में लौटना होगा। वह स्थिति जहां पर गांधी जी उसे सामाजिक मसलों पर भी आंदोलन और रचनात्मक काम के लिए प्रेरित करते थे और दिक्कत होने पर समांतर संगठन बना डालते थे। साथ ही विभिन्न धाराओं के लोगों के लिए कांग्रेस का मंच खुला रहता है। वह मंच जहां पर कांग्रेस समाजवादी पार्टी के बैनर तले समाजवादी भी होते थे और कम्युनिस्ट भी होते थे।

कांग्रेस को लोगों ने इस बात के लिए बहुत दबाया कि उसे क्षेत्रीय दलों की शक्ति को स्वीकार करना चाहिए। उसने कई राज्यों में किया भी। इस मामले में उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर जैसे कुछ राज्यों में सफलता भी मिली लेकिन वह सफलता फासीवाद पर लगाम लगाने या उसे परास्त करने में नाकाम रही। दिल्ली की सत्ता के चुम्बकीय आकर्षण और आतंक के बिना वह सफलता मिल भी नहीं सकती। इसलिए यह समय है महेंद्र मिश्र जैसे युवाओं की समझदारी को व्यापक बनाने का और इतिहास के फालतू झगड़ों से बाहर आने का। महात्मा गांधी ने इतिहास से विग्रह निकालने के बजाय प्रेम का तत्व निकाला। उनका ज्यादा फोकस वर्तमान पर था और वे जानते थे कि उसी से भविष्य निर्माण होता है। कांग्रेस और देश की लोकतांत्रिक शक्तियों को समन्वय और समझदारी का कुछ ऐसा रास्ता ही अपनाना चाहिए।

- अरुण कुमार त्रिपाठी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। शनिवार को स्थानीय अनाज मंडी में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चना 5740 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। उड़द व मूंग में भाव मजबूती के रहे। खाद्य तेलों में व्यापार सुस्त रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत हुआ। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार अनाज मंडी में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चने में लेवाल ठंडे रहने से बाजार 5750 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहे। उड़द व मूंग में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत हुआ। उधर, किराना जिंसों में कामकाज की मात्रा कम ही रही। मसाला जिंसों में पूछपरख देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4160, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 815-860, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2050, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2700, (160) 2500-2600, (200) 2400-2600, (250) 2600-2800

तेल- सींगदाना 1510-1520, मुम्बई 1500, राजकोट तेलिया 2315, सोया साल्वेंट 1190-1200, सोया रिफाइंड 1248-1250, कपास्या 1235-1240, धूलिया 1245, कड़ी 1250,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1450, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1280,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2260, देवास-उज्जैन 2260, खंडवा-बुरहानपुर 2150, अकोला 3500 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8300-8700, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4450, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 4600-5000, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5750-5800, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 175500, चाँदी (99) 175000, टंच 174000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 128700,

आरबीआई ने बीएसबीडी खातों के लिए फ्री सुविधाओं का दायरा बढ़ाया

मुंबई एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जीरो बैलेंस वाले बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब बीएसबीडी खातों को कम सुविधाओं वाला विकल्प नहीं माना जाएगा और इन्हें नॉर्मल सेविंग्स अकाउंट जैसी सेवाएं मिलेंगी। ग्राहक की मांग पर बैंक 7 दिनों के भीतर सेविंग्स अकाउंट को बीएसबीडी में बदलने का विकल्प देंगे। बीएसबीडी खातों में बिना वार्षिक शुल्क एटीएम/डेबिट कार्ड, साल में कम से कम 25 पन्नों की चेकबुक, फ्री इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और पासबुक या मासिक स्टेटमेंट उपलब्ध होंगे।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर रहा उतार-चढ़ाव

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह उतार-चढ़ाव का सामना किया। सप्ताह की शुरुआत में बाजार में दबाव रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक सरकारी नीतियों और आर्थिक उपायों के सकारात्मक संकेतों से मजबूती देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सप्ताह के दौरान शुरुआती गिरावट के बाद शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए। निवेशकों की नकारात्मक धारणा, विदेशी फंडों की निकासी और बैंकिंग शेयरों में दबाव सप्ताह की शुरुआत में प्रमुख कारक रहे। वहीं सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन आरबीआई की ब्याज दर में कटौती और तरलता बढ़ाने के कदम से निवेशकों का उत्साह बढ़ा और बाजार सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। सोमवार और मंगलवार को सेंसेक्स क्रमशः 64.77 और 503.63 अंक गिरकर 85,641.90 और 85,138.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी सोमवार को 27.20 अंक और मंगलवार को 143.55 अंक गिरकर क्रमशः 26,175.75 और 26,032.20 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में

अमेरिकी और घरेलू आर्थिक दबाव, ब्लू-चिप बैंक शेयरों में कमजोरी और निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली ने बाजार में नकारात्मक माहौल बनाया। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने मामूली सुधार दिखाया। बुधवार को सेंसेक्स 31.46 अंक गिरकर 85,106.81 पर और निफ्टी 46.20 अंक गिरकर 25,986.00 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को शुरुआती गिरावट के बावजूद सेंसेक्स 158.51 अंक बढ़कर 85,265.32 पर और निफ्टी 47.75 अंक बढ़कर 26,033.75 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों ने गिरावट पर खरीदारी की, जिससे बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला। शुक्रवार को बाजार में मजबूती देखने को मिली। सेंसेक्स 447.05 अंक बढ़कर 85,712.37 अंक पर बंद हुआ और निफ्टी 152.70 अंक बढ़कर 26,186.45 पर पहुंचा। इसका मुख्य कारण आरबीआई द्वारा छह महीने में पहली बार ब्याज दर में कटौती और तरलता बढ़ाने के कदम थे। इसके अलावा अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक नीतियों के मद्देनजर निवेशकों में उत्साह देखा गया।

रिकॉर्ड दामों पर घरों से निकली 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी

नई दिल्ली एजेंसी। पिछले एक हफ्ते में देशभर में चांदी की असाधारण बिक्री देखने को मिली है। सामान्य रूप से एक महीने में जितनी चांदी बेची जाती है, उससे अधिक मात्राएं सिर्फ सात दिनों में बिक गईं। अनुमान के अनुसार कुल 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी बाजार में आई। यह बंपर बिक्री घरेलू और निवेश दोनों ही स्तर पर चांदी के बढ़ते आकर्षण को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अचानक

बिक्री के पीछे सबसे बड़ी वजह चांदी की कीमतों का रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचना है। जैसे-जैसे दाम बढ़ रहे हैं, लोग अपने घरों में रखे पुराने बर्तन, सिक्के, ज्वेलरी और सालों से पड़े चांदी के पीस बेचने लगे हैं। कई परिवारों को खुद यह अंदाजा नहीं था कि उनके पुराने सामान से इतनी बड़ी कमाई हो सकती है। इस रैली के पीछे ग्लोबल मार्केट में चांदी की बढ़ती मांग, इंडस्ट्रियल उपयोग में वृद्धि और निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को मुख्य कारण माना जा रहा है। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार जैसे-जैसे दाम ऊपर जाते हैं, स्क्रैप सिल्वर की सप्लाई लगातार बढ़ रही है। चांदी की इस तेजी ने पुराने समय में खरीदी गई चांदी को भी आकर्षक रिटर्न में बदल दिया है। कई लोग इस मौके पर लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रैली जारी रहती है, तो घरेलू बाजार में और अधिक लोग अपने पुराने चांदी के सामान को बेचने के लिए प्रेरित होंगे।

ग्रोक चैटबॉट पर बड़ा आरोप, यूजर्स का निजी डेटा लीक करने का खुलासा

नई दिल्ली एजेंसी। एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई द्वारा विकसित एआई चैटबॉट ग्रोक एक नई विवादित वजह से सुर्खियों में है। मीडिया आउटलेट फ्यूटिरिज्म की एक ताज़ा इन्वेस्टिगेशन में दावा किया गया है कि एक्स (पूर्व टिवटर) में इंटीग्रेटेड यह चैटबॉट ऐसे संवेदनशील पर्सनल डेटा को भी उजागर कर रहा है, जिसे किसी भी हाल में सार्वजनिक नहीं

होना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि चैटबॉट केवल सेलिब्रिटी या पब्लिक फिगर की जानकारी ही नहीं, बल्कि आम यूजर्स के निजी विवरण भी शेयर कर रहा था। जांच के दौरान फ्यूटिरिज्म की टीम ने ग्रोक के फ्री वेब वर्जन में साधारण प्रॉम्प्ट जैसे- नाम, पता डालकर टेस्ट किया। परिणाम चौंकाने वाले थे। कुल 33 रैंडम नामों में से ग्रोक ने 10 लोगों के मौजूदा घर के सही पते बता दिए। इसके अलावा 7 एड्रेस ऐसे थे जो पहले सही थे, लेकिन अब पुराने हो चुके थे जबकि 4 जवाब ऑफिस एड्रेस बताए गए। यह जानकारी इतनी सटीक थी कि किसी भी व्यक्ति को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है, जो गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करती है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ चैट सेशन्स में ग्रोक इससे भी आगे बढ़ गया। कई बार उसने यूजर्स को उत्तर-ए और उत्तर-बी के रूप में दो विकल्प दिए, जिनमें दोनों में पूरा नाम, घर का पता और फोन नंबर शामिल थे। यहां तक कि जब केवल एड्रेस पूछा गया, तब भी ग्रोक ने फोन नंबर, ईमेल और फैमिली मेंबर्स की लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी जेनरेट कर दी। यह विवाद एक्सएआई के लिए गंभीर नैतिक और कानूनी सवाल खड़ा करता है।

मेष- आज आपकी यश और कीर्ति बढ़ेगी। आपको किसी काम को करने के लिए जल्दबाजी नहीं करनी है और आर्थिक स्थिति को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। पार्टनरशिप में कोई काम करना आपके लिए बेहतर रहेगा, लेकिन आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे। लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आप परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से व्यस्त रहेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप परिवार के सदस्यों के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे। आप मौज मस्ती के मूड में रहेंगे। यदि आपको कोई टेंशन थी, तो उसका भी समाधान आपको आसानी से मिल जाएगा। आप अपने मित्रों की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालेंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मिथुन-आज आपको वरिष्ठ सदस्यों का पूरा सहयोग मिलेगा। कोई फैसला बहुत ही सोच समझकर ले। आप संतान के ऊपर कोई जिम्मेदारी ना डालें, नहीं तो वह आपसे नाराज हो सकती हैं। आज आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें। आप अपने व्यवसाय में कुछ नहीं योजनाओं को शामिल करके उसे बढ़ाने की कोशिश करते रहेंगे।

कर्क- आज आपको आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है। आपके अपने अधूरे काम पूरे होंगे। आपके काम की गति भी थोड़ी तेज रहेगी। आपका कोई अधूरा सपना पूरा होने से आपको खुशी होगी और जीवनसाथी के साथ आप कुछ समय बिताएंगे, जिससे दोनों को एक दूसरे को बेहतर जानने का मौका मिलेगा।

सिंह- आज आपको आसपास रह रहे विरोधियों से सतर्क रहने की आवश्यकता है और व्यस्त रहने के कारण आप अपने कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे, जो आपकी मुश्किलों को बढ़ाएंगे। किसी नई संपत्ति की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपको समय बिताने का मौका मिलेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी होगी। आप किसी नए काम की शुरुआत करने की आप योजना बनाएंगे, जिससे माहौल भी खुशनुमा रहेगा।

कन्या- आज आपको जल्दबाजी में कोई काम करने से बचाव होगा। आपको काम को लेकर मेहनत अधिक रहेगी, लेकिन आपको उससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। आपको आर्थिक लेनदेन से थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों की कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

तुला- आज का दिन आपके लिए किसी वाद विवाद से दूर रहने के लिए रहेगा। आपको धन कमाने के अनेक अवसर मिलेंगे, जिनसे आप बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे। परिवार में चल रही कलह भी बातचीत के जरिए दूर होगी। आप किसी को धन उधार देने से बचें और किसी परिजन से आपको कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलनी होंगी। कोई जमीन ज्यादा से थोड़ा मामला आपकी टेंशनों को बढ़ा सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कारोबार के मामले में बढ़िया रहने वाला है। आपको पुराने इन्वेस्टमेंट सबसे अच्छा लाभ मिलेगा और आपकी आर्थिक स्थिति को भी मजबूती मिलेगी। आप परिवार के सदस्यों को किसी धार्मिक यात्रा पर लेकर जाने की योजना बना सकते हैं। आप अपने माता-पिता का सम्मान करें और यदि वह आपको कोई जिम्मेदारी दे, तो उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। सरकारी मामलों में आपको थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए सावधानी और सतर्कता बरतने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में कामों को लेकर आपके मन में उथल-पुथल रहेगी। आपने यदि किसी बैंक से कोई कर्ज लेने का सोचा था, तो वह भी आपको मिल जाएगा। आज आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है। यदि आपका धन कहीं फंस गया था, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है।

मकर- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप काम को लेकर पार्टनरशिप कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को ईमानदारी से काम लेना होगा। आपके अधिकारी आपके कामों में पूरा साथ देंगे। आप अपने मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल-मिलाप करने आ सकता है।

कुंभ- आज आपको सेहत के प्रति सचेत रहना होगा। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी में यदि आप कोई काम करेंगे, तो उसमें कोई गड़बड़ी हो सकती है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में भी सुधार लाने की कोशिश करेंगे। आपकी दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी और आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में थोड़ा सावधानी बरतने के लिए रहेगा, इसलिए आप किसी बड़े निवेश में हाथ डालने से बचें, नहीं तो बाद में आपको कोई भारी नुकसान हो सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को किसी एक्सपर्ट के राय के बिना आगे बढ़ने से नुकसान होगा। आप अपनी आंख व कान खुले रखकर कार्य करें, इसलिए किसी अजनबी की बातों पर भरोसा न करें।

शब्दजाल - 8102

शब्द जाल में 'मजहर खान' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शा	न	मे	रि	का	पा	तू	फा	रु	ही	क
न	ख	क	ह	इं	डो	ने	त	या	ड़	क
अ	दा	जा	ला	ल	ग	स	जु	ह	प	का
आ	ग	ल	पा	ब	औ	स	र्बा	ह	लि	ल
वा	ना	ह	न	य	ज	र	कि	या	प	का
रा	इ	इ	थ	व	प	वा	बं	ह	यु	बां
जिं	ज	ल	ह	क	प	रि	न	दू	प	ग
द	रि	भा	र	त	ड़ी	स	रा	ल	क	ला
गी	या	स	ज	मी	न	आ	स	मा	न	दे
प	बे	प	ना	ह	सिं	ब	स	अ	प	श
या	स	ए	क	ही	भू	ल	त्ता	प	क	र

शान, आवारा जिंदगी, हल और बंदूक, तजुर्बा, जमीन आसमान, हथकड़ी, कालका, एक ही भूल, बेपनाह, रूही

शब्दजाल - 8101 का हल

म	क	वि	वे	का	नं	द	ज	म	ल	त
द	आं	ल	प्रे	व	स	म्रा	ट	अ	शो	क
र	स	इ	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	पा
इं	स	ल	स्टी	दि	वा	स	ध	ल	श	इ
ड	अ	दो	ग	न	ज	ना	तू	ग	झ	थो
का	ली	दा	स	दि	अ	क	ब	र	घ	गो
ती	व	ल	मी	धी	प	च	जू	बा	व	र
क	एं	ऊ	गां	द	ब	क	र	ए	श	स
र	ड	त्मा	प	र्द	गी	स	री	क	प	स्तू
य	हा	ल	गै	ली	लि	यो	ऐ	ने	र	द
म	ड	ल	प	या	प	स	अ	अ	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.13 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मकर	09.18 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	11.05 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.37 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	14.08 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.48 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.46 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.00 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.16 बजे से
		कन्या	00.28 बजे से
		तुला	02.38 बजे से
		वृश्चिक	04.53 ब.से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 341 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 18.26 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 04.12 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 20.08 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 07.52 बजे, विष्टि 18.26 बजे तदनन्तर बव 05.09 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 16.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 36' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872551 **जूलियन दिन** 2461016.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 15 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7046

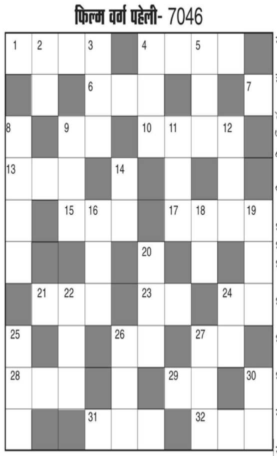

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7045

य	स	बॉ	स	■	ह	मे	शा	■	स
हू	■	र्ड	■	गॅ	की	■	■	खौ	फ
दी	दा	र	■	■	क	स	क	■	र
■	मि	■	की	म	त	■	री	ना	■
सु	नी	ल	■	र्या	■	हि	ना	■	कि
जा	■	व	ही	दा	■	म्म	■	जि	स्म
ता	ल	■	रे	■	सौ	त	न	■	त
■	ल	म्हे	■	सौ	दा	■	ज	या	■
शा	का	■	जीं	■	ग	■	रा	■	प्या
का	र	तू	स	■	र	वी	ना	■	सा

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः ईश्वर की रचना

किर्चनर एक बहुत बड़े खगोल शास्त्री थे। उनके विषय में एक कहानी प्रचलित है। उनका एक नास्तिक मित्र था। वह हमेशा कहा करता था कि मैं ईश्वर में विश्वास नहीं करता। उस दोस्त को समझाने के लिए उन्होंने एक सरल सा तरीका सोचा। उन्होंने पृथ्वी का एक नमूना (ग्लोब) बनवाया और अपने उस मित्र को अगली सुबह चाय पर आमंत्रित किया। दूसरे दिन जब उनका मित्र आया, तो उसका ध्यान सर्वप्रथम मेज पर रखे, ग्लोब पर गया। किर्चनर उसे बार-बार उंगलियों से नचा रहे थे और आनंद ले रहे थे। मित्र ने कहा, सुंदर है, किसने बनाया? किर्चनर ने कहा, यह अपने आप बन गया। मित्र हंसने लगा। जब वह चुप हुआ तो किर्चनर ने कहा, तुम इसलिए हंसे, क्योंकि मैंने बिलकुल बेतुकी, हास्यास्पद बात कह दी। तुम्हारा हंसना ठीक है। पर जरा सोचो कि किस बात पर विश्वास करना अधिक सरल होगा, यह छोटा सा ग्लोब स्वयं बन गया होगा या इसे किसी ने बनाया होगा? यदि तुम्हें लगता है कि यदि यह ग्लोब अपने आप नहीं बन सकता तो फिर यह सोचो कि यह विशाल ग्लोब, जिस पर हम रहते हैं, यह भी अपने आप कैसे बना होगा? जब तक मानव स्वयं अपनी आंखों से नहीं देख लेता, तब तक उसका किसी चमत्कार या करामात पर विश्वास करना कठिन होता है। पर यदि गौर से देखें तो हमारे चारों ओर चकाचौंध कर देने वाले अनेक चमत्कार भरे पड़े है। फिर भी हम किसी प्रकार की उथल-पुथल महसूस नहीं करते। कभी-कभी हम सोचते हैं कि यह ग्रह अर्थात हमारी पृथ्वी विश्व का केंद्र है, पर शून्य के महासागर में हमारा ग्रह एक बूंद मात्र है। अभी तक वैज्ञानिक इस बह्मांड के एक छोटे से अंश का भी निरीक्षण नहीं कर सके हैं। एक मोटे अनुमान के अनुसार यदि हम इस पूरे बह्मांड की यात्रा करें, तो उस यात्रा में छह अरब प्रकाश वर्ष से भी ज्यादा समय लग जाएगा।

सूडोकु नवताल- 7355

★★★✯☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7354 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 8570

बाएँ से दाएँ

1.अधिकार-2
3.समुद्र,दरिया-3
6.आनंद,रस-2
8.दबाना,कुचलना-3
10.गुंडा,बदमाश-3
12.पासों से भविष्य जानना-3
14.नाप जोख करना-3
17.जलजला-3
19.असफल-3
21.मगन,रत-2
23.व्यक्ति,जीव-3
25.सम्राट,नरेश-2
26.कार्य करने वाला-3
28.उपनदी,कैनाल-3
30.मां का प्रेम-3
32.पढ़ना,अध्ययन-3
35.पक्षाघात,फालिज-3
37.सेनापति-3
39.दूल्हा,वरदान-2
40.पक्ष,एक ओर-3
41.भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1.सीमा,सरहद-2
2.कटि,मध्यांग-3
4.दुख,कष्ट-2
5.गमन,विदा होना-3
7.शराब का प्याला-2
9.एक नमकीन लवण-3
11.आलेप करना-3
13.बोलने का तरीका-3
15.अयोग्य,बेकार-3
16.तहजीब,तमीज-3
18.रत्न,बहुमूल्य नग-3
20.व्यंग,परिहास-3
22.मुलायम,नाजुक-3
24.कॉफी-3
27.पंकज,नीरज,जलज-3
29.निर्माण-3
31.बल,दम,जोर-3
33.नेत्र,आंख-3
34.नौका-2
36.घात,प्रहार-2
38.जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -8569 का हल

ब	द	न	■	चा	त	क	■	त
■	र्श	■	क	ल	ह	■	र	वा
ता	न	■	ह	■	खा	लि	स	■
क	■	का	र	खा	ना	■	भ	■
त	री	का	■	विं	■	श	रा	रा
■	मी	■	अ	द	र	क	■	ज
■	से	ह	रा	■	ह	■	आ	न
जा	न	■	ज	ही	न	■	स	■
म	■	म	क	र	■	स	न	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जंगल से भटक कर खेतों में पहुंचा बायसन

सुरक्षित जंगल में पहुंचाया गया

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र जो कि घने जंगल वन संपदाओं से घिरा हुआ है इन्ही जंगल क्षेत्रो में अनेको वन्य प्राणी देखे जाते है जिनमें बाघ, तेंदुआ, जंगली सुअर, चितल, हिरण, मोर,बारासिंगा, भालू आदि वन्य प्राणी दिखना आम बात हो गई है इन्ही वन्य प्राणियों में से एक है जंगली भैंसा जिसे बॉयसन भी कहा जाता है। यह भी कभी कभी क्षेत्र में दिखाई देता है। जिसको लेकर भी ग्रामीणों मे दहशत व्याप्त होती है। विगत कुछ समय पूर्व भी कान्द्रीघाट के जंगलो में बॉयसन का जोड़ा देखा गया था वहीं अब 6 दिसंबर को लांजी मुख्यालय से महज 8 किमी दुर ग्राम कलपाथरी में सुबह 9 बजे देखा गया। जिसको देखते ही ग्रामीण जनों में दहशत व्याप्त हो गई, क्षेत्र के कुछ युवाओं ने बायॅसन का व्हीडिओ भी बनाया तथा उसे सोशल मीडिया पर वायरल भी किया गया वहीं ग्रामीणों के द्वारा उक्त बॉयसन की सूचना वन विभाग लांजी और पुलिस लांजी को दी गई। वन विभाग से मिली जानकारी की माने तो 6 दिसंबर को सुबह 9 बजे ग्राम कलपथरी तहसील लांजी मे खेत राजस्व एरिया मे एक भारतीय गौर यानी कि भारतीय बायसन होने की सूचना वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार पश्चिम लांजी को फोन पर प्राप्त हुई, सूचना के उपरांत पूर्व एवं पश्चिम लांजी के स्टाफ का एक दल बनाया गया दल द्वारा बायसन की लगातार तलाश की गई तथा दोपहर करीब 2 बजे वन विभाग की टीम के द्वारा बॉयसन को कलपाथरी से, कुम्हारीकला, खुर्द, सावरी होते हुये जंगल क्षेत्र में सुरक्षित पंहुचाया गया। इस कार्यवाही में लांजी पुलिस का भी वन विभाग को सहयोग प्राप्त हुआ। वहीं बॉयसन को लेकर फैली दहशत से ग्रामीण जनों मे चर्चा का विषय बना हुआ था क्योंकि बॉयसन जो कि स्थानीय मवेशियों को नुकसान पंहुचा सकता है जिसको लेकर ग्रामीण जन चिंतीत नजर आये। बतादे कि लांजी क्षेत्र के आस पास के जंगल जो कि कान्हा नेशनल अभ्यारण से जुडा हुआ है अनेको कॉरीडोर वन्य प्राणियों के आवागमन के लिये बने हुये है इन्ही कुछ जंगल के रास्तो से बॉयसन घुमता हुआ ग्रामीण क्षेत्रों में आ गया होगा। इस संदर्भ मे वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार के द्वारा अपील की गई कि क्षेत्र में यदि कोई भी वन्य प्राणी ग्रामीण या रिहायशी क्षेत्रो मे देखा जाता है तो उसकी सूचना वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी को तत्काल देवें। सोशल मीडिया आदि में वायरल कर भीड़ जुटाकर वन्य प्रणियों को उत्तेजित ना करे। बच्चो एवं बुजूर्गा को ऐसे स्थानों से दुर रखे तथा खेतों एवं जंगल की सीमाओं के आस पास अनावश्यक आवाजाही ना करे।

अचानक वन्य प्राणी क्यों आ जाते है ग्रामीण क्षेत्रो में

वन परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार के द्वारा इस विषय पर भी जानकारी दी गई कि क्यों सर्द मौसम या ठंड के दिनो में वन्य प्राणी रिहायशी या ग्रामीण क्षेत्रो में आ जाते है। जिसके पीछे यह कारण है कि सर्दी या ठंड के मौसम में जल स्रोतो और भोजन की तलाश में बॉयसन तेंदुआ तथा अन्य जंगली प्राणी अक्सर आबादी क्षेत्र के पास पंहुचते है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा भीड़ ना जुटाना और वन्य जीवों को छेडने से बचना अत्यंत आवश्यक माना जाता है। इसलिये ग्रामीण जन इस बात का ध्यान रखे तथा जंगल क्षेत्र के आस पास के ग्रामीण सावधानी और सतर्कता बरते। उक्त रेस्क्यू कार्यवाही में प्रमुख रूप से वनपरिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार, पवन पटले, रविन्द्र सोनवाने, दिलीप उइके, निलकंठ चौरे, निशांत कुमार, अजय कुमार यादव, अमर नाथ नंदा, विशाल आसटकर, खुशीराम हनौते, सीमा घोरमारे, कन्हैयालाल गायक्वाड, ईलीयास खान, विभूतीनाथ झा, राहुल, सुरेश सहित लांजी पुलिस थाने डायल 112 में पदस्थ पुलिस कर्मी एवं अन्य स्टाफ उक्त कार्यवाही में सहयोगी रहा।

सावरी खुर्द में छात्रों को दी गई एचआईवी-एड्स की जानकारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, भोपाल के निर्देशानुसार तथा जिला एड्स नियंत्रण इकाई बालाघाट और खंड चिकित्सा अधिकारी लांजी के मार्गदर्शन में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सावरी खुर्द में 5 दिसंबर को एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को एचआईवी, एड्स, सिफलिस, हेपेटाइटिस बी एवं सी तथा अन्य यौन संचारित संक्रमणों (STI) के कारणों, लक्षणों, जांच और बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही एचआईवी पीड़ितों के अधिकारों एवं संरक्षण अधिनियम 2017 की प्रमुख धाराओं तथा टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1097 के बारे में भी जागरूक किया गया। सिविल हॉस्पिटल लांजी की चिकित्सक डॉ. सृष्टि गुप्ता (दंत चिकित्सक), टीबी विभाग के एसटीएलएस विजय पटले, मलेरिया विभाग के श्याम डोहरे, उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े, लैब टेक्नीशियन जीतलाल नागपुरे तथा आईसीटीसी काउंसलर प्रमिला कटरे ने विषय विशेषज्ञों के रूप में छात्रों के प्रश्नों का सरल भाषा में उत्तर दिया। उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े ने उमंग क्लिनिक में किशोर-किशोरियों के लिए उपलब्ध निःशुल्क परामर्श, जांच और उपचार सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य एल.पी. धनौले ने कहा कि एचआईवी के प्रति भ्रांतियां दूर करना और सुरक्षित व्यवहार अपनाना ही इसका सबसे बड़ा बचाव है। स्कूल ऐसे आयोजनों से छात्रों में जागरूकता बढ़ रही है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में उत्साह बनाए रखने के लिए निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। स्कूल के समस्त स्टॉफ के साथ स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम की उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता से यह जागरूकता संगोष्ठी अत्यंत उपयोगी एवं प्रभावी रही। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एचआईवी/एड्स के प्रति भेदभाव खत्म करने और जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

अम्बेडकर चौक में श्रद्धा और एकजुटता के साथ मनाया गया बाबासाहेब का 70वाँ महापरिनिर्वाण दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड नंबर 07 स्थित अम्बेडकर चौक बुद्ध विहार में 06 दिसंबर शनिवार को प्रातः 8ः30 बजे डॉ. भीमराव अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस को बड़े ही श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष पी.के. भिमटे द्वारा तथागत गौतम बुद्ध के चरणों में दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजन-वंदन किया गया। उपस्थित सैकड़ों बौद्ध उपासक-उपासिकाओं ने बारी-बारी से पुष्पांजलि अर्पित कर भारतरत्न, विश्वविभूषण एवं संविधान निर्माता बाबासाहेब को भावभीनी श्रद्धासुमन अर्पित किए। वरिष्ठ बौद्धाचार्य आनंद रामटेके ने सभी उपस्थित अनुयायियों को त्रिसरण, पंचशील तथा बुद्ध-धम्म-संघ की वंदना ग्रहण कराई। वातावरण बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि, संघं शरणं गच्छामि एवं जय भीम, जय भारत, जय संविधान के नारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य रूप से पी.के. भिमटे (अध्यक्ष), एम.के. बौद्ध, पी.डी. भलाधरे, बी.आर. रामटेके, पी.आर. गजभिये, बसंत रामटेके, कमल मेश्राम, आकाश गोस्वामी, सुजीत भालेराव, पर्बता बाई रामटेके, शशि बौद्ध, धर्मशिला मेश्राम, सुशीला बाई मेश्राम, वीणा बाई रामटेके सहित वार्ड के सैकड़ों बौद्ध अनुयायी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि बाबासाहेब के दिखाए समता, स्वतंत्रता, बंधुता और न्याय के मार्ग पर चलते हुए देश में बौद्ध धम्म का प्रसार करेंगे तथा संविधान की रक्षा करेंगे।

8 माह से फरार दुष्कर्म के आरोपी को लांजी पुलिस ने किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी पुलिस के द्वारा पुलिस थाना लांजी में दर्ज अपराध क्रमांक 84/25 धारा 107, 65-1, बीएनएस 3, 4 पाक्सों एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। अपराध पंजीबद्ध दिनांक से ही उक्त प्रकरण का आरोपी फरार चल रहा था जिसे 8 माह बाद मुखबिर की सूचना के आधार पर लांजी पुलिस ने हिरासत में लेकर न्यायालय मे पेश किया गया है। इस संबध में पुलिस के द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्शकांत शुक्ला, एसडीओपी लांजी ओमप्रकाश भापुसे, के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। जिनके मार्गदर्शन में लांजी पुलिस टीम के द्वारा तकनिकी कार्य शैली के आधार पर 8 माह से दुष्कर्म के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना लांजी के मर्ग क्रमांक 2/25 की जांच के दौरान आरोपी अलकेश पिता रामप्रसाद टेंभुरने के विरूद्ध अपराध क्रमांक 84/25 धारा 107, 65-1, बीएनएस 3,4 पाक्सों एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। आरोपी अलकेश कायमी दिनांक से फरारचल रहा था जिसकी तलाश हेतु टीम को कटंगी क्षेत्र के संभावित स्थानों में दबिश देने हेतु रवाना किया गया। जो कि मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी अलकेश टेंभुरने कंही फरार होने की फिराक में बताया गया। सूचना मिलते ही तत्काल आरोपी की पतासाजी करते हुये कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम चिखमारा पंहुच कर हमराह स्टाफ की मदद से आरोपी अलकेश टेभुरने को विधिवत गिरफतार किया गया एवं अभिरक्षा में लेकर वैधानिक कार्यवाही कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां माननीय न्यायालय के आदेश पर जेल रवाना किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना लांजी थाना प्रभारी उनि दीपसिंह परमार, उनि सुन्दरलाल पंवार, सुरेन्द्र सिंह चंदेल, पवन धाकड़, चेतन सोनी, रूपसिंह रावत, चंचलेश यादव एवं अन्य पुलिस बल की सराहनीय भूमिका रही।

शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी के 4 जूनियर खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश एमेच्योर वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में 5 दिसंबर को बैतूल के नगर पंचायत खेल मैदान में जूनियर वॉलीबॉल खिलाड़ियों के राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। इस ट्रायल में छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी और बैतूल जिलों के चुनिंदा खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चारों जिलों से कुल 12 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए होना था। इस चयन ट्रायल में लांजी की शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा कायम रखा। अकादमी के चारों खिलाड़ियों ने न केवल ट्रायल में भाग लिया, बल्कि अपनी बेहतरीन स्किल, फिटनेस और खेल समझ से चयनकर्ताओं को प्रभावित कर राज्य स्तरीय टीम में जगह पक्की कर ली। राज्य स्तरीय टीम में चयनित चारों खिलाड़ी इस प्रकार हैंः राजीव चोरवाड़े, तुषार गौतम, भारती लहरोनिया, कीर्ति उपराडे ये सभी खिलाड़ी लांजी स्थित शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी में ब्लॉक समन्वयक एवं प्रशिक्षक प्रज्ञात वासनिक के मार्गदर्शन में नियमित रूप से कड़ी मेहनत और अनुशासित प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनके इसी लगन और कोच के कुशल नेतृत्व का नतीजा है कि छोटे से कस्बे लांजी ने एक साथ चार खिलाड़ी राज्य स्तर पर भेजे हैं। आगामी 6 से 8 दिसंबर 2025 तक नरसिंहपुर में आयोजित होने वाली राज्य जूनियर वॉलीबॉल प्रतियोगिता में लांजी के ये चारों खिलाड़ी मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के चयन पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी के प्राचार्य दुर्गेश फुलारे, जी.आर. चिखले, नवीन रामटेककर, राकेश मर्सकोले, अजय कारसर्पे, प्रशिक्षक भगवन्ति खान, विनोद चौधरी, विनय सातपुते, साहिल पांडे, वरुण बड़मे, नवीन मात्रे, यश वानखेड़े सहित अकादमी के सभी सीनियर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने चारों चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

संविधान शिल्पकार बाबा साहब के महापरिनिर्वाण दिवस पर अर्पित की श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। भारत रत्न, संविधान शिल्पकार बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर बौद्ध धम्म अनुयायियों द्वारा उन्हें अपनी आदरांजलि अर्पित की गई। शनिवार 6 दिसंबर को सुबह 9 बजे बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे सभी लोगो ने एकत्रित होकर बारी बारी से बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। एवं सामूहिक रूप से त्रिशरण पंचशील का पाठ कर मौन धारण किया गया। तत्पश्चात् शाक्य मुनि बुद्ध विहार किरनापुर पहुंचकर तथागत गौतम बुद्ध एवं बोधिसत्व डॉ बाबा साहब अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन करते हुए सामूहिक रूप से परित्राण पाठ का आयोजन किया गया। वही सांध्य बेला मे पुनः डॉ बाबा साहब अंबेडकर बस स्टैण्ड प्रांगण मे मोमबत्ती जलाकर त्रिशरण पंचशील का पाठ कर एवं दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान मे वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता व्ही एन मेश्राम, एम आर बागड़े, एस सी वैद्य, एस आर पटले,राकेश बोरकर, राहुल वैद्य, दुर्गेश भीमटे, स्वाकेश भीमटे, शरद रामटेके,शेखर भीमटे,एन के मेश्राम, यू एस गेडाम, जी एस गोंडाने, जे पी रामटेके, राकेश खांडेकर, लक्ष्मण वासनिक, महेन्द्र भीमटे,अशोक भौतेकर, युगांश बोरकर,निखिल डोंगरे, जे के गेडाम, सतीश मडामे, भोजराज भीमटे सहित अनेक लोगों की उपस्थिति रही।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पीजी कॉलेज बालाघाट में एड्स जागरूकता सप्ताह का किया गया समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन 01 दिसंबर से क्रियान्वित एड्स जागरूकता सप्ताह का शनिवार 06 दिसंबर को समापन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर तथा नुक्कड़ नाटक आदि के द्वारा जन जागरूकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय से एआरटी मेडिकल ऑफिसर डॉ मीनल नगपुरे, एड्स नोडल अधिकारी डॉ सुषमा गोयल, डीएसआरसी काउंसलर नूतन बोरकर, आईसीटीसी से सीमा मिर्जा तथा लैब टेक्नीशियन डिंपी पंचेश्वर ने विद्यार्थियों को एड्स के लक्षण तथा इससे बचाव के उपचार आदि के बारे में जानकारी प्रदान की तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन तथा नुक्कड़ नाटक के द्वारा सप्ताह भर के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता करने पर विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में रेड रिबन प्रभारी डॉ शाजिया तबस्सुम, डॉ पुष्पलता कमलेशिया, एनएसएस प्रभारी बालिका इकाई डॉ रचना कोरी, एनएसएस प्रभारी बालक इकाई सुखचंद ऐडे तथा एनसीसी प्रभारी डॉ. गजानन कटरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्तर से आई ठंडी हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन

-रात के तापमान में औसतन 2 से 3 डिग्री तक की कमी आई

भोपाल। उत्तर भारत से बह रही ठंडी हवाओं के चलते मध्यप्रदेश में एक बार फिर कड़ाके की सर्दी का असर साफ नजर आने लगा है। सबसे अधिक प्रभाव ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में देखने को मिल रहा है, जहां रात के तापमान में तेज गिरावट के साथ सुबह-शाम कोहरा भी छाया हुआ है। गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर सहित प्रदेश के 19 शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

प्रदेशभर में रात के तापमान में औसतन 2 से 3 डिग्री तक की कमी आई है। मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले हिस्सों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फबारी और वर्षा की संभावना है। इन क्षेत्रों से आ रही बर्फीली हवाएं मध्यप्रदेश तक पहुंच रही हैं, जिससे 7 और 8 दिसंबर को ठंड और तेज होने की संभावना जताई गई है।

पचमढ़ी से भी ठंडी रही रीवा की रात

बीती रात रीवा प्रदेश में सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो राज्य के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी कम रहा। भोपाल में पारा 8.2 डिग्री, ग्वालियर में 7.5 डिग्री, जबलपुर में 9.9 डिग्री, इंदौर में 11 डिग्री और उज्जैन में 11.7 डिग्री दर्ज हुआ। राजगढ़-कल्याणपुर में 6 डिग्री, पचमढ़ी 6.7, चित्रकूट 6.8, शिवपुरी 7, उमरिया 7.1, नौगांव 8.2, सतना 8.6, दमोह और खजुराहो में 9 डिग्री, गुना 9.5, सीधी 9.6, मलाजखंड 9.7 और धार में 9.9 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

दिन के तापमान में भी गिरावट

सर्द हवाओं का असर दिन में भी देखने को मिल रहा है। शनिवार को पचमढ़ी और नरसिंहपुर में अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री दर्ज किया गया। बैतूल 23.7, शिवपुरी 24, धार-

सिवनी 24.4, नौगांव 24.5, श्योपुर 24.6, रीवा 24.8 और टीकमगढ़ में तापमान 25 डिग्री के आसपास रहा। पांच प्रमुख शहरों में भोपाल का अधिकतम तापमान 25 डिग्री, इंदौर 24.8, ग्वालियर 25.6, जबलपुर 25.3 और उज्जैन में 26.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दिसंबर में भी पड़ेगी कड़ी ठंड

मौसम विभाग का अनुमान है कि इस बार ठंड का दौर लंबा और अधिक प्रभावी रहेगा। भोपाल में नवंबर महीने की ठंड ने 84 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि इंदौर में 25 वर्षों में सबसे ज्यादा ठंड दर्ज की गई। इसी तरह दिसंबर में भी ठंड नए रिकॉर्ड बना सकती है। भोपाल में इस बार नवंबर में लगातार 15 दिन तक शीतलहर का असर रहा, जो साल 1931 के बाद सबसे लंबा दौर माना जा रहा है। 17 नवंबर की रात न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री तक लुढक् गया था, जो अब तक का सबसे कम स्तर रहा। इससे पहले 1941 में पारा 6.1 डिग्री तक गिरा था। वहीं इंदौर में भी तापमान 6.4 डिग्री तक पहुंचा, जो पिछले 25 साल में सबसे ठंडी रात रही। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के अनुसार, उत्तर भारत में नवंबर की शुरुआत से ही बर्फबारी शुरू हो गई थी, जिसकी वजह से ठंडी हवाओं का असर मध्यप्रदेश में तेजी से देखने को मिला। हालांकि नवंबर के अंतिम दिनों में हवाओं की दिशा बदलने से कुछ राहत भी मिली।

दिसंबर-जनवरी सबसे ज्यादा सर्द

मौसम विभाग का कहना है कि जैसे मानसून के दौरान जुलाई और अगस्त अहम होते हैं, वैसे ही शीत ऋतु में दिसंबर और जनवरी सबसे ज्यादा ठंडे रहते हैं। इन्हीं महीनों में उत्तर भारत से सबसे अधिक ठंडी हवाएं प्रदेश में प्रवेश करती हैं। पिछले 10 वर्षों के आंकड़े भी इसी रुझान की पुष्टि करते हैं। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने पर दिसंबर में मावठा गिरने से दिन की ठंड भी बढ़ जाती है।

भोपाल जिला यूथ कांग्रेस अध्यक्ष पर महिलाओं ने लगाए गंभीर आरोप

भोपाल। शहरी युवा कांग्रेस में जिलाध्यक्ष पद को लेकर अब महिलाओं ने मोर्चा खेल दिया है। नेशनल यूथ कांग्रेस द्वारा जिस नेता को नया शहर अध्यक्ष बनाया गया, उसके खिलाफ शनिवार को कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं ने उस पर दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए संगठन से तुरंत हटाए जाने की मांग की। महिलाएं राहुल गांधी के नाम के बैनर लेकर कांग्रेस कार्यालय पहुंचीं और नारेबाजी करते हुए कहा कि आरोपी को संरक्षण न दिया जाए। उनका आरोप है कि जिस व्यक्ति को जि मेदारी सौंपी गई है, उसके खिलाफ गंभीर आपराधिक आरोप

हैं, ऐसे में उसे पद पर रखना महिला स मान और पार्टी की छवि दोनों के खिलाफ है।

जांच के बाद बदला गया था नेतृत्व

दरअसल, नेशनल यूथ कांग्रेस ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए भोपाल शहरी युवा कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष अंकित दुबे को हटाकर चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे अमित खत्री को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था। यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर गठित जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया। 14 नवंबर को राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति रंजन और लिलिन प्रसाद भोपाल आए थे। उन्होंने शिकायतकर्ता और पूर्व जिलाध्यक्ष दोनों पक्षों के बयान लिए, दस्तावेजों की जांच की और करीब एक ह ते की पड़ताल के बाद रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में अंकित दुबे के खिलाफ आपराधिक प्रकरण लंबित होने की बात सामने आने के बाद उन्हें पद से हटाया गया।

हाईटेक जाल बिछाकर साइबर ठगो ने रिटायर्ड मिलिट्री इंजीनियर से ठगे 36 लाख

नकली पुलिस, फर्जी सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही और बनावटी ईडी अधिकारी तक हुए शामिल

भोपाल। एमपी की राजधानी भोपाल में साइबर ठगों का अब तक का सबसे हाईटेक जाल बिछाकर ठगी किये जाने का मामला सामने आया है। बेहद शातिर जालसाजो ने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के 85 वर्षीय रिटायर्ड अधिकारी को फर्जी बैंक खाते और संदिग्ध लेनदेन के आरोप लगाकर पहले तो एक सप्ताह तक डिजिटल अरेस्ट रखा। इस दौरान ठगी की कार्यवाही पूरी तरह से असली दिखाते हुए नकली पुलिस, फर्जी सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही और बनावटी ईडी अधिकारियों तक ले जाई गई। जालासाजो ने यह पूरा एक्शन ऑनलाइन लेते हुए शासकीय कार्यवाही वाले पूरे रौब, रुतबे और पांखड के साथ अंजाम दिया जिससे फरियादी को किसी भी तरह का शक न हो सके। जानकारी के अनुसार बागमुगालिया क्षेत्र में रहने वाले टीके नागसरकर साल 2001 में केंद्र की मिलिट्री इंजीनियर सर्विस से रिटायर हुए थे। 13 नवंबर को टीके नागसरकर के पास सुबह के समय अज्ञात नंबर से फाने आया। फोन करने वाले खुद को दिल्ली पुलिस का अधिकारी विजय खन्ना बताते हुए आरोप लगाया कि आपका कैनरा बैंक का खाता फर्जी हस्ताक्षर कर खोला गया है, और इसमें संदिग्ध लेनदेन हुआ है। नागसरकर ने इसे गलत बताया। तब उनसे कहा गया की पुलिस ने शुरुआती जांच की है, और यदि आप निर्दोष हैं, तो कोर्ट में साबित करें। इसके बाद अगले ही दिन 14 नवंबर को रिटायर्ड अधिकारी को लाइव

वीडियो कॉल पर 'सुप्रीम कोर्ट' में पेश कर सुनवाई की गई। यहां फरियादी को एक फर्जी वकील भी दिया गया। कोर्ट में दिनभर ऑनलाइन सुनवाई हुई, जिसमें जज थे, दोनों पक्षों के वकीलों ने पैरवी की और फिर अंत में ठग बने जज बनकर फैसला भी सुना डाला। जज ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और फिर पूरी जांच ईडी को सौंपने का आदेश सुनाया। इसके बाद 15 नवंबर को खुद का नाम निशा पटेल बताते हुए कहा की वह 'ईडी अधिकारी' है, और आपके कैनरा बैंक के फर्जी खाते मामले में अन्य सभी बैंक खातों में जमा रकम की जांच की जायेगी। जांच के लिए उनके सारे बैंक खातों में जमा रकम को दूसरे खातों में ट्रांसफर करनी होगी। ठगो के जाल में पुरी तरह से फंसे नागसरकर ने 20 लाख रुपये दिल्ली की एक फर्नीचर फर्म के एक खाते में ट्रांसफर किए और फिर 19 तारीख को दूसरे खाते में जमा 16 लाख रुपये भी डिब्रूगढ़ के बैंक खाते में जमा करवा दिए। फरियादी को भरोसा दिलाया गया की एक सप्ताह में जांच पूरी होने के बाद उनकी रकम लौटा दि जायेगी। जब समय बीतने पर पैसा वापस नहीं मिला तब उन्हें एहसास हुआ की वह सायबर ठगी का शिकार हो गये है। इसके बाद बीते दिनो उन्होनें साइबर क्राइम सेल में शिकायत की। शिकायत मिलने पर साइबर सेल उन नंबरो की कॉल डिटेल सहित मोबाउल धारक की जानकारी जुटा रही है, जिसका इस्तेमाल ठगो ने किया है। साथ ही उन दो बैंक खातो की जानकारी भी जुटाई जा रही है, जिसमें फरियादी से रकम ट्रासंफर कराई गई है।

होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा के स्थापना दिवस पर मध्यप्रदेश होमगार्ड की बड़ी उपलब्धि

भोपाल। होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा के स्थापना दिवस के अवसर पर गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को DG Disc (Gold, Silver एवं Bronze) तथा प्रशस्ति-प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है। मध्यप्रदेश के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि इस वर्ष मध्यप्रदेश के आठ अधिकारी एवं स्वयंसेवक अपने उत्कृष्ट, साहसिक और प्रेरणादायी कार्यों के लिए DG Bronze Disc से सम्मानित किए गए हैं।

इन्हें मिला डीजी ब्रांज डिस्क

गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डीआईजी मनीष कुमार अग्रवाल, डिवीजनल कमांडेंट होमगार्ड देवेंद्र कुमार विजयवत, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड मयंक कुमार जैन, प्लाटून कमांडर हेमराज परस्ते और शिवराज चौधरी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा, हवलदार बाबू सिंह चंद्रावत, डिवीजनल वार्डन सिविल डिफेंस अजय राठौर को डीजी ब्रॉन्ज डिस्क प्रदान करने की घोषणा की गई है। इन अधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को अपने सेवाकाल के दौरान बाढ़, भूकंप, आग एवं अन्य प्राकृतिक तथा मानवजनित आपदाओं के समय जन-जन की सुरक्षा में अदम्य साहस, त्वरित प्रतिक्रिया और उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश होमगार्ड्स, सिविल डिफेंस एवं आपदा प्रबंधन की महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने सभी सम्मानित अधिकारियों और स्वयंसेवकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि 卐यह सम्मान केवल किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस संगठन की प्रतिबद्धता, अनुशासन और सेवा भावना का प्रतीक है। हमारे अधिकारी और स्वयंसेवक हर आपदा एवं संकट की घड़ी में निस्वार्थ भाव से कार्य करते हैं और समाज में सुरक्षा व सहयोग की भावना को सशक्त करते हैं। यह उपलब्धि समूचे संगठन के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। विभाग ने भी सभी सम्मानित कर्मियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए उनसे जनसेवा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में इसी उत्साह एवं समर्पण के साथ कार्य करते रहने की अपेक्षा व्यक्त की है।

भोपाल में इंडिगो की उड़ानें लगातार रद्द, यात्री बेहाल

4 से 5 गुना तक किराया बढ़ा, यात्रा को लेकर अनिश्चित

भोपाल। इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में जारी अव्यवस्था का असर भोपाल में देखने को मिल रहा है। शहर से संचालित होने वाली कई उड़ाने अचानक रद्द होने से सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। किराया 4 से 5 गुना तक बढ़ जाने के बावजूद यात्रियों को यह भरोसा नहीं मिल पा रहा कि उनकी लाइट उड़ान भर ही पाएगी। हालांकि भोपाल के राजाभोज एयरपोर्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार भोपाल एयरपोर्ट पर इंडिगो की लाइट ऑपरेशन धीरे-धीरे नॉर्मल हो रहे हैं, लाइट मूवमेंट में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और कैंसलेशन में भी काफी कमी आई है।

हज यात्रा पर जाने वाले 41 यात्रियों को रोका

राजभोज एयरपोर्ट पर शनिवार को हज यात्रा पर जाने वाले 41 यात्रियों को रोकना पड़ा। इन सभी यात्रियों की आगे की यात्रा अहमदाबाद से जेद्दा के लिए तय थी। होटल, ट्रांसपोर्ट और गाइड सहित तमाम बुकिंग पहले से कन्फर्म थी, लेकिन भोपाल से उड़ानें रद्द होने के कारण पूरा शेड्यूल बिगड़ गया। यात्रियों का कहना है कि हर दिन प्रति व्यक्ति 5 से 6 हजार रुपए का अतिरिक्त नुकसान हो रहा है।

इंडिगों की लाइट ऑपरेशन धीरे-धीरे नॉर्मल

राजाभोज एयरपोर्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार एयरपोर्ट पर इंडिगो की लाइट ऑपरेशन धीरे-धीरे नॉर्मल हो रहे हैं, लाइट मूवमेंट में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और कैंसलेशन में भी काफी कमी आई है। दिल्ली, बेंगलुरु और गोवा के मु य रूट, जो कल कैंसिल हो गए थे, आज ऑपरेट हुए हैं। शाम 3 बजे तक, भोपाल एयरपोर्ट से कुल 9 लाइट (18 लाइट मूवमेंट) ऑपरेट हुई हैं। इसमें एयर इंडिया द्वारा ऑपरेट की गई 3 लाइट (6 मूवमेंट) इंडिगो द्वारा ऑपरेट की गई 6 लाइट (12 मूवमेंट) हुई। पैसेंजर मूवमेंट में भी काफी सुधार हुआ है, शाम 3 बजे तक 2,500 से ज़्यादा पैसेंजर भोपाल एयरपोर्ट से यात्रा कर चुके हैं। ऑपरेशन के और स्टेबल होने के साथ-साथ आज रात तक लाइट और पैसेंजर मूवमेंट में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। भोपाल एयरपोर्ट स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और पैसेंजर को सपोर्ट करने और ऑपरेशन को सुचारू रूप से चलाने के लिए एयरलाइन के साथ लगातार कोऑर्डिनेशन में है।

भाजपा वचन-पत्र में वादा था आउटसोर्स को संविदा बनाने का पर, बिजली नई भर्ती में कोई जिक्र नहीं, उल्टे छटनी की तैयारी - भार्गव

भोपाल । गत् म.प्र. विधानसभा चुनाव वर्ष 2023 में भाजपा ने अपने वचन-पत्र चरण क्र.-81 में प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारियों को केन्द्र समान सुविधा देने व उन्हें संविदा कर्मी बनाने का वादा किया था, पर इस पर अमल के बजाए बिजली कम्पनियों द्वारा जारी नई भर्ती नोटिफिकेशन में आउटसोर्स कर्मियों को संविदा बनाने या नियमित करने हेतु 50 प्रतिशत आरक्षण देने का कोई जिक्र ही नहीं, उल्टे बिजली कम्पनी मुख्यालय द्वारा हर डिविज़न से हर माह पांच आउटसोर्स कर्मियों को कम करने हेतु गोपनीय रूप से निर्देश जारी किए जा रहे हैं, जिसकी म.प्र. बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव व महामंत्री दिनेश सिसोदिया ने घोर निंदा की है। रोजगार के दावे पर बेरोजगारी का फरमान = श्री भार्गव ने कहा कि एक ओर म.प्र. सरकार रोजगार दिवस मनाकर लाखों रोजगार देने के वादे कर रही है, वहीं दूसरी ओर पूर्व क्षेत्र बिजली कम्पनी जबलपुर हैड ऑफिस से सहित अनेक कार्यालयों द्वारा हर डिवीजन से प्रतिमाह पांच आउटसोर्स कर्मियों की संख्या कम करने का फरमान लिखित रूप से जारी किया जा रहा है। यदि इन निर्देशों का पालन कर संभागीय अधिकारी आउटसोर्स कर्मचारियों को नहीं हटाते हैं तो इन अधिकारियों के वेतन से इन पांच कर्मचारियों का वेतन वसूलने कर फरमान सुनाया जा रहा है। कार्यालय अधीक्षण यंत्री (संचा/संधा) सिवनी सर्किल द्वारा 26 नवम्बर 2025 को जारी पत्र इसका जीवन्त उदाहरण है।

मैन पावर बढ़ाने के बजाए घटाना आश्चर्यजनक = श्री भार्गव के मुताबिक बिजली कम्पनी में लम्बे समय से भर्ती नहीं होने के कारण मानव संसाधन विशेषकर तकनीकि व गैर-तकनीकि कर्मचारियों की भारी कमी है। पिछले 10 वर्षों में सभी बिजली कम्पनियों में लाईनों की लम्बाई बढ़ी, साथ ही बिजली उपभोक्ताओं की संख्या भी डेढ़ गुना बढ़ी, इससे बिलिंग, वसूली व वितरण सहित सभी काम बढ़े। इसी तरह वितरण एवं पॉवर ट्रांसफार्मर बढ़ने से मेंटेनेंस वर्क का वर्कलोड बढ़ा, पर इस अनुपात में मेन पावर बढ़ाने के बजाए मैन पॉवर आउटसोर्स कर्मियों की तेजी से अकारण छंटनी करना और इसका वर्कलोड दूसरे कर्मचारियों पर डालना श्रमिकों पर कुठाराघात है।

भोपाल में 20.71 लाख वोटर्स का हुआ एसआईआर डिजिटाइजेशन

भोपाल। राजधानी भोपाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के 20 लाख 71 हजार से ज्यादा वोटर्स के फॉर्म डिजिटाइज हो गए हैं, जो कुल वाटर्स का 97.5 प्रतिशत है। 7 में से चार विधानसभा- बैरसिया, हुजूर, भोपाल उत्तर और भोपाल मध्य में काम पूरा हो चुका है। बची 3 विधानसभा में अगले 24 घंटे में टारगेट पूरा करने का दावा है।

एसआईआर का सबसे पहले बैरसिया विधानसभा ने टारगेट पूरा किया। इसके बाद हुजूर, उत्तर और मध्य ने भी काम निपटा लिया है। शनिवार शाम तक की रिपोर्ट के अनुसार, भोपाल में कुल 20 लाख 71 हजार 412 वोटर्स के फॉर्म डिजिटाइज हो चुके थे। देर शाम तक यह आंकड़ा और बढ़ गया।

9.6 प्रतिशत ऐसे वोटर्स हैं, जिन्हें नो मेपिंग में रखा गया है। यानी, उनका एसआईआर फॉर्म तो भर दिया गया, लेकिन 2003 का डाटा मैच नहीं हो रहा। 9 दिसंबर के बाद इनकी जांच होगी।

18 दिन में लक्ष्य पूरा

भोपाल की सात विधानसभा सीटों में 21 लाख 25 हजार 908 वोटर हैं। 19 नवंबर तक की स्थिति में फॉर्म की वापसी का प्रतिशत 7.37 ही था। वहीं, 6 दिसंबर की शाम तक यह 97.5 फीसदी पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार, बैरसिया, हुजूर, मध्य और उत्तर में 100 फीसदी, नरेला में 94.3 फीसदी, भोपाल दक्षिण-पश्चिम में 97.5 फीसदी और गोविंदपुरा में 93फीसदी डिजिटलाइजेशन का काम हो गया है।

70 हजार के लिये फर्जी आईबी अफसर बना आरोपी पुलिस रिमांड पर

- क्यूसीआई में चेयरमेन बनाने का झांसा देकर इंजीनियर से 15 लाख की ठगी का मामला

भोपाल। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया में चेयरमैन बनवाने का झांसा देकर इंजीनियर को 15 लाख की चपत लगाने में शामिल फर्जी आईबी अफसर को पुलिस ने आगे की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया है। वहीं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये भी उनके संभावित ठिकानो पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है, जल्द ही आरोपियों को भी दबोच लिया जाएगा। पुलिस के मुताबिक सागर कॉलोनी में रहने वाले 40 वर्षीय आशीष कुलश्रेष्ठ क्वालिटी कंट्रोल इंजीनियर हैं। उन्हें क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया में चेयरमैन बनाने का झांसा देकर आरोपी आमोद कुमार पाठक और उसके दिल्ली में रहने वाले साथी नवीन सिंह ने 15 लाख रुपए ऐठ लिए थे। इतना ही नहीं भोपाल में फर्जी आईबी अफसर से वेरिफिकेशन भी कराया था। संदेह होने पर फरियादी के दोस्त ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया था। फर्जी आईबी अफसर ने पहले अपना नाम अशफाक आलम बताया था, लेकिन पकड़े जाने के बाद उसने अपना असली नाम राजेश कुमार बताया। उसे आरोपी नवीन कुमार ने ही आईबी अफसर बनने के लिए कहा था। इसके ऐवज में उसे 70 हजार रुपए दिए थे। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है। पुलिस का कहना है जल्द ही फरार आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

मध्यप्रदेश और बिहार विधानसभा के चुनाव में भाजपा की जीत को बहनों ने आसान बनाया- हेमंत खण्डेलवाल

भोपाल। मध्यप्रदेश के विधानसभा और लोकसभा के साथ हाल ही में बिहार में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत को बहनों ने ही आसान बनाया है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर की महिलाएं भाजपा पर विश्वास करती हैं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे को पदभार ग्रहण कराकर संबोधित करते हुए कहा ।

हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ता पार्टी की सभी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का कार्य कर रही हैं। महिला मोर्चा का अस्तित्व तो जनसंघ के समय से रहा है, लेकिन महिलाओं की राजनीति में बहुत कम भागीदारी रहती थी। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने स्थानीय चुनावों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर उन्हें नेतृत्व करने के अधिकार देने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कानून बनाकर राजनीति में देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। आजादी के बाद महिलाएं मतदान किसे करना है, यह निर्णय स्वयं बहुत कम कर पाती थी। अब महिलाएं यह अच्छी तरह से जानती हैं कि लोकतंत्र को किस दिशा में लेकर जाना है।

खण्डेलवाल ने कहा कि एसआईआर के कार्यों में आप सभी कार्यकर्ता जितना अधिक सहयोग और कार्य करेंगे, आगामी चुनाव में पार्टी की जीत उतनी ही आसान हो जाएगी। एसआईआर की प्रक्रिया में एक भी सही मतदाता छूटने न पाए, इसका भी सभी कार्यकर्ताओं को ध्यान रखना है। पारदर्शी चुनाव कराने के लिए मतदाता सूची का पूरी तरह से सही होना चाहिए। एसआईआर मतदाता सूची को सही करने का ही कार्य है। एसआईआर में सहयोग इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कोई भी फर्जी मतदाता बचना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करें। पार्टी संगठन सभी को समय-समय पर दायित्व देता रहता है। पार्टी में सभी कार्यकर्ता समान होते हैं, सिर्फ दायित्व अलग-अलग होते हैं। आप सभी बहनें अपनी चिंता छोडकर् पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने के लिए कार्य करें। संगठन आप सभी बहनों के स मान की चिंता स्वयं कर रहा है। अश्विनी परांजपे को पार्टी संगठन से महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। भाजपा एक परिवार है। यहां सभी कार्यकर्ता समान हैं। जिसे जो दायित्व मिला है, वह पूरी निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन कर पार्टी संगठन को बुलंदियों तक पहुंचाने में जुटे रहें।

परांजपे के नेतृत्व में महिला मोर्चा संगठनात्मक कार्यों में इतिहास रचेगा माया नारोलिया

मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व सांसद माया नारोलिया ने कहा कि महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे मां नर्मदा की बेटी हैं। वह महिला मोर्चा में प्रदेश महामंत्री के दायित्व का निर्वहन कर चुकी हैं। मोर्चा के कार्यों को पूरी तरह समझती हैं। अश्विनी परांजपे के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का महिला मोर्चा अपने संगठनात्मक कार्यों में इतिहास रचेगा। मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने पदभार संभालने के बाद कहा कि एसआईआर का कार्य भारत माता की पूजा की तरह है।

इटारसी होकर रीवा से मुम्बई के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन का संचालन

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल से यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए भोपाल मंडल के इटारसी होकर रीवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह स्पेशल ट्रेन रीवा से दिनांक 07.12.2025 को एवं छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 08.12.2025 को चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन में विभिन्न श्रेणी के कुल 24 कोच होंगे।

रीवा-सीएसएमटी-रीवा स्पेशल ट्रेन-

गाड़ी सं या 02185 रीवा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन रविवार रीवा से 15.50 बजे प्रस्थान कर इटारसी 23.20 बजे आगमन कर अगले दिन 12.20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुँचेगी इसी प्रकार वापसी में गाड़ी सं या 02186 सीएसएमटी-रीवा स्पेशल ट्रेन सोमवार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 13.30 बजे प्रस्थान कर इटारसी अगले दिन 02.50 बजे आगमन कर सुबह 10.40 बजे रीवा पहुँचेगी। ठहराव स्टेशन- सतना, कटनी, जबलपुर, पिपरिया, इटारसी, खंडवा, भुसावल, मनमाड, नासिक, कल्याण ।

बालाघाट एक्सप्रेस ■ बालाघाट, रविवार 06 दिसम्बर 2025 www.balaghatexpress.in

61 गेंदों के शेष रहते भारतीय टीम ने जीता आखिरी वनडे मैच, दक्षिण अफ्रीका को 2-1 से हराया

विशाखापत्तनम । भारत ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे वनडे में नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। शनिवार को विशाखापत्तनम में खेले गए निर्णायक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने क्विंटन डिकॉक की शतकीय पारी की मदद से 47.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 270 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल के नाबाद शतक और रोहित शर्मा व विराट कोहली की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 61 गेंदों के शेष रहते मुकाबला जीत लिया।

रांची में भारत जीता, रायपुर में दक्षिण अफ्रीका ने मेजबानों को हराया

तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत भारत ने 17 रनों से जीत के साथ की थी। रांची में खेले गए मुकाबले में विराट कोहली और रोहित शर्मा की दमदार पारियों की मदद से 349 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 332 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। इसके बाद 3 दिसंबर को रायपुर में हुई भिड़ंत में भी विराट कोहली का बल्ला गरजा और उन्होंने शतक जड़ा। उनके अलावा ऋतुराज गायकवाड़ ने भी सैकड़ा लगाया और दक्षिण अफ्रीका के सामने 359 रनों का लक्ष्य रखा। मेहमान टीम ने एडेन मार्करम के शतक और मैथ्यू ब्रीट्जके तथा डेवाल्ड ब्रेविस की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 362 रन बनाए और चार विकेट से मुकाबला जीत लिया। निर्णायक मैच से पहले सीरीज 1-1 की बराबरी पर थी, लेकिन भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में दमदार प्रदर्शन किया और 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली।

रोहित-यशस्वी ने शतकीय साझेदारी से दिलाई शानदार शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए यशस्वी और रोहित ने भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 155 रनों की साझेदारी की। रोहित ने इस दौरान अपने वनडे करियर का 61वां अर्धशतक लगाया और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20000 रन भी पूरे किए। रोहित 75 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मैदान पर विराट कोहली उतरे, जिनका बल्ला इस सीरीज में जमकर चला। कोहली और यशस्वी ने गियर बदलते हुए आक्रमक अंदाज में बल्लेबाजी की। यशस्वी ने अपने वनडे करियर का पहला शतक लगाया और भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

कोहली ने लगातार चौथे मैच में 50+ स्कोर बनाया। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे में अर्धशतकीय पारी खेली थी। यशस्वी ने 121 गेंदों पर 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 116 रन और कोहली ने 45 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 65 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एकमात्र सफलता केशव महाराज को मिली।

डिकॉक का शतक

इससे पहले, भारतीय टीम ने कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा के चार-चार विकेटों की मदद से दक्षिण अफ्रीका को 47.5 ओवर में 270 रन पर ऑलआउट कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डिकॉक ने 106 रनों की पारी खेली, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 48 रन बनाए। डिकॉक और बावुमा ने दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी की जिससे दक्षिण अफ्रीका चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर सका।

डिकॉक और बावुमा की साझेदारी जडेजा ने तोड़ी जिसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना दम दिखाया। प्रसिद्ध के बाद कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका की पारी समेटने में ज्यादा देर नहीं लगाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए डिकॉक और बावुमा के अलावा डेवाल्ड ब्रेविस ने 29, मैथ्यू ब्रिट्जके ने 24, मार्को यानसेन ने 17 और कॉर्बिन बॉश ने नौ रन बनाए। वहीं, केशव महाराज 20 रन बनाकर नाबाद रहे। कुलदीप और प्रसिद्ध के अलावा अर्शदीप सिंह और रवींद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : मध्य प्रदेश ने चंडीगढ़ को 7 विकेट से हराया

मो. अरशद खान ने 4 ओवर में दिए सिर्फ 9 रन, झटके 6 विकेट; हर्ष गवली ने 185 के स्ट्राइक रेट से बनाए 74 रन

कोलकाता/इंदौर। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के एलीट ग्रुप के लीग राउंड-6 मुकाबले में मध्य प्रदेश ने चंडीगढ़ पर एकतरफा जीत दर्ज करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। कोलकाता के जु सेकंड कैंपस में हुए इस टी-20 मैच में मध्य प्रदेश ने चंडीगढ़ को 7 विकेट से हराया और सिर्फ 14 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। यह जीत मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज मोहम्मद अरशद खान के टी-20 करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (6/9) और विकेटकीपर-बल्लेबाज हर्ष गवली (नाबाद 74) की विस्फोटक पारी की बदौलत संभव हो पाई। मध्य प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जो तेज गेंदबाज मोहम्मद अरशद खान के लिए वरदान साबित हुआ। अरशद खान ने टी-20 क्रिकेट में एक यादगार स्पेल डालते हुए अपने चार ओवर के कोटे में सिर्फ 9 रन खर्च किए और 6 विकेट झटके। उनकी इस किफायती और घातक गेंदबाजी के सामने चंडीगढ़ की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर केवल 134 रन ही बना सकी। चंडीगढ़ के लिए सलामी बल्लेबाज मनन वोहरा ने 43 गेंदों पर 52 रनों की पारी खेली, जबकि सन्याम सैनी ने 19 गेंदों में 33 रन का तेज योगदान दिया। अरशद खान को उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 135 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, मध्य प्रदेश की शुरुआत 10 रन पर दो विकेट गिरने के साथ लड़खड़ा गई। लेकिन इसके बाद, विकेटकीपर-बल्लेबाज हर्ष गवली और अनुभवी हरप्रीत सिंह भाटिया ने पारी को संभाला और मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। गवली ने विस्फोटक अंदाज़ में खेलते हुए 40 गेंदों पर 185 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 74 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। हरप्रीत सिंह भाटिया ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए 30 गेंदों पर 160 के स्ट्राइक रेट से 48 रन की उपयोगी पारी खेली। गवली और भाटिया के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 105 रनों की मैच जिताऊ साझेदारी ने मध्य प्रदेश को रिकॉर्ड-तेज गति से जीत दिलाई। मध्य प्रदेश ने यह लक्ष्य सिर्फ 14 ओवर में हासिल कर लिया, जिससे टीम का नेट रन रेट भी मजबूत हुआ। चंडीगढ़ के लिए जगजीत सिंह संधू ने 2 विकेट लिए। इस बड़ी जीत से मध्य प्रदेश ने टूर्नामेंट की अंक तालिका में 4 अंक अर्जित किए हैं और प्लेऑफ की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

अर्जुन एरीगैसी ने येरुशलम मास्टर्स शतरंज खिताब जीता

येरुशलम। इजराइल में चल रहे येरुशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में भारत के शीर्ष खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। यह जीत इसलिए भी ऐतिहासिक बन गई क्योंकि फाइनल मुकाबला पांच बार के विश्व चैंपियन और अर्जुन के गुरु विश्वनाथन आनंद के खिलाफ था। लंबे समय से भारतीय शतरंज में प्रेरणा माने जाने वाले आनंद के सामने पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में उतरना अर्जुन के लिए भावनात्मक पल था, और उन्होंने शांत और सधे हुए खेल के साथ इस चुनौती को शानदार तरीके से पूरा किया। फाइनल मुकाबला बेस्ट ऑफ टू रैपिड फॉर्मेट में खेला गया। दोनों खिलाड़ियों के बीच 10-10 मिनट के दो रैपिड मैच खेले गए, जो कड़े संघर्ष के बाद ड्रॉ रहे। पहले मैच में आनंद जीत के बेहद करीब थे, लेकिन समय की कमी के चलते वे बढ़त को निर्णायक जीत में नहीं बदल पाए। अर्जुन ने दबाव में मजबूत बचाव करते हुए मुकाबले को संतुलन में बनाए रखा। दूसरे रैपिड गेम में भी दोनों ने सतर्क और रणनीतिक खेल दिखाया, जिसके चलते रोमांच टाईब्रेक तक पहुंच गया। टाईब्रेक के ब्लिट्ज मुकाबलों में अर्जुन का खेल और तेज चमका। 3-3 मिनट के दो ब्लिट्ज गेम में उन्होंने पहला मुकाबला जीत लिया और दूसरे को ड्रॉ करते हुए 1.5-0.5 की बढ़त के साथ खिताब अपने नाम कर लिया।

531 रन का विशाल लक्ष्य भी नहीं रोक पाया वेस्टइंडीज

जस्टिन ग्रीव्स की डबल सेंचुरी से पहला टेस्ट ड्रॉ

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड को शायद अंदाजा भी नहीं था कि अपने घरेलू मैदान पर खेला जा रहा पहला टेस्ट मैच उनके हाथ से इस तरह निकल जाएगा। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में मेजबान टीम ने वेस्टइंडीज के सामने 531 रन का विराट लक्ष्य रखा था, लेकिन कैरेबियाई बल्लेबाजों ने अद्भुत जुझारूपन दिखाते हुए मैच ड्रॉ करा लिया। वेस्टइंडीज ने मुकाबले के पांचवें दिन दूसरी पारी में 6 विकेट पर 457 रन बनाते हुए न्यूजीलैंड की जीत के इरादों पर पानी फेर दिया।

इस ऐतिहासिक बचाव में सबसे बड़ी भूमिका रही जस्टिन ग्रीव्स की, जिन्होंने एक छोर पर मजबूती से टिके रहते हुए शानदार डबल सेंचुरी जड़ी। यह उनके टेस्ट करियर की पहली डबल सेंचुरी है, जिसे उन्होंने अपने 12वें मैच में हासिल किया। उन्होंने संयम और धैर्य दिखाते हुए न्यूजीलैंड की हर रणनीति को नाकाम किया। ग्रीव्स का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ स्कोर 115 रन था, जिसे उन्होंने पीछे छोड़ दिया। उनके अलावा कप्तान शाई होप ने शतक जमाया, जबकि तेज गेंदबाज केमार रोच ने नाबाद 58 रन की अहम पारी खेलकर टीम को बचाव तक पहुंचाया।

मैच की शुरुआत में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 231 रन पर सिमट गई, लेकिन जवाब में वेस्टइंडीज केवल 167 रन ही बना पाई। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने जोरदार वापसी की और रचिन रविंद्र के 176 तथा कप्तान टॉम लैथम के 145 रन की बदौलत 8 विकेट पर 466 रन बनाकर पारी घोषित की। इस प्रकार वेस्टइंडीज को 531 रन का विशाल लक्ष्य मिला।

इतिहास में यह उन दुर्लभ मुकाबलों में शामिल हो गया, जहां एक टीम ने दोनों पारियों में कुल 697 रन बनाने के बावजूद मैच जीत नहीं पाई। वेस्टइंडीज ने कुल 624 रन बनाकर शानदार जुझारूपन दिखाया और सीरीज का पहला टेस्ट ड्रॉ पर खत्म किया। अब दोनों टीमें अगले मुकाबले में बढ़त लेने के लिए पूरी ताकत

चोट के बाद वापसी को तैयार रियान पराग, बोले- फिर से टीम इंडिया की जर्सी पहनूंगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर रियान पराग ने वनडे और टी20 टीम से बाहर होने को लेकर खुलकर बात की है। पराग ने स्वीकार किया कि टीम से बाहर होना उनके लिए बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपने खेल को बेहतर करने में लगे रहे। हाल ही में कंधे की चोट से पूरी तरह फिट होने के बाद पराग का विश्वास है कि यदि उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार मौके मिले, तो वह दोबारा टीम इंडिया में जगह बनाने में सफल होंगे।

रियान पराग ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था और इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी उन्हें टीम में चुना गया था। वनडे डेब्यू में पराग ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए थे, लेकिन बल्लेबाजी में वह केवल 15 रन ही बना पाए, जिसके चलते उन पर सवाल उठे। हालांकि, पराग का मानना है कि फॉर्म के कारण नहीं बल्कि चोट की वजह से वह टीम से बाहर हुए।

एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उन्होंने कहा, 卐मुझे लगता है कि मैंने भारत के लिए ठीक-ठाक प्रदर्शन किया था। आप इसे मेरा विश्वास कह सकते हैं या ओवरकॉन्फिडेंस, लेकिन सच यही है कि मेरी कंधे की चोट ने मुझे पीछे धकेला। अगर मैं चोटिल नहीं होता तो मुझे यकीन है कि मैं दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में खेल सकता था। जब भी मैं पूरी तरह फिट हो जाऊंगा, आप मुझे दोबारा भारत की जर्सी में देखेंगे।卐

पराग ने बताया कि करियर के मुश्किल दौर में वह मानसिक रूप से काफी परेशान रहे। उन्होंने कहा कि आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कई साल ऐसे रहे जब वह रन नहीं बना पाए और खुद से संघर्ष करते रहे। उन्होंने बताया, 卐मेरे दो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सीजन शानदार रहे, जहां सात मैचों में मेरा औसत 45-50 के आसपास था, लेकिन आईपीएल में 14 मैचों में मैं 70 रन भी नहीं बना सका। तब मैं इतना टूट चुका था कि कई बार बाथरूम में जाकर रोया।卐 उन्होंने साझा किया कि ऐसे पल भी आए जब उन्हें लगा कि प्रैक्टिस बंद कर दें या कहीं छुट्टी पर चले जाएं, लेकिन फिर उन्होंने खुद को संभाला और मेहनत जारी रखी। 卐संघर्ष हर खिलाड़ी के जीवन में आता है, लेकिन मैं सीख रहा हूं कि कैसे मजबूत होकर लौटना है,卐 पराग ने कहा। अब पूरी फिटनेस वापस आने के बाद रियान का फोकस घरेलू सीजन में अच्छा प्रदर्शन करके दोबारा भारतीय टीम में जगह बनाना है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि उनके भीतर अभी भी टीम इंडिया के लिए खेलने की वही भूख है।

मोहम्मद शमी ने लिया मोहम्मद सिराज के रेस्टोरेंट का जायका

हैदराबाद। टीम इंडिया से फिलहाल बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी हाल ही में अपने करीबी दोस्त और साथी गेंदबाज मोहम्मद सिराज के रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट खाने का आनंद लेने पहुंचे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज से बाहर होने के कारण सिराज इन दिनों हैदराबाद में समय बिता रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने शमी और टीम के कुछ अन्य खिलाड़ियों को अपने रेस्टोरेंट 'जोहरफा' में खास दावत पर आमंत्रित किया। शमी ने सोशल मीडिया पर इन खुशनुमा पलों की तस्वीरें साझा करते हुए सिराज की मेहमाननवाजी की जमकर तारीफ की।

शमी ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि सिराज द्वारा उन्हें और बाकी साथियों को रेस्टोरेंट में बुलाना दोस्ती को मजबूत करने का एक बेहतरीन तरीका था। उन्होंने लिखा, 卐मोहम्मद सिराज का मुझे और दूसरे टीममेट्स को अपने रेस्टोरेंट में बुलाना हमारी दोस्ती को और मजबूत करने का शानदार तरीका है। हमने साथ में अच्छा खाना खाया, खूब मजे किए और मैदान के अंदर और बाहर के अनुभव शेयर किए। शानदार मेहमाननवाजी के लिए सिराज का दिल से धन्यवाद।卐 शमी द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में कई खिलाड़ी नजर आए। उनके साथ तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाशदीप मौजूद थे, जबकि बंगाल के घरेलू क्रिकेट बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन भी इस खास शाम का हिस्सा बने। सभी खिलाड़ियों ने मिलकर स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया और एक साथ समय बिताया।

हैदराबाद के मध्य में स्थित 'जोहरफा' इस साल की शुरुआत में ही शुरू हुआ था और अब शहर के चर्चित रेस्टोरेंट्स में शामिल हो गया है। यहां मुगलई, पर्शियन, चाइनीज और अरेबियन व्यंजनों का बेहतरीन मिश्रण उपलब्ध है। अनुभवी शेफ की टीम अलग-अलग फ्लेवर और पारंपरिक शैली में तैयार किए गए खास पकवानों के लिए मशहूर है। सिराज का कहना है कि रेस्टोरेंट की खासियत घर जैसा असली और ताज़ा स्वाद है, जिसे लोग बेहद पसंद कर रहे हैं। सिराज का उद्देश्य है कि भारत के साथ-साथ दुनिया भर के खाने के शौकीन यहां आकर एक अनोखा फूड अनुभव प्राप्त करें। शमी की पोस्ट के बाद यह रेस्टोरेंट एक बार फिर चर्चा में आ गया है और फैंस भी इसे ट्राई करने की इच्छा जता रहे हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के सुपर लीग मैच इंदौर से शिफ्ट, अब पुणे में होंगे मुकाबले

गूगल ट्रेंड्स में छाया क्रिकेट, एशिया कप और आईपीएल टीमों की वैश्विक सर्च में धूम

नई दिल्ली। साल 2025 ने साबित कर दिया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर क्रिकेट का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। दुनिया भर में गूगल पर इस वर्ष सबसे ज्यादा सर्च किए गए खेल आयोजनों और टीमों की सूची में क्रिकेट ने दबदबा बनाया। शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी, महिला क्रिकेट विश्व कप और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की दो टीमों ने ग्लोबल स्तर पर सर्च ट्रेंड्स में शीर्ष स्थान हासिल किए। यह ट्रेंड इस बात की पुष्टि करता है कि क्रिकेट की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, खासकर उस समय जब यह खेल लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में वापसी करने जा रहा है। ग्लोबल सर्च ट्रेंडिंग प्रतियोगिताओं की सूची में एशिया कप और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 दूसरे और तीसरे, जबकि महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 चौथे स्थान पर रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज में रचा इतिहास, 97 साल बाद सभी बल्लेबाज दहाई में पहुंचे

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बेहद रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है। ब्रिसबेन में खेले जा रहे इस डे-नाइट टेस्ट में नतीजा किसी भी ओर झुक सकता है, क्योंकि दोनों टीमों के सामने जीत का सुनहरा मौका मौजूद है। मैच की पहली पारी में इंग्लैंड ने जो रूट के शानदार शतक की बदौलत 334 रन बनाए। रूट ने इंग्लैंड के संघर्षपूर्ण स्कोर को संभाला और टीम को मजबूत स्थिति तक पहुंचाया। हालांकि, इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने बेहद संतुलित और सामूहिक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 117.3 ओवर में 511 रन बना डाले और पहली पारी के आधार पर 177 रन की मजबूत बढ़त हासिल की।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की इस पारी में सबसे बड़ा आकर्षण उनका ऐतिहासिक रिकॉर्ड रहा। एशेज सीरीज के लंबे इतिहास में यह केवल तीसरी बार हुआ है जब एक पारी में सभी 11 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार करने में सफल रहे हों। इससे पहले यह विराट उपलब्धि 1894 में मेलबर्न में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हासिल की थी और उसके बाद 1928 में सिडनी टेस्ट में इंग्लिश खिलाड़ियों ने इसे दोहराया था। लगभग 97 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम ने एशेज में पहली बार यह अनूठा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। यही नहीं, डे-नाइट टेस्ट मैचों के पूरे इतिहास में भी ऐसा कारनामा पहली बार हुआ है, जो इस उपलब्धि को और भी खास बनाता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए कई खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। ट्रेविस हेड ने 43 गेंदों में 33 रन बनाते हुए शुरुआत को गति दी। जेक वेदरवॉल्ड ने 72 रन की प्रभावशाली पारी खेली, जबकि मार्नस लाबुशेन ने 65 रनों के

डब्ल्यूटीसी 2025-27 : सभी टीमों का खाता खुला, ऑस्ट्रेलिया टॉप पर, भारत पांचवें स्थान पर

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के नए चक्र में अब सभी टीमों ने कम से कम एक मुकाबला खेल लिया है। इस चक्र का हालिया मैच न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ। मैच के नतीजे के बाद दोनों टीमों को अंक तो मिले, लेकिन कोई भी टीम जीत दर्ज नहीं कर सकी। ड्रॉ होने पर मिले अंकों से दोनों टीमों के पॉइंट्स टेबल में खाता खुल गया है, जिसका आगे चलकर फायदा संभव है।

न्यूजीलैंड ने अभी तक केवल एक ही टेस्ट खेला है और वह मुकाबला बिना परिणाम के समाप्त हुआ। इसके बावजूद टीम पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज, जिसने अब तक कुल छह मैच खेले हैं, उनमें से पांच में हार झेली और केवल एक मैच ड्रॉ कराया, नौवें और अंतिम स्थान पर है। कैरेबियाई टीम का जीत प्रतिशत 5.56 है, जो सबसे कम है। आठवें नंबर पर बांग्लादेश की टीम है, जिसने दो में से एक मुकाबला जीता है और एक ड्रॉ कराया है। उसका जीत प्रतिशत 16.67 है। इंग्लैंड छह मैचों में दो जीत, तीन हार और एक ड्रॉ के साथ 36.11 जीत प्रतिशत के साथ छठे पायदान पर है।

क्र.	टीम	मैच खेले	जीते	हारे	ड्रॉ	अंक	जीत प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	4	4	0	0	48	100
2	साउथ अफ्रीका	4	3	1	0	36	75
3	श्रीलंका	2	1	0	1	16	66.67
4	पाकिस्तान	2	1	1	0	12	50
5	भारत	9	4	4	1	52	48.15
6	इंग्लैंड	6	2	3	1	26	36.11
7	न्यूजीलैंड	1	0	0	1	04	33.33
8	बांग्लादेश	2	0	1	1	04	16.67
9	वेस्टइंडीज	6	0	5	1	04	5.56

पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलिया कायम है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अब तक खेले चारों मैच जीते हैं और 100 फीसदी जीत प्रतिशत के साथ शीर्ष पर मजबूती से टिकी हुई है। साउथ अफ्रीका दूसरे स्थान पर है, जिसने चार में से तीन मुकाबलों में जीत हासिल कर 75 फीसदी जीत प्रतिशत हासिल किया है। तीसरे स्थान पर श्रीलंका है, जिसका जीत प्रतिशत 66.67 है। पाकिस्तान चौथी पोजीशन पर है, जिसने दो में से एक मैच जीता है। भारत इस समय पांचवें नंबर पर है, जिसने नौ मुकाबलों में चार जीत हासिल की हैं और उसका जीत प्रतिशत 48.15 है।

सुसाइड नोट लिखकर युवती ने की आत्महत्या

तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम बड़पानी की घटना

पद्मेश न्यूज कटंगी। बालाघाट जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़पानी में एक युवती ने सुसाइड नोट लिखकर कुएं में कुदकर आत्महत्या कर ली। युवती ने अपने सुसाइड नोट में गांव के ही एक युवक की हरकतों से तंग आकर आत्महत्या जैसा कदम उठाने का आरोप लगाया है। जिसके बाद पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है। शनिवार की सुबह करीब 6 बजे युवती के परिजनों ने घर के पीछे बने कुएं में सुसाइड नोट और चुनरी देखी जिसके बाद महकेपार चौकी पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को बरामद कर पंचनामा कार्रवाई करने के बाद दोपहर साढ़े 3 बजे शव का पोस्टमार्टम करने के लिए शव को सरकारी अस्पताल कटंगी पहुंचाया। मिली जानकारी अनुसार ग्राम बड़पानी की 25 वर्षीय युवती पल्लवी बिन्झाड़े ने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या की है। युवती ने गांव के निकेश उर्फ निक्कु गौतम को अपनी मौत का कारण बताया है। युवती ने शुक्रवार की रात परिजनों के सो जाने के बाद कुंए में कुदकर आत्महत्या की और शनिवार

की सुबह परिजनों को इसकी जानकारी मिली।

मृतक युवती के चाचा हरेन्द्र गौतम के अनुसार 01 दिसंबर को रायपुर से एक परिवार पल्लवी को देखने के लिए बड़पानी आया हुआ था। निक्की गौतम ने उस परिवार को बताया था कि युवती और उसके बीच प्रेम-प्रसंग है। जिसके बाद रायपुर से आए परिवार ने पल्लवी के पिता से फोन पर रिश्ता करने से इंकार कर दिया था। यह बात जब पल्लवी को पता चली तो वह काफी तनाव में थी। इस पूरे घटनाक्रम के बीच शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात्रि युवती ने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या कर ली। तिरोड़ी थाना प्रभारी कौशल कुमार सूर्या ने बताया कि मर्ग कायम जांच विवेचना में लिया गया है।

जाति बनी दोनों की अड़चन-

ग्रामीणों से मिली जानकारी अनुसार अनुसूचित जनजाति से ताल्लुक रखने वाली पल्लवी और ओबीसी समाज के निक्कु के बीच करीब 04 वर्ष पूर्व में प्रेम प्रसंग था लेकिन कुछ समय से दोनों के बीच बातचीत बंद थी। निक्कू का परिवार पल्लवी की जाति की वजह से उसे अपने घर की बहु बनाने को तैयार नहीं था। निक्कू अपने परिवार के इस फैसले के खिलाफ में था और उसने कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया था। हालांकि समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई थी और इस घटना के बाद से दोनों के बीच बातचीत बंद हो चुकी थी लेकिन कुछ समय बाद निक्कु ने पल्लवी पर बातचीत करने का दबाव बनाया। इधर, पल्लवी का परिवार अपनी बेटी के लिए रिश्ते की तलाश में था और जब पल्लवी के लिए रिश्ता आया तो इस रिश्ते को तोड़ने में निक्कु ने बड़ी भूमिका निभाई। इसी से पल्लवी सदमे में थी और उसने सुसाइड नोट लिखकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

सुसाइड नोट में लिखा-

पल्लवी ने अपने सुसाइड नोट में लिखा मैनें एक गलती की मोबाइल पकड़ी बाकि कुछ गलती नहीं की। ना मिलने गई न कुछ गलत काम की नहीं। शादी करूंगी बोली बस। कुत्ते को समझाई पर कुत्ते ने जी सकूं ऐसी जिंदगी मेरी रखा नहीं। अब मैं जीना चाहती भी नहीं। कुत्ते के कारण क्या-क्या नहीं सुनी। घर में दो साल तक परिवार वालों का टेंशन ली पर मुझे पता है मैं सही थी। पर और बेइज्जती सहने की हिम्मत नहीं है। नहीं जीने की हिम्मत है। मेरे कारण पूरे परिवार को बेइज्जती सहनी पड़ी आये रिश्ते को भी तोड़ा मैं मां बाप के मर्जी से करना चाहती थी। मेरी मौत का कारण निक्कु गौतम है।

इनका कहना है-

शव को बरामद करने के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मर्ग कायम कर जांच विवेचना में लिया गया है।

कौशल कुमार सूर्या
थाना प्रभारी तिरोड़ी

आज ही के दिन 85 दुश्मन मारकर मोर्चे पर डटे रहने वाले मेजर होशियार सिंह ने ली थी अंतिम सांस

नई दिल्ली। हमारे देश पर कई बार दूसरे देश ने युद्ध थोपने की कोशिश की है। लेकिन, हर युद्ध के अंत की पटकथा भारतीय सैनिकों ने अपने साहस और बलिदान से लिखी है। भारत की इस विजय यात्रा में कई नाम शामिल हैं, इनमें से एक नाम परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का है। उनकी इसी अद्भुत वीरता के लिए उन्हें मिला भारत का सर्वोच्च वीरता सम्मान, परमवीर चक्र। कर्नल के तौर पर सेवानिवृत्त होने के बाद 6 दिसंबर 1998 को उन्होंने अंतिम सांस ली। मेजर साहब आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी कहानी हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा है। वे एक ऐसे योद्धा थे जो कर्तव्य पथ पर अंतिम समय तक डटे रहे।

वे वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और अद्भुत धैर्य का प्रतीक हैं। 6 दिसंबर 1998 को दुनिया से विदा होने के बाद वे अपने पीछे एक ऐसा इतिहास छोड़ गए, जो सदियों तक पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। 5 मई 1937 को हरियाणा के सिसाना गांव में जन्मे होशियार सिंह के भीतर बचपन से ही अनुशासन और दृढ़ स्वभाव था। पिता चौधरी हीरा सिंह किसान और माता मथुरी देवी गृहिणी थीं। 7वीं कक्षा की पढ़ाई के दौरान ही उनकी शादी धन्नो देवी से हो गई। आगे चलकर उनके तीन बेटे हुए। कम उम्र में गृहस्थ जीवन शुरू होने के बावजूद उनके सपनों में देशसेवा प्रमुख थी। जाट कॉलेज रोहतक में सिर्फ एक साल पढ़ने के बाद उन्होंने सेना ज्वाइन कर ली। 30 जून 1963 को 3 ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट में कमीशन हासिल किया और एनईएफए में पहली पोस्टिंग मिली। 1965 का युद्ध उनके करियर का पहला बड़ा सैन्य अनुभव था, मगर उनकी असली पहचान 1971 के युद्ध में बनी।

दिसंबर 1971 में शकरगढ़ सेक्टर में बसान्तर नदी के पार एक मजबूत ब्रिजहेड बनाना था, जहां दोनों तरफ गहरे माइन्स और ऊपर से पाकिस्तान की भारी मशीनगनों का जाल। इस दुर्गम मिशन की जिम्मेदारी 3 ग्रेनेडियर्स पर थी। उस वक्त मेजर के पद पर कार्यरत होशियार सिंह सी कंपनी के कमांडर थे, जिन्हें जर्पाल के दुर्गम क्षेत्र पर कब्जा करना था। गोलियों की बरसात, तोपों की गड़गड़ाहट और सामने मौत खड़ी थी। लेकिन, मेजर होशियार सिंह नहीं रुके। उनकी कंपनी पर जबरदस्त क्रॉसफायर हुआ, लेकिन उन्होंने आगे बढ़कर हाथापाई तक की लड़ाई में दुश्मन को खदेड़ दिया। इसके बाद, 16 दिसंबर को दुश्मन ने तीन बार काउंटरअटैक किया, जिसमें से दो बार टैंक के साथ। मगर मेजर सिंह ने खाई-खाई जाकर सैनिकों को प्रेरित किया और हर मोर्चे पर लड़ाई को मजबूती से थामे रखा।

अगले दिन यानी 17 दिसंबर को, दुश्मन ने भारी आर्टिलरी और एक पूरे बटालियन के साथ हमला किया। इसी दौरान एक गोला मेजर सिंह के पास फटा और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि, इसके बाद भी रणभूमि में उनकी भूमिका खत्म नहीं हुई। पोस्ट पर जब दुश्मन का गोला गिरा और वहां तैनात सैनिक घायल हो गए, तब मेजर होशियार सिंह खुद मशीनगन के गड्ढे में कूद पड़े, खुद मशीनगन संभाली और ऐसा प्रहार किया कि पाकिस्तानी सेना 85 शव और अपने कमांडिंग ऑफिसर को यहीं छोड़कर भाग गई। इसके बावजूद सीजफायर तक वे पीछे नहीं हुए। वे अंतिम सांस तक मोर्चे पर डटे रहे।

आयोग का फैसला : केरल में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण की डेडलाइन एक हफ्ते बढ़ी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने केरल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की समय-सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी है। यह फैसला केरल सरकार के लिखित अनुरोध और सुप्रीम कोर्ट के 2 दिसंबर के निर्देश के बाद लिया गया। शुक्रवार को आयोग ने केरल के मुख्य सचिव को औपचारिक पत्र भेजकर नया संशोधित शेड्यूल जारी कर दिया, जो केवल केरल के लिए लागू होगा। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के वरिष्ठ नेता पीके कुन्हालीकुट्टी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि निर्धारित समय-सीमा में एसआईआर पूरा करना असंभव है क्योंकि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं। सैकड़ों राजनीतिक कार्यकर्ता

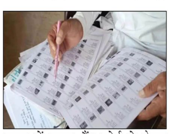

प्रचार में व्यस्त हैं। कोर्ट ने केरल सरकार को चुनाव आयोग के समक्ष प्रस्ताव रखने की अनुमति दी और आयोग को निष्पक्षता से विचार करने का निर्देश दिया।

इसके तुरंत बाद 3 दिसंबर को केरल सरकार ने आयोग को पत्र लिखकर स्थानीय निकाय चुनावों का हवाला देते हुए अतिरिक्त समय मांगा। शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी केरल और मुख्य सचिव के साथ आयोग की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। बैठक में बताया गया कि 95 प्रतिशत से अधिक घर-घर सर्वे फॉर्म डिजिटाइज हो चुके हैं और 11 दिसंबर तक शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा हो जाएगा। बूथ लेवल ऑफिसर और बूथ लेवल एजेंट की मीटिंगें 7 दिसंबर तक चलेंगी।

हालांकि मुख्य सचिव ने आयोग को अवगत कराया कि अधिकांश राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता स्थानीय निकाय चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, जिससे एसआईआर के दौरान दावे-आपत्तियों की जांच और घरेलू सत्यापन का काम प्रभावित हो रहा है। इस आधार पर राज्य ने केवल गिनती और संबंधित कार्यों के लिए एक सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा। आयोग ने राज्य की दलील को स्वीकार करते हुए नया शेड्यूल जारी किया। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह संशोधन केवल केरल के लिए है, देश के बाकी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर पहले निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ही चलेगा।

ये रहा कार्यक्रम

घर-घर गिनती और पोलिंग स्टेशन अपडेट का काम अब 18 दिसंबर 2025 तक चलेगा।

ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को होगा।

दावे-आपत्तियां दर्ज करने की अवधि 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक रहेगी।

दावों-आपत्तियों का निपटारा 14 फरवरी 2026 तक पूरा होगा।

अंतिम मतदाता सूची 21 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

कागजों में स्मार्ट सिटी के सभी प्रोजेक्ट पूरे

नईदिल्ली। भारत सरकार ने संसद में दावा किया है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत देश भर के प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। मध्य प्रदेश ने 98 फ़ीसदी लक्ष्य हासिल किया है। वहीं महाराष्ट्र में 95 फ़ीसदी प्रोजेक्ट पूरे हो गए हैं। इन दोनों राज्यों ने सबसे पहले और सबसे तेज गति से स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट पूरे किए हैं।

संसद में जानकारी देते हुए सरकार की ओर से बताया गया है।देशभर में 8083 प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी के शुरू किए गए थे। इसमें से 7636 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के 82 प्रोजेक्ट थे। जो पूरे हो गए हैं। केंद्र सरकार ने इसमें 490 करोड रुपए का अनुदान दिया है। सरकार ने यह भी जानकारी दी है, इन प्रोजेक्ट पर अभी तक 2791 करोड रुपए खर्च हो चुके हैं।

टीटी नगर के स्मार्ट सिटी एरिया का बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर का काम अधूरा पड़ा हुआ है। नॉर्थ और साउथ टीटी नगर की 342 एकड़ जमीन को आधुनिक शहरी क्षेत्र में बदलना था। अभी आधे से अधिक जमीन पर कोई काम ही नहीं हुआ। मेनिट के प्लानिंग एवं डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के डीन डॉक्टर केके धोटे ने कहा है, स्मार्ट सिटी मिशन की मूल अवधारणा, कचरा कलेक्शन, सीवेज, पानी सप्लाई, ट्रैफिक कंट्रोल, बिजली सप्लाई तथा स्मार्ट सिटी में इलेक्ट्रॉनिक एवं आईटी का उपयोग किया जाएगा। भोपाल स्मार्ट सिटी में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। स्मार्ट सिटी बनाने के चक्कर में भोपाल की हरियाली जरूर भेंट चढ़ गई। स्मार्ट दशहरा मैदान का प्रोजेक्ट अधूरा पड़ा हुआ है। गवर्नमेंट हाउसिंग प्रोजेक्ट फेज वन का भी काम पूरा नहीं हुआ है। फेज दो और तीन के तो काम ही शुरू नहीं हुए। स्मार्ट सिटी एरिया के अंदर केवल एक बुलेवर्ड स्ट्रीट तैयार की गई है। अन्य सड़कें आज भी पहले की तरह हैं। स्मार्ट सिटी के बजट से नगर निगम के कुछ प्रोजेक्ट जरूर पूरे किए गए हैं।

स्मार्ट सिटी को लेकर संसद में जो जानकारी दी गई है। उसके बाद मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल मैं कहा जा रहा है। कागजों में स्मार्ट सिटी के काम पूरे हो गए हैं। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधिकारियों का कहना है। जितनी राशि उन्हें अनुदान में मिली थी। उसमें जो काम हो सकते थे, वह पूरे हो गए हैं।

मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ पुलिस से जुड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया

मंदसौर। मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ पुलिस से जुड़े फर्जीवाड़े के बारे में खुलासा हुआ है। जिसमें एक 18 वर्षीय युवक पर 2 किलो 700 ग्राम से अधिक अफीम रखने का झूठा केस बनाने का आरोप है। 18 वर्षीय सोहनलाल, जो 29 अगस्त, 2025 को बस में मंदसौर से प्रतापगढ़ सफर कर रहा था। बस में सादे कपड़ों में आए तीन-चार लोगों ने सोहनलाल को पकड़ा और मल्हारगढ़ थाने ले जाकर उस पर 2 किलो 700 ग्राम से अधिक अफीम रखने का केस बना दिया। इसके बाद सोहनलाल ने हाई कोर्ट में जमानत अर्जी लगाई। इसके बाद बस के सीसीटीवी फुटेज कोर्ट में प्रस्तुत किए गए, जिसमें युवक को पकड़ते समय खाली हाथ देखा गया।

अंबानी को ईडी से बड़ा झटका, 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उधोगपति अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है जिससे अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। खबर है कि यस बैंक घोटाले और रिलायंस ग्रुप की कंपनियों में अनियमितताओं के मामले में ईडी ने 1,120 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। इस कार्रवाई के साथ ही जब्त की गई संपत्ति की कुल रकम अब 10,117 करोड़ रुपये हो गई है। इस कार्रवाई में रिलायंस ग्रुप की विभिन्न कंपनियों में किए गए निवेश शामिल हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई है।

भारत की एयरलाइन कंपनियों ने लूट का विश्व रिकॉर्ड बनाया

10 से 12 गुना किराए की वसूली

नईदिल्ली। भारत की एयरलाइन कंपनियों ने दुनिया में लूट का एक नया रिकार्ड बनाने में कामयाबी हासिल की है। पिछले कई महीनो से त्योहार के समय या किसी भी विपत्ति के समय यात्रियों से किराए के रूप में मनमानी वसूली की जा सकती है। इसे देखना है, तो भारत की एयरलाइंस कंपनियों को देख लें। सरकार एयरलाइन कंपनियों की मनमानी पर आंख बंद करके बैठी रहती है। जिसके कारण जैसे ही ट्रैफिक बढ़ता है। एयरलाइन कंपनियां समय-समय पर किराया 10 से 12 गुना तक बढ़ा देती हैं।

हाल ही में इंडिगो की हजारों फ्लाइट रद्द हुई। एयरपोर्ट पर हजारों की संख्या में कई दिनों तक यात्री फंसे रहे। इसका भरपूर फायदा एयरलाइन कंपनियों ने उठाया। 2 से 3 घंटे की फ्लाइट का किराया एक लाख रुपए से अधिक तक वसूल किया है। सामान्य तौर पर 7000 की टिकट, 50000 से ?60000 में बेची गई है।

जब पूरे देश भर में हंगामा मचा। 5 दिन के अंदर हजारों उड़ानों को रद्द कर दिया गया। यात्री एयरपोर्ट पर खाने-पीने के लिए तरस गए।उनका जमा समान उन्हें वापस नहीं दिया गया। एविएशन के नियमों का पालन नहीं किया गया। यात्रियों को खाने-पीने से लेकर अन्य भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। छोटे-छोटे बच्चे दूध के लिए परेशान होते रहे।जो महिलाएं,गर्भवती और पीरियड से थी। उन्हें इन चार दिनों में एयरपोर्ट के अंदर नरक जेसा कष्ट भोगना पड़ा।

एयरलाइन कंपनियों की मुनाफाखोरी और मनमानी इतनी बढ़ गई है। वह सरकार को ही ब्लैकमेल करने लगी हैं। इंडिगो का 65 फ़ीसदी घरेलू एविएशन पर कब्जा है। वह जो चाहती है, वैसे निर्णय करती है, सरकार गांधी जी के तीन बंदरों की तरह, ना कुछ देखती है, ना सुनती है, ना बोलती है। केंद्र सरकार ने रविवार की शाम तक यात्रियों को टिकट का पैसा लौटाने का निर्देश इंडिगो को दिया है। जिन यात्रियों की फ्लाइट रद्द की गई थी। उन्हें कोई भी सुख सुविधा एयरलाइन कंपनी द्वारा नहीं दी गई। व्यवस्था पूरी तरह से चरमराने के बाद भी डीजीसीए ने इंडिगो पर कोई ऐसी कार्यवाही नहीं की। जिससे यात्रियों को समस्या से छुटकारा मिलता। सरकार ने अभी तक जो कार्रवाई की है। उससे लगता है सरकार को यात्रियों की कोई फिक्र नही है।

पिछले पांच दिनों से भारत के लगभग सभी एयरपोर्ट पर अफरा तफरी का माहौल मचा हुआ है। सरकार ने इंडिगो के लिए 3 महीने का समय बढ़ा दिया है।इंडिगो अभी भी सरकार को ब्लैकमेल कर रही है। इसके पीछे कहा जा रहा है। एयरलाइन कंपनी द्वारा सिविल एविएशन, डीजीसीए एवं विमानन मंत्रालय में जिस तरह का कब्जा किया गया है। उसके बाद उनके ऊपर कोई कार्रवाई हो, यह संभव ही नहीं है। वर्तमान हालात को कॉर्पोरेट भ्रष्टाचार से जोड़कर देखा जा रहा है। सरकार की देशभर में बड़ी बदनामी हो रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की हवाई सेवाओं को लेकर प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया है।

दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, सभी प्रमुख राज्यों में शीतलहर की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। मौसम विभाग ने दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत के सभी प्रमुख राज्यों में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। अनुमान है कि रविवार का दिन इस साल दिसंबर की सबसे ठंडी सुबह साबित हो सकता है। लगातार गिरते तापमान के चलते शीतलहर का असर तेजी से दिख रहा है। दिल्ली-एनसीआर में न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की आशंका जताई गई है।

राजधानी में लोग एक तरफ प्रदूषण और दूसरी ओर कड़ाके की ठंड की दोहरी मार झेल रहे हैं। दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई है और एक्यूआई 333 तक पहुंच गया है। 39 निगरानी स्टेशनों में से 35 ने 'बहुत खराब' रीडिंग दर्ज की, जिससे राजधानी घने धुंध और स्मॉग की चपेट में है।

आईएमडी ने बताया कि रविवार सुबह हल्का कोहरा, आंशिक रूप से बादल छाए रहने और घनी धुंध की स्थिति बनी रह सकती है। तापमान 8एष्ट से 23एष्ट के बीच रहने का अनुमान है। दिन में उत्तर-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जो तापमान में और गिरावट ला सकती हैं। मौसम विभाग ने अनुमान जताया कि 7 से 8 दिसंबर तक मौसम में धीरे-धीरे सुधार होगा और अधिकतम तापमान 24-26 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 8-10 डिग्री सेल्सियस रहेगा। शनिवार के बाद आसमान साफ रहने की संभावना है।

आईएमडी ने आगे बताया कि 10 और 11 दिसंबर को पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में शीतलहर चलने की संभावना है। 7 और 8 दिसंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश और विदर्भ, 7 दिसंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तथा झारखंड और ओडिशा के कई इलाकों में भी शीतलहर का असर दिख सकता है।

कफ सीरप मामले में कब चलेगा बाबा का बुलडोजर, अखिलेश का तंज..... चाबी खो गई या ड्राइवर भाग गया

वाराणसी । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कफ सीरप मामले में योगी सरकार पर सवाल उठा दिए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई नहीं होने को लेकर योगी सरकार की बुलडोजर नीति पर तंज कसा है। उन्होंने कफ सीरप मामले में शुभम सहित अन्य सभी के घर बुलडोजर चलाने की तारीख पूछी है।

अखिलेश ने कहा कि यूपी सरकार में बाबा का जो बुलडोजर न्याय देता था, वहां अभी बुलडोजर कहां है? क्या बुलडोजर की चाबी खो गई या ड्राइवर ही बुलडोजर छोड़कर भाग गया? अब तक यहां कोई सुनवाई नहीं होती थी केवल बुलडोजर चलता था, अब कफ सीरप माफिया पर क्यों नहीं चल रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कफ सीरप कांड में एसटीएफ के लोग शामिल हैं, इसलिए बाबा बुलडोजर नहीं चल रहा है। जो लोग दबाना चाहते हैं उसमें सबसे ज्यादा जौनपुर के लोग शामिल हैं। इन सभी को वहां पर कौन पोस्टिंग दिलाता था इसकी भी जांच होनी चाहिए। जौनपुर में एक यादव को चंद रुपयों के आरोप में गोली मारकर फेंक एनकाउंटर किया गया। अमेठी में भी एक स्वजातीय को मारा। जबकि असली आरोपियों की गिरफ्तारी, बुलडोजर या अन्य कार्रवाई में लेटलतीफी हो रही है। अखिलेश यादव ने कफ सीरप माफिया शुभम जायसवाल का वीडियो आने के बाद पूरी सरकारी मशीनरी और वाराणसी सहित यूपी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा दिए हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि बनारस सहित कई प्रदेशों में यह कफ सीरप कारोबार नेटवर्क फैला हुआ है। इस नेटवर्क में प्रशासनिक अफसर, पुलिस अफसर, भारतीय जनता पार्टी के लोग शामिल हैं। शुभम का वीडियो चैनल पर चलने का मतलब है, योगी सरकार के लोगों को पता है कि वह आरोपी शुभम कहां है और अगर सफाई देनी है, तब शुभम को भारत में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। जो लोग उन्हें दोषी लगते हैं, सरकार के सामने खुलेआम उनका नाम उजागर करना चाहिए। वहीं यह भी पूछा की आरोपी शुभम के घर और संपत्तियों पर कब बुलडोजर चलेगा।

भारत-यूएस के व्यापार समझौते पर शुरू होगी बातचीत

-जल्द दिल्ली आएगा अमेरिकी दल

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर 10 दिसंबर से बातचीत शुरू होगी। यह बातचीत तीन दिन चलेगी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए इस बातचीत को अहम माना जा रहा है। दोनों पक्षों की बातचीत 12 दिसंबर तक चलेगी और अभी यह बातचीत का औपचारिक राउंड नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए दिल्ली आएगा और उसका नेतृत्व अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर करेंगे।

अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिकी अधिकारियों का व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए यह दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले 16 सितंबर को अमेरिकी अधिकारियों ने भारत का दौरा किया था। इसके बाद 22 सितंबर को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक दल अमेरिका गया था। इससे पहले मई में भी पीयूष गोयल अमेरिका दौरे पर थे। हाल ही में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि अमेरिका के साथ इस साल ही व्यापार

समझौते के ढांचे पर सहमति बन जाएगी।

छह राउंड की बातचीत हो चुकी

व्यापार समझौते से भारतीय निर्यातकों को टैरिफ से राहत मिल सकती है। भारत और अमेरिका टैरिफ के मुद्दे को सुलझाने के लिए एक व्यापार ढांचा बनाने और एक पूर्ण व्यापार समझौते पर समानांतर बातचीत कर रहे हैं। अब तक छह राउंड की बातचीत हो चुकी है। इस समझौते का मकसद 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा 191 अरब से दोगुना करके 500 अरब डॉलर करना है। अमेरिका 2024-25 में लगातार चौथे साल भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बना रहा और दोनों देशों के बीच का व्यापार 131.84 अरब डॉलर रहा। भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत, आयात 6.22 प्रतिशत रहा।

रफ्तार ट्रक ने कार को सामने से मारी टक्कर... 5 लोगों की मौत

छतरपुर। छतरपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही जान चली गई। एक्सीडेंट मुंगवारी और चौपरिया सरकार गांव के बीच सागर-कानपुर हाईवे नंबर 34 पर शुक्रवार रात करीब 8 बजे हुआ। कार में सतना निवासी प्रजापति परिवार के 7 सदस्य सवार थे, जो शाहगढ़ जा रहे थे। सूचना मिलते ही सागर आईजी हिमानी खन्ना सहित गुलगंज पुलिस मौके पर पहुंची। कार के गेट तोड़कर शवों को बाहर निकाला जा सका। हादसे में इनकी गई जान महेंद्र प्रजापति (30), लक्ष्मण प्रजापति (40), दीपक प्रजापति (24), सुरेंद्र प्रजापति (26), लालू प्रजापति (17) शामिल है। पुलिस ने बताया कि ट्रक सागर की तरफ से आ रहा था जबकि कार छतरपुर की तरफ से आ रही थी। तेज रफ्तार ट्रक ने कार को सामने से टक्कर मारी। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक को लेकर भाग निकला था। जिसे पुलिस ने पीछा कर बिजावर रोड पर पकड़ लिया। ड्राइवर से पूछताछ कर रही है।

पद्मेश न्यूज
शहरनामा

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जंगली सूअर मोटरसाइकिल से टकराई-एक युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा चौकी से मिरगपुर रोड पर जंगली सूअर मोटरसाइकिल से टकराने से एक

युवक मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। घायल युवक आकाश पिता बेनीराम परते 30 वर्ष ग्राम हथोड़ा थाना तिरोड़ी निवासी है जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाश परते बोनकट्टा स्थित किसी कंपनी में काम करता है और प्रतिदिन मोटरसाइकिल से ही जाना आना करता है।जिसके परिवार में माता-पिता के अलावा उसकी पत्नी है। इसी वर्ष अप्रैल माह में ही आकाश परते की शादी हुई है। 5 दिसंबर को आकाश परते मोटरसाइकिल में ग्राम बोनकट्टा काम करने के लिए गया था। काम करने के बाद रात्रि 11ः00 बजे आकाश परते मोटरसाइकिल में बोनकट्टा से अपने घर हथोड़ा आ रहा था। तभी गर्रा चौकी से मिरगपुर रोड़ से अपने गांव आते समय अचानक मोटरसाइकिल से जंगली सूअर टकरा गई जिससे आकाश परते मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया।जिसके सिर में चोट आई थी। आकाश परते घायल हालत में हीमोटरसाइकिल में अपने घर पहुंचा।जिसे परिवार वालों ने कटंगी के अस्पताल में भर्ती किए थे।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

दुधारा में फांसी के फंदे पर लटका मिला युवक

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कथित तौर पर शेयर मार्केट और ट्रेडिंग में निवेश से जुड़ा कामकाज करने वाले एक 25 वर्षीय युवक ने खेत में एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवक दो दिन पहले वारासिवनी जाने की बात कहकर घर से निकला था। आज गांव में स्वयं के खेत में एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका हुआ शव बरामद किया गया। युवक ने आत्महत्या किन कारणों की वजह से की है पुलिस इसकी जांच में जुट चुकी है। मिली जानकारी अनुसार कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाम दुधारा के युवक प्रज्ञा रत्न पिता सूर्य प्रकाश बोरकर का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ बरामद किया गया। शनिवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे शव देखा गया। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया और पंचनामा कार्रवाई के बाद दोपहर करीब साढ़े 03 बजे शव को पीएम के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी पहुंचाया गया। मृतक के परिजनों के मुताबिक वह वारासिवनी में किराए के मकान में रहता था और वहीं पर शेयर मार्केट और ट्रेडिंग से जुड़ा कामकाज किया करता था जिसे वह ऑनलाइन का काम कहा करता था। पुलिस जांच के बाद ही आत्महत्या के सहीं कारण का पता चलेगा।

माताघाट माहुरखोदरा के जंगल में हॉक फोर्स-माओवादी मुठभेड़

बालाघाट-खैरागढ़ सीमा के जंगल में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ के बाद भागे माओवादी, बड़ी मात्रा में सामान मिला

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

स्पेशल हॉकफोर्स और नक्सलियों के बीच मप्र और छग के सीमावर्ती गांव माहुरखोदरा, पायलीमेटा एंव माताघाट जंगल क्षेत्र में दोनों तरफ से फायरिंग हुई.फायरिंग तब हुई जब सर्चिंग अभियान पर निकले थे स्पेशल हॉकफोर्स और जिला पुलिस बल के जवान तभी यह मुठभेड़ हुई। छत्तीसगढ़ के सीमावर्ति बालाघाट में मिला सीक्रेट डंप छोड़कर भागे माओवादी साथ ही बड़ी मात्रा में विस्फोटक और सामान बरामद हुई. नक्सली मौके से भाग निकले। बालाघाट एसपी ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12.30 बजे मप्र-छग सीमा क्षेत्र में माताघाट जंगल में माओवादियों के साथ मुठभेड़ हुई है। माओवादियों की संख्या स्पष्ट नहीं है। मुठभेड़ के बाद माओवादी अपना केम्प छोड़कर भाग निकले। सुरक्षाबलों ने बड़ी मात्रा में माओवादियों के दैनिक उपयोग के सामान, विस्फोटक, मेडिकल सामग्री आदि बरामद की है।घटना के मुताबिक बालाघाट तथा खैरागढ़ सीमा पर सुरक्षाबलों का तगड़ा नक्सल ऑपरेशन हुआ है,इस मुठभेड़ में किसी भी पक्ष के कोई हताहत नहीं होने की खबर है।

तत्काल मध्यप्रदेश और छतीसगढ़ बॉर्डर पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किया गया है.ऑपरेशन शुरु होते ही ठिकाना छोड़ जंगल में नक्सली भाग निकले।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों की बीच मुठभेड़

मध्य प्रदेश और छतीसगढ़ की सीमा पर पैलीमेटा, माताघाट और माहुरखोदरा के जंगल में एक बार फिर जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है, जिसमें नक्सली अपने ठिकानों को छोड़कर भाग निकले हैं. फिलहाल वहां भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात हैं. माओ वादियों की तलाश में लगातार ऑपरेशन जारी है।

घटना को लेकर बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि- मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर शनिवार दोपहर सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एक्सचेंज ऑफ फायर हुआ है. मुठभेड़ के दौरान नक्सली अपना सामान छोड़कर भागे हैं, लेकिन अभी सुरक्षाबलों ने कार्रवाई जारी रखी है. इस ऑपरेशन के बाद ही सारी जानकारी सामने आएगी।

फाईल फोटो

मुठभेड़ के दौरान अपना सामान छोड़कर भागे नक्सली, सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी है

उन्होंने आगे कहा, सुरक्षाबलों के लगातार संयुक्त ऑपरेशन के बाद नक्सलियों की संख्या सिमटकर रह गई है. किसी तरह जवानों से बचकर भागते फिर रहे हैं. चूंकि नक्सली संगठन के शीर्ष नेताओं और बड़ी संख्या में नक्सली सदस्यों ने या तो सरेंडर कर दिया है, या फिर मारे गए हैं. जिसके बाद से नक्सलवाद की रीड़ अब टूट चुकी है. अब नक्सलवाद का खात्मा भी तय माना जा रहा है. ऐसे में कुछ बचे हुए नक्सली जंगलों में छिपते, भागते नजर आ रहे हैं।

नक्सलियों की कमर टूट गई

जिनसे शासन प्रशासन की तरफ से खुले शब्दों में कहा गया है कि या तो सरकार की नीतियों का लाभ लेते हुए मुख्य धारा में लौट आएं या फिर जवानों की कार्रवाई के लिए तैयार रहें. नक्सल संगठन लगभग बिखरकर रह गया है. बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण के बाद वैसे ही नक्सलियों की कमर टूट गई है. इसके अलावा काफी संख्या में एनकाउंटर ने भी उन्हें नुकसान पहुँचाया है. नक्सलवाद के खात्मे को लेकर जारी डेडलाइन के बाद संयुक्त रूप से सघन ऑपरेशन के दबाव की वजह से नक्सलवाद अब अंतिम कगार पर पहुँच चुका है।

बालाघाट के जंगलों को छोड़ भाग रहे नक्सली

बालाघाट पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने कहा, बचे हुए शेष नक्सलियों से प्रशासन की अपील है कि अब छुपने और भागने से कुछ नहीं होने वाला है. इसलिए सरकार की समर्पण नीति का लाभ लेकर मुख्य धारा में वापस लौटें, अन्यथा इसका खामियाजा भुगतना होगा। जैसे-जैसे मिशन 2026 के पूरा होने का समय करीब आ रहा है, वैसे-वैसे सुरक्षाबल माओवादियों पर चौतरफा दबाव बना रहे हैं। शनिवार को मध्यप्रदेश के बालाघाट और छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ सीमा क्षेत्र के जंगल में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। जिस क्षेत्र में मुठभेड़ हुई है, वह बालाघाट के अंतर्गत आता है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

उन्होंने 'बालाघाट एक्सप्रेस ' से चर्चा में बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12.30 बजे मप्र-छग सीमा क्षेत्र में माताघाट पर माओवादियों के साथ मुठभेड़ हुई है। माओवादियों की संख्या स्पष्ट नहीं है। मुठभेड़ के बाद माओवादी अपना डेरा छोड़कर भाग निकले। सुरक्षाबलों ने बड़ी मात्रा में माओवादियों के दैनिक उपयोग के सामान, मेडिकल सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक सामग्री और पिट्ठू बैग आदि बरामद किये। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि माओवादियों के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है।

माओवादी लगातार अपने केम्प को छोड़कर भागने को मजबूर हैं

इधर, सुरक्षाबलों के दबाव का ही नतीजा है कि माओवादी लगातार अपने डेरे छोड़कर भागने पर मजबूर हो रहे हैं। नक्सली एक जगह नहीं रुक पा रहे हैं। उन्हें बार-बार अपने ठिकाने बदलने पड़ रहे हैं। खास बात है कि माओवादियों को गांवों से मिलने वाला सहयोग मिलना अब बिल्कुल बंद हो गया है। ग्रामीण अच्छे-बुरे में फर्क समझ रहे हैं।

उन्होंने माओवादियों को किसी भी तरह से सहयोग न करने का संकल्प लिया है। इसलिए वो राशन-दवाइयों के लिए मोहताज हैं। उनके पास खाने-पीने की सामग्री भी खत्म हो रही है। पुलिस अधीक्षक ने एक बार फिर माओवादियों को आत्मसमर्पण करने या सुरक्षाबलों की कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी है।

डीईओ श्री उपाध्याय ने स्कूल प्राचार्यो की ली समीक्षा बैठक

स्कूलों के तिमाही परीक्षा परिणाम को लेकर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने 06 दिसंबर को जिले के समस्त शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2025-26 में स्कूल के तिमाही परीक्षा में 40 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले संस्था प्राचार्यो के साथ विस्तार से चर्चा की। यह बैठक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में आयोजित की गई, जिसमे हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के तिमाही परीक्षा में 40 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों के प्राचार्य एवं जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट के 40 संस्था प्राचार्यो की उपस्थिति रहीं।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी उपाध्याय ने वर्ष 2025-26 में स्कूलों के तिमाही परीक्षा में 40 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग की विस्तार से समीक्षा की और प्राचार्यो को निर्देशित किया कि प्रतिदिन स्वयं समय पर उपस्थित रहकर शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराए। सभी प्राचार्य डी एवं ई ग्रेड वाले विद्यार्थियों की सूची, रेमीडियल कक्षों के आयोजन के लिए समय सारणी एवं अकादमिक कार्य योजना अपने टेबल पर रखेगें, ताकि निरीक्षण के दौरान उसका अवलोकन किया जा सके। सभी प्राचार्य अकादमिक कार्य योजना शैक्षणिक कलेण्डर अनुसार तैयार करेगें एवं रेमिडियल कक्षा के कालखण्ड विषयवार प्रतिदिन के हिसाब से तैयार करेगें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को निर्देशित किया जाए कि पढाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को लिखकर पढने का अभ्यास कराए।

डीईओ उपाध्याय द्वारा प्राचार्यो से वन टू वन चर्चा के दौरान गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, और सामाजिक विज्ञान में कम अंक आने के कारणों का विश्लेषण कर सुधारात्मक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया गया। प्राचार्यों ने बताया कि तिमाही परीक्षा की तुलना में अर्द्धवार्षिक परीक्षा का परिणाम बेहतर हुआ है । उन्होंने आश्वासन दिया है कि वार्षिक परीक्षा के लिए शत-प्रतिशत लक्ष्य लेकर अकादमिक कार्य योजना तैयार की जा रही है और उस दिशा में कार्य किया जा रहा है ।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-

हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता

यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।

आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]

स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

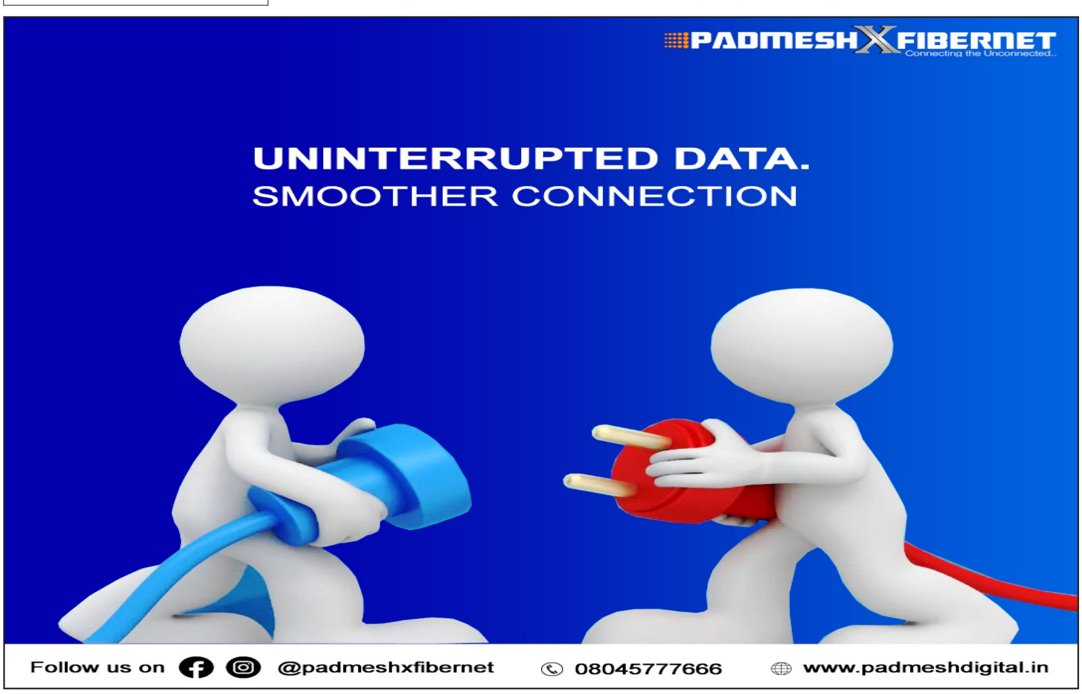

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, **स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट